राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 मुंबई-सीएसके की टक्कर मैनचेस्टर यूनाइटेड बनाम लिवरपूल ...

वानखेड़े में वापस आना घर वापसी जैसा 11

वर्ष : 10 | अंक : 324 | पटना, रविवार, 09 अप्रैल, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

हिंसा मामले पर बोलें सीएम- जहां नुकसान पहुंचाया गया है, उसके लिए कुछ किया जाएगा

जदयू द्वारा आयोजित दावत-ए-इफ़्तार में शामिल हुए नीतीश कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को हज भवन में जदयू द्वारा आयोजित दावत-ए-इफ्तार में शरीक हुये। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग दावत-ए-इफ्तार में आए हैं, आप सभी को बहुत-बहुत बधाई। नवादा और सासाराम हिंसा मामले में आरोपियों के घर की हो रही कुर्की जब्ती के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों जगहों पर प्रशासन के लोग लगे हुए हैं। वे लोग अपना काम कर रहे हैं। जहां भी नुकसान पहुंचाया गया है, उसके लिए भी कुछ किया जाएगा। लोगों के हित में जो करना है वह किया जाएगा। अडाणी मामले में जेपीसी के गठन को लेकर शरद पवार के बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह तो वही बताएंगे, हमने भी देखा कि लोगों की राय अपनी-अपनी होती है, यह उनकी अपनी इच्छा है।

मुख्यमंत्री को गुलदस्ता, टोपी एवं साफा भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया। इफ्तार के बाद रोजे की नमाज अदा की गई, जिसमें दावत-ए-इफ्तार में शरीक मुख्यमंत्री सहित सभी रोजेदारों ने प्रदेश, समाज और देश में अमन-चैन, शांति एवं भाईचारे का माहौल कायम रहने की दुआ माँगी। मुख्यमंत्री ने दावत-ए-इफ्तार में शामिल हुये विभिन्न दलों के नेताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा, विधि मंत्री शमीम अहमद, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री आलोक कुमार मेहता, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री अनिता देवी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो जमा खान, आपदा प्रबंधन मंत्री शाहनवाज, बिहार विधानसभा के

अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी, बिहार विधान परिषद् के सभापति देवेश चन्द्र ठाकुर, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, काँग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी, विधान पार्षद खालिद अनवर, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, बिहार स्टेट सुन्नी वक्फ बोर्ड के चेयरमैन इरशादुल्लाह, बिहार स्टेट शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैयद अफजल अब्बास, जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सलीम परवेज, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की प्रधान सचिव डॉ सफिना एएन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं रोजेदार उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

ईसा मसीह के संदेशों को अपना समाज में प्रेम, सद्भाव फैलाएं : मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को ईस्टर की पूर्व संध्या पर लोगों को बधाई दी और कहा कि सभी को प्रभु ईसा मसीह के संदेशों को अपनाकर समाज में प्रेम और सद्भाव फैलाना चाहिए तथा राष्ट्र के विकास में योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईसा मसीह के पुनर्जीवन के रूप में मनाया जाने वाला यह खुशी का त्योहार, प्रेम और करुणा का प्रतीक है। राष्ट्रपति ने कहा, ईसा मसीह ने सत्य और न्याय के लिए अपने जीवन का बलिदान देकर प्रेम और क्षमा का संदेश दिया। उनका जीवन करुणा और त्याग का अनुपम उदाहरण है। मुर्मू ने कहा, आइए हम प्रभु ईसा मसीह के संदेशों को अपनाकर अपने समाज में प्रेम और सद्भाव बढ़ाएं तथा राष्ट्र के विकास में योगदान देने का संकल्प लें। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक राष्ट्रपति ने ईस्टर की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं। राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा, ईस्टर के अवसर पर, मैं भारत और विदेशों में रहने वाले सभी नागरिकों, विशेष रूप से ईसाई समुदाय के लोगों को अपनी शुभकामनाएं देती हूं।

ईडी ने अनिल जयसिंघानी को आईपीएल से जुड़े धन शोधन मामले में किया गिरफ्तार

नई दिल्ली/अहमदाबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में संदिग्ध बुकी अनिल जयसिंघानी को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस को रिश्वत देने की कोशिश करने और ब्लैकमेल करने की साजिश रचने के आरोप में जयसिंघानी और उसकी बेटी अनिक्षा को हाल में गिरफ्तार किया था। आरोप है कि अमृता ने अनिक्षा के पिता अनिल जयसिंघानी को उसके खिलाफ दर्ज कई मामलों में बचाने से इनकार किया, तो उनसे पैसे ऐंठने की भी कोशिश की गई। ईडी के अहमदाबाद कार्यालय ने शुक्रवार को पेशी वारंट के साथ मुंबई की एक अदालत का रुख किया और जयसिंघानी को हिरासत में लिया। जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत उसकी हिरासत की मांग की। ईडी अहमदाबाद की एक अदालत द्वारा जयसिंघानी के खिलाफ अतीत में जारी एक गैर-जमानती वारंट पर कार्रवाई कर रही थी। यह वारंट आईपीएल मैचों में कथित सट्टेबाजी से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में 2015 में जारी किया गया था।

बिहार में बड़ा प्रशानिक फेरबलदल, आईएएस अधिकारियों के बाद कई आईपीएस इधर से उधर

सहरसा के एसपी लिपि सिंह को बीएमपी कमांडेट का जिम्मा

पूरण कुमार झा को पटना के ट्रैफिक एसपी की जिम्मेवारी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। कई जिलों के डीएम और एसपी को बदल दिया गया है। दरअसल, राज्य सरकार ने शनिवार को बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों के तबादले के बाद कई जिलों के एसपी समेत भारी संख्या में आईपीएस अधिकारियों का भी ट्रांसफर कर दिया है। सरकार ने सीतामढ़ी, सुपौल, वैशाली, पश्चिम चंपारण, सहरसा के एसपी को भी बदल दिया है। बहुचर्चित आईपीएस अधिकारी लिपि सिंह को सहरसा के एसपी पद से हटाकर बीएमपी का कमांडेट बनाया गया है।

राज्य सरकार ने कुल 26 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। राज्य सरकार ने सीतामढ़ी के एसपी हरकिशोर राय का ट्रांसफर बीएमपी 16 के कमांडेंट पद पर किया है वे बीएमपी 14 के अतिरिक्त प्रभार पर भी रहेंगे। मनोज कुमार तिवारी को सीतामढ़ी का नया एसपी बनाया गया है, वे बीएमपी 8 के कमांडेंट पद पर तैनात थे। वैशाली के एसपी मनीष को सीआईडी में एसपी बनाया गया है। रवि रंजन कुमार को वैशाली का नया एसपी बनाया गया है वे बीएमबी 12 में तैनात थे। सुपौल के एसपी डी. अमरकेश का ट्रांसफर पश्चिम चंपारण के एसपी पद पर किया गया है। डीआईजी-13

के कमांडेंट शैशव यादव को सुपौल का नया एसपी बनाया गया है। सहरसा में एसपी पद पर तैनात बहुचर्चित अधिकारी लिपि सिंह को बीएमपी-2 डिहरी का कमांडेट बनाया गया है। सहरसा के एसपी पद पर उपेन्द्र नाथ वर्मा की तैनाती की गयी है वे पश्चिम चंपारण के एसपी पद पर तैनात थे। पटना के यातायात एसपी अनिल कुमार का भी तबादला किया गया है। उन्हें पुलिस मुख्यालय में एफरर का एसपी बनाया गया है। पूरण कुमार झा को पटना का नया ट्रैफिक एसपी बनाया गया है। सरकार ने इसके साथ ही कई अन्य अधिकारियों का भी तबादला किया है। गया के सिटी एसपी अशोक कुमार प्रसाद को बीएमपी-12 को कमांडेट बनाया गया है। आरा सदर के एसडीपीओ हिमांशू को गया का सिटी एसपी बनाया गया है। वही बाढ़ के एसडीपीओ अरविंद प्रताप सिंह को मुजफ्फरपुर का सिटी एसपी बनाया गया है। बीएमपी 16 के कमांडेट पुष्कर आलम को बीएमपी 3 बोधगया का कमांडेंट बनाया गया है। वेटिंग फॉर पोस्टिंग हिमांशू शंकर द्विवेदी को बीएमपी-11 जमुई का समादेष्टा बनाया गया है। सीआईडी में तैनात तौहिद परवेज को बीएमपी 6 मुजफ्फरपुर में कमांडेंट बनाया गया है। पुलिस मुख्यालय ने एआईजी रमन कुमार चौधरी को जमालपुर रेल पुलिस का एसपी बनाया है। बीएमपी 6 मुजफ्फरपुर के कमांडेंट विशाल वर्मा को पुलिस मुख्यमालय में एआईजी बनाया गया है। बीएमपी 2 डिहरी की कमांडेट हृदयकांत को बीएमपी 8 बेगूसराय का कमांडेट बनाया गया है। डिहरी, रोहतास की एसडीपीओ नवजोत सिमी को सीआईडी में कमजोर वर्ग और महिला कोषांग का एसपी बनाया गया है। गया के एएसपी भारत सोनी को बाढ़ का एसडीपीओ : सरकार ने पटना के तीन एसडीपीओ को बदल दिया है। गया के एएसपी भारत सोनी को बाढ़ का एसडीपीओ बनाया गया है। चकिया, मोतिहारी के एसडीपीओ शरथ आरएस अब पटनासिटी के एसडीपीओ होंगे। वहीं रजौली, नवादा के एसडीपीओ विक्रम सिहाग अब फुलवारीशरीफ के एसडीपीओ होंगे।

शिवहर, बक्सर व सारण सहित कई जिलाधिकारियों का तबादला

दिनेश कुमार राय बने पश्चिम चंपारण के जिलाधिकारी

पटना। बिहार सरकार ने बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया है। सूबे के कई जिलों के जिलाधिकारियों को बदल दिया गया है। सरकार ने पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, शिवहर, बक्सर, कटिहार, पूर्णिया, सहरसा, खगड़िया, औरंगाबाद, मधेपुरा, छपरा, कैमूर, शेखपुरा, सीवान के जिलाधिकारियों का तबादला कर दिया है। राज्य सरकार ने गृह विभाग में तैनात संयुक्त सचिव दिनेश कुमार राय को पश्चिम चंपारण जिले का नया डीएम बनाया है। वहीं, पश्चिम चंपारण के मौजूदा जिलाधिकारी कुंदन कुमार को पूर्णिया का डीएम बना दिया गया है। कैमुर के जिलाधिकारी नवदीप शुक्ला को पशुपालन विभाग का निदेशक बनाया गया है।

वही, सहरसा के डीएम आनंद कुमार को पंचायती राज विभाग में निदेशक बनाया गया है। सिवान के डीएम अमित कुमार पांडेय को खगड़िया का नया डीएम बनाया गया है। औरंगाबाद के डीएम सौरभ जोरवाल पूर्वी चंपारण का नया डीएम बनाया गया है। मधेपुरा के डीएम श्याम बिहारी मीणा का तबादला बिहार सरकार के नियोजन एंव प्रशिक्षण के निदेशक पद पर कर दिया गया है। उन्हें अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पूर्णिया के डीएम सुहर्ष भगत को औरंगाबाद, बक्सर के डीएम अमन समीर को सारण व शेखपुरा के डीएम सावन कुमार को कैमुर का डीएम बनाया गया है। वहीं, अरवल की डीएम जे. प्रियदर्शिनी को

शेखपुरा का नया डीएम बनाया गया है। भवन निर्माण विभाग में संयुक्त सचिव पद पर तैनात वर्षा सिंह को अरवल व शिवहर के डीएम मुकुल कुमार गुप्ता को सिवान का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। प्राथमिक शिक्षा निदेशकर रवि प्रकाश को कटिहार का नया डीएम बनाया गया है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव अंशुल अग्रवाल को बक्सर का नया डीएम बनाया गया है। बिहार सरकार में पशुपालन निदेशक विजय प्रकाश मीणा को मधेपुरा का नया डीएम बनाया गया है। विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के निदेशक वैभव चौधरी को सहरसा का जिलाधिकारी बनाया गया है। उत्पाद आयुक्त सह निबंधन महानिदेशक बी. कार्तिकेय धनजी का तबादला कर दिया है। उन्हें बिहार शिक्षा परियोजना का परियोजना निदेशक के साथ-साथ राज्य परिवहन आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। विनोद सिंह गुंजियाल को मद्य निषेद्य उत्पाद एवं निबंधन विभाग में सचिव बनाया गया है। उन्हें बिपार्ड का विशेष कार्य पदाधिकारी बनाया गया है। छपरा के नगर आयुक्त संजय कुमार उपाध्याय को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है। सीमा त्रिपाठी को राज्य परिवहन आयुक्त से हटाकर कला संस्कृति एवं युवा विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात किया गया है। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के एमडी कंवल तनुज को पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है। नियोजन एवं प्रशिक्षण निदेशक अरुण कुमार ठाकुर को आपदा प्रबंधन विभाग में संयुक्त सचिव बनाया गया है। वेटिंग फॉर पोस्टिंग अलंकृता पांडेय को स्वास्थ्य विभाग में संयुक्त सचिव बनाया गया है। महनार के एसडीओ सुमित कुमार को छपरा का नगर आयुक्त बनाया गया है। बांका के एसडीओ प्रीति को सीतामढ़ी का डीडीसी बनाया गया है। मुंगेर के एसडीओ यतेन्द्र कुमार पाल को रोहतास, सासाराम का नगर आयुक्त बनाया गया है। दरभंगा के अनुमंडल पदाधिकारी स्पर्श गुप्ता को किशनगंज का डीडीसी बनाया गया है। 2019 बैच की अधिकारी प्रियंका रानी को सारण, छपरा का डीडीसी बनाया गया है। 2006 बैच अधिकारी नंद किशोर, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड पटना के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। पहले से ही वे सहकारिता विभाग में विशेष सचिव के पद पर हैं साथ ही बिहार राज्य फल एवं सब्जी विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार में हैं। वेटिंग फॉर पोस्टिंग 2016 बैच के अधिकारी अभिषेक कुमार को उद्यान, बिहार, पटना का निदेशक बनाया गया है।

वाराणसी के होटल में तेजप्रताप यादव से बदसलूकी

उनके सामान बाहर निकाला, मंत्री ने थाने में की लिखित शिकायत

प्रात : किरण

वाराणसी/ एजेंसी। बिहार के वन एवं पर्यावरण मंत्री तेजप्रताप यादव के साथ वाराणसी के एक होटल में बदसलूकी का मामला प्रकाश में आया है। उनके सामान को होटल ने बाहर निकाल दिया। शुक्रवार रात 1 बजे उनका सामान बिना जानकारी दिए होटल के रिसेप्शन पर रख दिया गया। उस दौरान तेजप्रताप अपने दोस्तों के साथ अस्सी घाट घूमने गए थे। जब वो होटल लौटे तो देखा कि सामान बाहर पड़ा हुआ था। इसके बाद तेजप्रताप के निजी सहायक मिशाल सिन्हा ने सिगरा थाना पुलिस से इस मामले में लिखित शिकायत की है। तेजप्रताप यादव अपने निजी दौरे पर वाराणसी आए थे। होटल संचालक की इस करतूत की सूचना पुलिस को दी गई है। यह घटना वाराणसी के सिगरा क्षेत्र के अरकेडिया होटल की है। होटल प्रबंधन कहना है कि मंत्री जी के नाम से 205 और 206 नंबर कमरा बुक था। शुक्रवार दोपहर 12 बजे मंत्री जी को कमरा खाली करना था, लेकिन उन्होंने कमरा खाली नहीं किया। उस कमरे की बुकिंग चेन्नई के एक गेस्ट ने ऑनलाइन कराई थी। वो होटल पहुंच गया। होटल प्रबंधन का कहना है कि हम मंत्री जी के स्टाफ के सामने ही उनका सामान दूसरे कमरे में शिफ्ट करवा रहे थे। इस पर वो नाराज हो गए। दोनों कमरे छोड़कर गाड़ी में बैठ गए। मंत्री का कमरा आज सुबह तक उनके नाम से बुक था, लेकिन वो रात में ही चले गए। होटल प्रबंधन का कहना है कि मंत्री जी कंफ्यूज हो गए थे। शिकायत में बताया गया है कि मंत्री तेजप्रताप 206 नंबर कमरे में ठहरे थे। बगल के 205 कमरे में उनके निजी सहायक और सुरक्षाकर्मी थे। वो सुबह 11 बजे मंदिर दर्शन और अस्सी घाट पर गंगा आरती के लिए निकले थे। वापस रात 12 बजे लौटे तो उनका सामान रिसेप्शन पर रख दिया गया था। बिना अनुमति के मंत्री जी का कमरा 206 खोला गया। जो उनकी सुरक्षा के लिए भी घातक है। इस दौरान उनका एक स्टाफ दिलावर भी मौजूद था। उसे रूम नंबर 205 से निकालकर रिसेप्शन पर बिठा दिया गया। ये काम नियम के खिलाफ है। तुरंत कार्रवाई कीजिए।

चीन सीमा के पास अरुणाचल के गांव का दौरा करेंगे शाह

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 10 और 11 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश का दौरा करेंगे, जिस दौरान वह भारत-चीन सीमा से लगे एक गांव किबिथू में जीवंत गांव कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे। गृह मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 के लिए विशेष रूप से सड़क संपर्क के वास्ते 2,500 करोड़ रुपये सहित 4,800 करोड़ रुपये के केंद्रीय घटक के साथ जीवंत गांव कार्यक्रम (वीवीपी) को मंजूरी दी है। वीवीपी एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसके तहत उत्तरी सीमा से सटे अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के 19 जिलों के 46 ब्लॉक में 2,967 गांव की व्यापक विकास के लिए पहचान की गई है।

पहले चरण में, प्राथमिकता कवरेज के लिए आंध्र प्रदेश में 455 सहित 662 गांव की पहचान की गई है। बयान में कहा गया है कि वीवीपी, चिन्हित सीमावर्ती

गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करेगा और लोगों को अपने मूल स्थानों पर रहने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे इन गांवों से पलायन को रोकने में और सीमा की सुरक्षा बढ़ाने में सहायता मिलेगी। जिला प्रशासन, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर उपयुक्त तंत्र की मदद से, केंद्र और राज्य की योजनाओं की 100 प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करने के लिए चिन्हित गांवों के लिए कार्ययोजना तैयार करेगा। गांवों के विकास के लिए हस्तक्षेपों वाले क्षेत्र के रूप में जिन क्षेत्रों की पहचान की गई है, उनमें सड़क संपर्क, पेयजल, सौर एवं पवन ऊर्जा सहित बिजली, मोबाइल और इंटरनेट संपर्क, पर्यटन केंद्र, बहुउद्देश्यीय केंद्र और स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना एवं कल्याण केंद्र शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि शाह, गृह मंत्री के रूप में अरुणाचल प्रदेश के अपने पहले दौरे में, 10 अप्रैल को किबिथू में ह्यस्वर्ण जयंती सीमा रोशनी कार्यक्रमह्न के तहत निर्मित राज्य सरकार की नौ सूक्ष्म पनबिजली परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। बयान में कहा गया है कि ये बिजली परियोजनाएं सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों को सशक्त बनाएंगी।

समग्र स्वास्थ्य के लिए सी-20 की बैठक शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली/ एजेंसी। जी -20 में मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य की सिविल, सी- 20 बैठक शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के फरीदाबाद में आरंभ हो गयी जो अगले दो दिन तक चलेगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने फरीदाबाद के अमृता अस्पताल में बैठक का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारतीय चिकित्सा पद्धतियां समग्रता में विश्वास करती है। इसलिए योग को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में बराबर ध्यान दिया गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के टेड्रोस घेब्रेयसस ने बैठक को ऑनलाइन संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और आयुष मंत्रालय के सलाहकार मनोज नैसारी तथा हरियाणा के सरकार के कई मंत्री और रवांडा तथा अर्जेंटीना प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। सी-20 की अध्यक्ष माता अमृतानंदमयी ने ऑनलाइन संबोधित किया। उद्घाटन समारोह में डिजिटल शिक्षा फार एडवांस्ड क्लिनिकल कैपेसिटी लर्निंग- दिशा ऐप और वी आर विद यू ऐप का लोकार्पण किया गया। दिशा ऐप दूर दराज के क्षेत्रों के काम कर रहे चिकित्सा कर्मियों के लिए और वी आर विद यू ऐप मानसिक स्वास्थ्य के लिए है।

बैठक में 700 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जिसमें जी -20 के मूल वक्तव्य में मानसिक एवं स्वास्थ्य के संबंध में शामिल होने वाली विषयवस्तु तैयार करेंगे। पूरी बैठक मानसिक स्वास्थ्य, पोषण, महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, बुजुर्गों की देखभाल, समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण, एक स्वास्थ्य और गैर संचारी रोगों में कमी सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य के सात क्षेत्रों में केंद्रित है। इस अवसर पर मनोहर लाल ने अमृता स्कूल आफ मेडिसिन का उद्घाटन भी किया। इसके परिसर में वर्ष 2023-24 के लिए एमबीबीएस के लिए 150 सीट रखी गयी है।

रवाना पीएम ने तिरुपति के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

परिवारवादी ताकतें व्यवस्था पर अपना नियंत्रण नहीं छोड़ना चाहतीं : मोदी

प्रात : किरण

हैदराबाद/ एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (भारस) और कांग्रेस की राजनीति पर शनिवार को करारा प्रहार करते हुए कहा कि ये परिवारवादी ताकतें व्यवस्था पर अपना नियंत्रण छोड़ना नहीं चाहतीं, क्योंकि इससे उनके भ्रष्टाचार की राजनीति अवरुद्ध हो जाएगी। श्री मोदी ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर तिरुपति के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर रवाना करने के बाद परेड मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और 11 हजार 300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इनमें 7865 करोड़ रुपए की छह राजमार्ग परियोजनाएं तथा बीबीनगर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) निर्माण

शामिल है। प्रधानमंत्री ने 720 करोड़ रुपये की सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन की पुनर्विकास की महत्वांकाक्षी परियोजना का शिलान्यास और हैदराबाद के उपनगरीय क्षेत्रों के लिए 13 नई एमएमटीएस सेवाओं का शुभारंभ किया तथा सिकंदराबाद से महबूबनगर के बीच करीब 85.24 किलोमीटर लंबी लाइन के दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण का लोकार्पण भी किया। श्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि तेलंगाना-आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाली एक और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई है। यह आधुनिक ट्रेन अब भाग्यलक्ष्मी मंदिर के शहर को भगवान श्री वेंकटेश्वर धाम तिरुपति से जोड़ेगी। उन्होंने कहा, ह्लआज मुझे तेलंगाना के विकास को और गति देने का पुनः सौभाग्य मिला है। आज यहां शुरू की गई वंदे भारत एक्सप्रेस आस्था, आधुनिकता, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म को कनेक्ट करने वाली है।

उन्होंने कहा कि बीते नौ वर्षों के दौरान हैदराबाद में करीब 70 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बनाया गया है। हैदराबाद के मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमएमटीएस) प्रोजेक्ट पर भी तेजी से काम हुआ है। एमएमटीएस का तेजी से विस्तार हो इसके लिए इस वर्ष के केंद्रीय बजट में तेलंगाना के लिए 600 करोड़ रुपये रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे के साथ-साथ तेलंगाना में राजमार्गों का नेटवर्क भी तेजी से विकसित किया जा रहा है। केंद्र सरकार के निरंतर प्रयास की वजह से आज तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई दोगुनी हो चुकी है। साल 2014 में यहां करीब 2500 किलोमीटर लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग था जो आज बढ़ कर 5,000 किलोमीटर पहुंच गया है। इस समय भी तेलंगाना के विकास के लिए 60 हजार करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है जिसमें गेम चेंजर हैदराबाद रिंग रोड भी शामिल है। उन्होंने कहा, लेकिन मैं निराश हो जाता हूं जब केंद्र सरकार द्वारा विकास और कल्याणकारी उपाय राज्य सरकारों द्वारा उत्पन्न बाधाओं के कारण अच्छी तरह से फलीभूत नहीं होते हैं। तेलंगाना में ऐसा होता रहा है।

संक्षिप्त खबरें

मैट्रिक के तीन सफल प्रतिभागी हुए सम्मानित

फतुहा। मैट्रिक के तीन सफल प्रतिभागी को सम्मानित किया गया। शनिवार को मैट्रिक के तीन सफल प्रतिभागी को जीएस एकेडमी के द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान स्टेशन रोड स्थित एक भवन में किया गया। खिरोधर पुर के 468 अंक लाने वाले सोनु कुमार, रायपुरा के 462 अंक लाने वाले स्वरलोक कुमार व स्थानीय बांकीपुर गोरख के 441 अंक लाने वाले स्नेहा रानी को मोहम्मद इर्शाद अली ने मेडल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर एकेडमी के संचालक सुजीत कुमार के साथ विपिन कुमार व कुंदन कुमार भी मौजूद रहे।

दो लोगों के कोरोना पोजिटिव होने से मचा हड़कंप

फतुहा। स्थानीय सीएचसी में हो रहे नियमित जांच के दौरान दो कोरोना पोजिटिव होने का मामला प्रकाश में आया है। एक की आरटीपीसीआर जांच के तहत तथा दूसरे की एंटीजन किट जांच के तहत रिपोर्ट पोजिटिव आयी है। पहला मामला सोराकोठी मुहल्ले की है तो दूसरा मामला रसलपुर गांव की है। नियमित जांच की कमान संभाल रही एएनएम कल्पना सिन्हा ने बताया कि दोनों पोजिटिव शख्स को दवा के साथ एहतियात बरतने को कहा गया है।

पूजा के बाद निकाला शोभायात्रा

पटना सिटी (प्राकि)। गुलजारबाग हॉट विक्रेता संघ की ओर से अखंड हरिकीर्तन स्वर्ण जयंती समारोह महोत्सव का आयोजन किया गया था इसका समापन शनिवार को हुआ इस दिन विसर्जन शोभायात्रा गुलजारबाग से निकाली गई। इसमें संजय मेहता, सचिव अशोक कुमार, जुगल जायसवाल, राजू कुशवाहा, राजेश गुप्ता, मनोज गुप्ता, वार्ड 57 के पार्षद प्रतिनिधि राजू गुप्ता, राजू मेहता आदि शामिल थे। गुलजारबाग सब्जी मंडी में स्थापित भगवान श्री राम दरबार की मूर्ति का विसर्जन शोभायात्रा शेरशाह पथ, गायघाट होते भद्र घाट पहुंची। रास्ते में विभिन्न जगह पर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। संघ की ओर से आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में रविवार को शांति पूजा होगी।

चर्च में ईस्टर आज, हुआ मिस्सा बलिदान पूजा

पटना सिटी (प्राकि)। पादरी की हवेली स्थित महागिरजा घर में रविवार को ईस्टर का त्योहार मनाया जाएगा। शनिवार को यहां पल्ली पुरोहित फादर ललित बारा की देखरेख में कैंडल जला कर ईसाई समुदाय को आशीष दिया गया। इसके बाद जुलूस की शक्ल में सभी चर्च में प्रवेश किए। यहां मिस्सा बलिदान पूजा के साथ बाइबिल का पाठ हुआ और प्रभु के वचन का सात पाठ किया गया। सहायक फादर प्रवीण लोवो व फादर प्रदीप सोरेंग, मिशनरी ऑफ चैरिटी की माता सदा सहायिका की धर्म बहनें के साथ एम्ब्रोस पैट्रिक, अभिषेक पैट्रिक, पूजा एन शर्मा, रिचर्ड रंजन, विक्टर अल्फेंस, कांता अल्फेंस, अग्नेस जेरेमी, अजीता कुजूर, राजेश कुमार, अनिल किडो, अनूप पाल, राजेश अल्फेंस, अल्बर्ट माइकल, रोजमंड जेरेमी, एंथोनी राज आदि उपस्थित थे। फादर ने बताया कि रविवार को ईस्टर का त्योहार मनाया जाएगा। इसमें मिस्सा बलिदान के बाद प्रभु के वचन सुनाने व प्रार्थना के साथ अन्य धार्मिक आयोजन होगा।

चुनाव के बाबत बिहारी सिखों की बैठक 14 के बाद

पटना सिटी (प्राकि)। श्री सनातनी सिख सभा पटना साहिब के द्वारा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव को लेकर बिहार के मूल निवासी सिखों की बैठक बैसाखी के बाद बुलाई जाएगी। बैठक में हलका नंबर एक, दो और तीन के अलावा उत्तरी बिहार और दक्षिणी बिहार के चुनाव के उम्मीदवार पर सर्वसम्मति से विचार-विमर्श कर समर्थन किया जाएगा। बिहार के मूल निवासी सिख उसी उम्मीदवार को समर्थन देगा, जो तख्तश्री पटना साहिब के पुरातन मयार्दा बनाए रखने और तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के विकास, लंगर, यात्रियों के लिए आवास की समुचित व्यवस्था, धर्म प्रचार, गरीब सिख एवं सेवादारों के बच्चों की पढ़ाई, लिखाई एवं रोजी रोटी की व्यवस्था, गुरुमुखी की पढ़ाई एवं गुरमत संगीत पाठ विद्यालय की व्यवस्था, स्वास्थ्य की उत्तम व्यवस्था, मेडिकल और इंजीनियर कॉलेज खोलने की व्यवस्था, नानकशाही और उदासीन गुरुद्वारे की देखरेख की व्यवस्था के प्रबंध करने वाले अमृतधारी और गुरसिख उम्मीदवार को समर्थन किया जाएगा।

14 व 15 को सिटी स्कूल मैदान में होगा पटना साहिब महोत्सव

डीएम ने 15 कोषांग गठित कर ससमय तैयारी का दिया निदेश

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटना साहिब महोत्सव 14 और 15 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। सभी तैयारियों को ससमय सुनिश्चित करने के लिए डीएम ने 15 कोषांग का गठन किया है। पर्यटन विभाग, बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय उच्च विद्यालय पटना सिटी के मैदान में इसका आयोजन होना है। आयोजन की सफलता के लिए डीडीसी को वरीय नोडल पदाधिकारी और विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी और अपर जिला दंडाधिकारी सामान्य को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त जिला नजारत उप समाहर्ता एवं सिटी एसडीओ को सहायक नोडल पदाधिकारी के रूप में कार्य करने को नामित किया गया है।

सभी पदाधिकारी गठित सभी 15 कोषांगों के कार्यों का नियमित परीक्षण करेंगे एवं महोत्सव के भव्य आयोजन के लिए सभी कार्यवाही ससमय सुनिश्चित करेंगे। डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह शनिवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में पटना साहिब महोत्सव पर आयोजित बैठक में पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में महोत्सव के लिए पर्यटन विभाग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। डीएम डॉ सिंह ने कहा कि पटना साहिब महोत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया जाएगा। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जाएगा। स्थानीय कलाकारों द्वारा भी प्रस्तुति दी जाएगी। सांस्कृतिक विरासत, परंपरा एवं रीति-रिवाज पर आधारित लोक नृत्य तथा लोक गायन की प्रस्तुति भी होगी। गुरुबाणी, बिहार गौरव गान, भांगड़ा, गिद्दा, लोक नृत्य एवं लोक गायन का आकर्षक प्रस्तुति की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के समय बीच-बीच में उद्घोषक के द्वारा बिहार के पर्यटन स्थलों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। इससे मौजूद लोगों को बिहार में अवस्थित ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, पुरातात्विक एवं अन्य पहलुओं के बारे में जानकारी मिल सकेगी।

डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह ने सभी पदाधिकारियों को वेस्ट मैनेजमेंट के लिए सजग एवं सक्रिय रहने का निर्देश दिया है। गठित कोषांग में आयोजन समिति कोषांग में डीडीसी, एसओआर, जिला दंडाधिकारी सामान्य, जिला उप समाहर्ता, एसडीओ पटना सिटी, कलाकार चयन समिति कोषांग में डीडीसी, अपर जिला दंडाधिकारी आपदा प्रबंधन, जिला नजारत उप समाहर्ता, सिटी एसडीओ, मंच समन्वयक, उद्घोषक चयन, पंडाल निर्माण आदि कोषांग में अपर जिला दंडाधिकारी सामान्य, एसडीओ सिटी और जिला नजारत उप समाहर्ता होंगे। वाहन एवं पार्किंग कोषांग में ट्रैफिक एसपी, सिटी एसडीओ, डीटीओ, स्वच्छता कौशल में अपर समाहर्ता विशेष कार्यक्रम, पटना सिटी के डीसीएलआर, सिटी अंचल के ईओ, मोमेंटो, आमंत्रण कार्ड मुद्रण एवं वितरण कोषांग में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, अपर जिला दंडाधिकारी सामान्य, जिला नजारत उप समाहर्ता, नयाचार कोषांग में जिला नयाचार पदाधिकारी, सिटी डीसीएलआर, पेयजल एवं शौचालय कोषांग में अपर समाहर्ता विशेष कार्यक्रम, पीएचईडी पूर्वी के कार्यपालक अभियंता, सिटी अंचल के कार्यपालक पदाधिकारी, विद्युत व्यवस्था कोषांग में पेसू के महाप्रबंधक और जिला नजारत उप समाहर्ता, बैरिकेडिंग, डी एरिया एवं भूमि समतलीकरण कोषांग में अपर समाहर्ता विशेष कार्यक्रम और पटना सिटी भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, चिकित्सा व्यवस्था कोषांग में सिविल सर्जन, अग्निशाम व्यवस्था कोषांग में जिला अग्नि शाम पदाधिकारी, सिटी एसडीओ, सिटी एएसपी, विधि व्यवस्था कोषांग में अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था, सिटी एसडीओ, सिटी एएसपी, प्रचार प्रसार कोषांग में जिला नजारत उप समाहर्ता, डीपीआरओ, सिटी एसडीओ, पटना सिटी अंचल के कार्यपालक पदाधिकारी शामिल होंगे।

जिलाधिकारी डॉ सिंह ने इन कोषांगों के साथ संबंधित पदाधिकारियों को सभी अपेक्षित कार्यों को ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। पटना साहिब महोत्सव के अवसर पर उत्तम भीड़ प्रबंधन, सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था तथा उत्कृष्ट यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। विधि-व्यवस्था संधारण के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। जनप्रतिनिधियों एवं गण्यमान्य व्यक्तियों को आमंत्रण पत्र भेजा जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि पटना साहिब पर्यटन के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। यज्ञ सिख धर्म का एक विश्व प्रसिद्ध केंद्र है। उन्होंने कहा कि पटना साहिब महोत्सव 2023 का आकर्षक एवं उत्कृष्ट आयोजन किया जाएगा। उन्होंने लोगों से पटना साहिब महोत्सव में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान भी किया। बैठक में डीडीसी तनय सुल्तानिया, अपर समाहर्ता विशेष कार्यक्रम नौशाद अहमद, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन संतोष कुमार झा, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मनोरंजन कुमार, जिला नजारत उप समाहर्ता मदन कुमार, सिटी एसडीओ मुकेश रंजन, डीपीआरओ लोकेश कुमार झा, तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही, महासचिव इंद्रजीत सिंह, सचिव हरबंश सिंह खनूजा आदि उपस्थित थे।

कैट ने कामकाजी महिलाओं को किया गया सम्मानित

पटना सिटी, प्रात : किरण संवाददाता

कैट (कंफेडरेशन आप आल इंडिया ट्रेडर्स) की महिला शाखा के द्वारा अरोड़ा हाउस मे महिला प्रतिभा सम्मान समारोह किया गया। इसका उद्घाटन महापौर सीता साहू, पटना दूरदर्शन के निदेशक राजकुमार नाहर, महिला विंग की अध्यक्ष रुचि अरोड़ा, प्रदेश अध्यक्ष अशोक वर्मा, अनंत अरोड़ा, ,महासचिव रश्मि अरोड़ा, पटना महिला अध्यक्ष प्रियंका कुमारी और मुजफ्फरपुर अध्यक्ष राशि खत्री ने संयुक्त रूप से किया।कार्यक्रम में 80 कर्मठ महिलाओं को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित महिलाओं मे यामिनी, प्रीति बरेलिया, केसर जहां, अनुप्रिया, उर्मिला, मौसम शर्मा, लता कपूर, ऋचा सिंह, जूली भार्गव, डॉ बबली मेहता, शिल्पी गोलवारा, ऋतु कड़िया, सरोज जायसवाल आदि महिलाओं को सम्मानित किया। इसमें महिला प्रदेश टीम की भी घोषणा की गई और उन्हें पत्र दिया गया।

अध्यक्ष अशोक वर्मा ने कहा कैट उन महिलाओं को, जो कुछ कार्य करती हैं, उन्हें बाजार उपलब्ध कराता है।कार्यक्रम में कैट के पदाधिकारी हरि अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ सिंह, वैशाली जिलाध्यक्ष मनोज निराला, बबलू शर्मा, रंजन कुमार आदि उपस्थित थे।

असंगठित क्षेत्र की महिलाओं को संगठित करना समय की मांग : लकड़ा

महिलाओं की भागीदारी देख खुशी कि वे जागरूक हो रहीं : सीता साहू

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

भारतीय मजदूर संघ के 20वें अखिल भारतीय अधिवेशन के दूसरे दिन शनिवार को महिलाओं का विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की मुख्य अतिथि रांची नगर निगम की महापौर आशा लकड़ा थीं।

उन्होंने कहा कि महिला जब-जब किसी क्षेत्र में खड़ी होती है, तो एक पहचान कायम कर लेती है। शिक्षा, विज्ञान, कला, खेल, राजनीति आदि क्षेत्रों में महिलाओं ने अपना डंका बजाया है। उन्होंने कहा है कि नारी के बिना सृष्टि की कल्पना ही बेमानी है। आज नारी की ताकत का एहसास समाज को हो चुका है। नारी फूल भी होती हैं, तो चिंगारी भी। श्रीमती लकड़ा ने दबे-कुचले महिलाओं को आगे लाने की वकालत की और कहा कि आप 'नारी' की चिंता कीजिए, तभी वह वर्चस्व में होंगी। असंगठित क्षेत्र की महिलाओं को संगठन से जोड़िए, कार्यक्रम कीजिए, ताकि महिलाओं को संगठित किया जा सके। वीवी गिरि राष्ट्रीय श्रमिक संस्थान की सलाहकार प्रज्ञा परांडे ने बतौर विशिष्ट अतिथि कहा कि यह सच है कि हिंसा के खिलाफ महिलाएं आवाज उठा नहीं पाती हैं, जरूरी है अपनी आवाज को मुखर करें। इसके लिए यदि आवश्यकता हो, तो हमें कानून का सहारा लेना होगा। कानून हमें संरक्षण प्रदान करती है। स्वागताध्यक्ष पटना नगर निगम की महापौर सीता साहू ने कहा कि महिलाओं की इतनी अच्छी भागीदारी देखकर इस बात को बल मिल रहा है कि महिलाएं अब जागरूक हो गयी हैं। इस अवसर पर संघ की रीता एक्का एवं तृप्ति अल्टी ने महिलाओं को कैसे संगठन से जोड़ा जाए, इस पर अपनी राय रखी। समारोह की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ की उपाध्यक्ष नीता चौबे और संचालन मंत्री नीलिमा चिमोते ने किया। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या, महामंत्री रवींद्र हिमते आदि उपस्थित थे।

कांट्रैक्टरों को उत्पाद के बारे में बताया

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। एमपी बिड़ला सीमेंट की ओर से कांट्रेक्टर मीट का आयोजन किया गया एक होटल में आयोजित आयोजन में कांट्रेक्टर उपस्थित हुए आयोजन में कंपनी के सीमेंट की गुणवत्ता के बारे में लोगों को विस्तार से बताया गया कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट सेल्स डॉक्टर जयशंकर कुमार ने भी उत्पाद के बारे में विस्तार से बताया साथी इसकी खूबियों के बारे में जानकारी दी आयोजन में कंपनी के उपाध्यक्ष अधिकारी जयशंकर कुमार, सेल्स अधिकारी संदीप कुमार वर्मा, सेल्स प्रमोटर ललन कुमार सिंह, गौरव कुमार, सेल्स आफिसर कुंदन मेहता, तकनीकी इंजीनियर राजीव कुमार, स्टॉकिस्ट चंदन कुमार आदि मौजूद थे।

भारतीय मजदूर संघ ने निकाला शोभायात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। भारतीय मजदूर संघ का तीन दिवसीय 20वां अधिवेशन के दौरान ज्ञान, प्रकाश और तप की भूमि पाटलिपुत्र की धरती पर देश के विभिन्न भागों से आए हजारों की संख्या में अतिथियों ने शोभायात्रा निकाला। शोभायात्रा मंगल तालाब के त्रिमूर्ति चौक से शुरू होकर नगर भ्रमण करते हुए चौक, झाऊगंज, हाजीगंज, मोर्चा ररोड, मथनी तल, पटना साहिब स्टेशन, नाला पर चौकशिकारपुर होते हुए वापस पटना सिटी राजकीयकृत उच्च विद्यालय खेल मैदान परिसर में पहुंचा। यहां सभा में तब्दील हो गया।इसमें विभिन्न प्रदेशों की वेशभूषा में प्रतिभागियों का एक अलग रूपऔर छटा दिखाई पड़ रहा था। प्रतिभागी लाल गुलामी छोड़ के, बोले वंदे मातरम, देशहित में करेंगे काम, उचित काम का मिले सम्मान, मजदूर एकता जिंदाबाद, भारत माता की जय, वंदे मातरम जैसे नारा लगाते हुए आवाज बुलंद कर रहे थे। उन सबों का स्वागत भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में किया गया।

प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा कर शरबत, फल, मिठाई, चॉकलेट आदि का वितरण किया गया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पप्पू वर्मा, चौक मंडल उपाध्यक्ष मनोज कुमार यादव, नैयर हसनैन, श्याम सुंदर शर्मा, सुजीत कुशवाहा, अरुण कुमार उपाध्याय, संजीव मेहता, अजय दास, बबलू पटेल, शंकर प्रसाद, अवनीश सिन्हा आदि मौजूद थे।

रामायण के अखंड पाठ का समापन, भंडारा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। संकट मोचन मार्ग में श्री संकट मोचक हनुमत जी के 54वां जन्मोत्सव पर वाराणसी से आए पंडित पवन तिवारी की देखरेख में चल रहे संगीतमय अखंड रामायण पाठ का समापन हो गया। इसके बाद मंदिर के आचार्य विद्याभूषण पांडेय ने हनुमान जी महाराज व श्री राम दरबार की पूजा -अर्चना वैदिक पूजन हवन का अनुष्ठान कराया। अपराह्न में लोगों के बीच प्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया। इसमें डॉ त्रिलोकी गोलवारा, पंकज सिन्हा, संत लाल गोलवारा, बंसत लाल गोलवारा, गोविंद मिश्र, उमा शंकर पंडित, रोहित शर्मा, राजकुमार चंद्रवंशी आदि सक्रिय थे। जैन मंदिर में वार्षिकोत्सव आज लंगूर गली स्थित श्री पार्श्वनाथ दिंगबर जैन गुरारा मंदिर में रविवार की सुबह प्रथम वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया है। इसके लिए तैयारी की गयी है। कार्यक्रम सुबह मैं शुरू होकर मध्याह्न तक चलेगा।

हनुमान जन्मोत्सव पर शांतिपूर्ण शोभायात्रा निकाली गई

, प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। खगौल नगर के राम जानकी मंदिर से हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में विश्व हिन्दू परिषद ,बजरंग दल की ओर से हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर ,दानापुर अनुमंडल अंतर्गत खगौल में पहली बार अभूतपूर्व सुरक्षा के बीच ,धूमधाम के साथ निकला शांतिपूर्ण भव्य आकर्षक शोभा यात्रा` यह शोभा यात्रा , दानापुर पुलिस प्रशासन के अनुमंडला अधिकारी प्रदीप सिंह ,सहायक पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान और स्थानीय थानाध्यक्ष फूल चौधरी के साथ आसपास के कई थानाध्यक्षों के देखरेख में नगर में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच झांकी शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न हुआ` इस शोभा यात्रा में मुख्य रूप से रामनवमी शोभा यात्रा समिति के अध्यक्ष अनामिका सिंह, विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय सदस्य सह रामजन्म भूमि निर्माण समिति के सदस्य कामेश्वर चौपाल ,बजरंग दल के जिला संयोजक पुरुषोतम ,विवेक सिंह, मुकेश कुमार आदि शामिल थे` इस अवसर पर विवेक सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा है कि सनातन धर्म वो परंपरा है जिसमें ईश्वर कण-कण में बसा हुआ है` जिसमें हम प्रकृति,मिट्टी के साथ-साथ ,पेड़ पौधे,नदियां,पहाड़ हर चीज को पूजते हैं तो फिर मनुष्य हमारे कितना मूल्यवान है । यह शोभा यात्रा रामजानकी मंदिर से निकल कर बड़ी खगौल चक्रदाहा ,बड़ी खगौल देवी मंदिर से मोतीचौक पहुचने पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया` इसे बाद बाजार से नहर हो हुए रेलवे कॉलोनी ,गाड़ीखाना पहुँच कर, फिर गांधी स्कूल के पास लौट गया` हनुमान शोभा यात्रा समति की ओर से गाड़ी खाना में पानी और शर्बत का इंतजाम किया गया` इस में मुख्य रूप से पूर्व पार्षद दीपक पासवान शंकर चौधरी कुंदन कुमार जयप्रकाश यादव सुनील कुमार जोधन पासवान सोनू कुमार विवेक कुमार मांकर चौधरी मुन्ना सिंह और बहुत से कार्यकर्ता शामिल थे ।

बाड़े की गली में मेनहोल का ढक्कन खुला या आड़े तिरछा

चपेट में आकर घायल हो रही संगत व लोग, नगर निगम उदासीन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में होली के बाद से अब तक सिख संगतों का देश-विदेश से आने का लगातार दौर जारी है। तख्तश्री पटना साहिब के सटे पश्चिम बाड़े की गली में संगतों के ठहरने के लिए कमेटी के अनेक आवास स्थित है। इस गली में ई-रिक्शा और ऑटो लगा रहता है। इससे संगतों का आना-जाना होता है। मगर नाली की सफाई के लिए बाड़े की गली में रहे मेनहोल के ढक्कन को उठाकर सफाई किया गया। नाला से निकले कचरे का उठाव भी कर दिया गया, मगर हर मेनहोल का ढक्कन बराबर से नहीं लगाया गया है। अनेक मेनहोल खुला है या तो करीब एक फीट का गड्ढा है या फिर ढक्कन खड़ा है। इससे संगतों के उस रास्ते से गुजरने के दौरान चोट लगने, गिरने और वाहनों के गुजरने के दौरान जाम लग रहा है। मगर इस ओर नगर निगम के सिटी अंचल के मुख्य सफाई निरीक्षक, वार्ड के सफाई निरीक्षक और पर्यवेक्षक का कोई ध्यान नहीं है। सिख संगत से लेकर स्थानीय लोगों और स्कूल के छात्र-छात्राओं का बड़ी संख्या में इस गली से आना-जाना होता है। कारण कि बाड़े की गली में चार स्कूल चलता है। इसी गली में जैन मंदिर भी है। बाड़े की गली से सटे नारायणी कन्या उच्चतर विद्यालय, नारायणी कन्या मध्य विद्यालय और मारवाड़ी मध्य विद्यालय के छात्र-छात्राएं भी स्कूल जाने और लौटने के दौरान भी इस गली से गुजरते हैं।

छात्र व गार्जियन का हेल्थ जांच

पटना सिटी (प्राकि)। किड्स एन किड्स एजुकेशन प्वाइंट प्ले ग्रुप एवं किसलय इंटरनेशनल स्कूल में रेडक्रॉस सोसायटी के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण चिकित्सक डॉ प्रशांत श्रीवास्तव एवं दंत चिकित्सक डॉ अंजय कुमार के द्वारा कराया गया। इसका उद्घाटन रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द कानोडिया, डॉ प्रशांत कुमार श्रीवास्तव, स्कूल के निदेशक विनोद किसलय, प्राचार्य सरोज जायसवाल और नरेश सुल्तानिया के द्वारा किया गया। इसमें करीब सौ लोगों का बीपी, शुगर, ईसीजी आदि की जांच बच्चे और गार्जियन का किया गया। स्वास्थ्य शिविर में आनंद मोहन, बंटी कुमार, ऋतुराज, नीतिका सिन्हा, सोनाली, स्वाति, पूजा, दिव्या, आयशा, मिशु, सोनी, ललिता, रोशन, पिंकी आदि का सहयोग मिला।

मजदूर संघ व शोभायात्रा से ट्रैफिक व्यवस्था अस्त-व्यस्त

पटना सिटी, । भारतीय मजदूर संघ के द्वारा गुरु गोविंद सिंह पथ, अशोक राजपथ के झाऊगंज, हाजीगंज, पूरब दरवाजा, मोर्चा रोड, पटना साहिब स्टेशन रोड से होते हुए सिटी स्कूल मैदान तक पथ संचलन किया गया। इस कारण से इस मार्ग में करीब दो घंटे तक यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमराया रहा। दूसरी ओर गुलजारबाग हाट विक्रेता संघ के द्वारा श्री राम दरबार की पूजा-अर्चना के बाद विसर्जन शोभायात्रा निकाला गया। इस कारण से भी यातायात व्यवस्था प्रभावित हुआ। रविवार को भी विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल पटना साहिब विभाग के द्वारा शोभायात्रा निकाला जाना है। यह चौक स्थित श्री सनातन धर्म सभा भवन से निकलकर अशोक राजपथ के रास्ते गायघाट स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर जाकर समाप्त होगा। वहां सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ होगा। इसके बाद इसका समापन होगा। इस कारण से जहां शनिवार को विभिन्न मार्गों में यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त रहा, तो रविवार को भी दोपहर से लेकर अपराह्न तक यातायात व्यवस्था सिटी चौक से गायघाट के बीच अशोक राजपथ पर प्रभावित होने की संभावना है। वहीं लगातार धार्मिक आयोजन को देखते हुए पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन के अधिकारी और पदाधिकारी विधि-व्यवस्था को लेकर कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं।

आज निकलेगा वीर बजरंगी धर्म यात्रा

पटना सिटी (प्राकि)। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के द्वारा हनुमान जन्मोत्सव का कार्यक्रम आयोजन रविवार को किया गया है। चौक स्थित सनातन धर्म सभा स्थल में यह मनाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से विश्व हिन्दू परिषद दक्षिण बिहार प्रांत के अध्यक्ष कामेश्वर चौपाल और आरएसएस के क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख राणा प्रताप मुख्य वक्ता होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सनातन धर्म सभा भवन के अध्यक्ष डॉ त्रिलोकी प्रसाद गोलवारा और विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र मंत्री वीरेंद्र विमल के अलावा अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। साथ ही वीर भाइयों द्वारा सिटी चौक से गायघाट श्री गौरीशंकर मंदिर तक शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। इसे लेकर पुलिस प्रशासन के अधिकारी और पदाधिकारी खासा सक्रिय हैं। एक ओर भारतीय मजदूर संघ के द्वारा आयोजित तीन दिनों के कार्यशाला में करीब दो-तीन से हजार लोग शामिल हो रहे हैं। उन सबों का आज पथ संचलन भी हुआ और सिटी स्कूल के मैदान में सभा के साथ समापन हुआ। वहीं अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी चल रहा है। इसे लेकर पुलिस प्रशासन के अधिकारी से लेकर पदाधिकारी तक सक्रिय हैं। यहां राजकीयकृत कन्या उच्च विद्यालय, गुलजारबाग में विधि-व्यवस्था संधारण को जिला से आए पुलिस बल को ठहराया गया है। खासकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पटना साहिब संभाग के द्वारा हनुमान जन्मोत्सव सह शोभायात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है और शांतिपूर्वक आयोजन को संपन्न कराने के लिए प्रयासरत है।

भवन निर्माण मंत्री ने भीम चौपाल सह संवाद कार्यक्रम को किया संबोधित

नीतीश कुमार ने बाबा साहब के सपने को धरातल पर उतारा : चौधरी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बाबा साहब के सपने को धरातल पर उतारा है। शनिवार को कटिहार के मनिहारी में आयोजित भीम चौपाल सह संवाद को संबोधित करते हुए उहोंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस राज्य में बाबा साहब और महात्मा गाँधी के अभिवंचित वर्ग को मुख्य धारा के जोड़ने के सपने को मूर्त रूप दिया है, उसे साकार किया है। श्री चौधरी ने कहा कि वर्ष 2005 में जब से माननीय मुख्यमंत्री ने बिहार की बागडोर संभाली है, तब से लेकर आज तक उन्होंने अपने 17 वर्ष के कार्यकाल में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक रूप से कैसे वंचित एवं दलित समाज सबल हो, सशक्त हो इसके लिए योजनाओं का निर्माण एवं बजट का प्रावधान किया और योजनाओं को धरातल पर उतारा है। श्री चौधरी ने कहा कि हम अपने आप को गौरवशाली मानते हैं कि हमें ऐसे सशक्त और मजबूत नेता के नेतृत्व में काम करने का मौका मिला है जिसने राज्य के एक बड़े तबके, अभिवंचितों, महादलितों, अति पिछड़ों एवं महिलाओं को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण योजनाओं का निर्माण ही नहीं किया बल्कि वो धरातल पर इस बड़े तबके को लाभान्वित कर सकें, ऐसा सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि माननीय नेता ने राज्य के एक बड़े अभिवंचित तबके को शिक्षित, आर्थिक रूप से सबल और राजनैतिक रूप से प्रबुद्ध करने का काम किया है। श्री चौधरी ने कहा कि वर्ष 2005 में नेता ने बिहार की बागडोर सम्भाली थी, तब इस प्रदेश का बजट मात्र 23 हजार 885 करोड़ हुआ करता था लेकिन अपने अब तक के कार्यकाल में इसे अपनी दूरदर्शिता, कार्यकुशलता और वित्तीय प्रबंधन से इस बजट को वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2 लाख 61 हजार 885 करोड़ तक पहुँचाया है। श्री चौधरी ने आगे कहा कि नीतीश कुमार दूरदर्शी हैं और प्रदेश की जनता के विकास के प्रति अति संवेदनशील भी हैं। श्री चौधरी ने कहा कि इसके अलावा राज्य के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के युवा एवं युवतियों को सूक्ष्म एवं लघु उद्योग स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति उद्यमी योजना के साथ कई ऐसी लाभकारी योजनाएं हैं जिनका कर्यान्वयन इस समाज के अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने में एक मजबूत कड़ी का काम करती हैं। श्री चौधरी ने वहां मौजूद कार्यकर्ता साथियों एवं आमजन से आग्रह किया कि जो नेता हमारे आने वाली पीढ़ी को आत्मनिर्भर, सशक्त और मजबूत करने के लिए योजनाओं का निर्माण कर रहा है, जो चाहता है कि एक बड़ी आबादी - महिलाओं, अति पिछड़ों और महादलितों की है, उसको साथ लेकर आगे बढ़ें, उसे मुख्य धारा से जोड़कर रखें और आने वाले इक्कीसवीं सदी के बिहार के नवनिर्माण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो, ऐसे नेता, बिहार के विकास के महानायक नीतीश कुमार के साथ मजबूती से खड़े रहे। कार्यक्रम में सांसद दुलाल चंद्र गोस्वामी सहित पार्टी पदाधिकारियों एवं अनेक गणमान्यजनों की उपस्थिति रही।

स्वैच्छिक सहयोग राशि संग्रह अभियान में जदयू कार्यकर्ता आगे : ललन सर्राफ

- सुपौल के सांसद दिलेश्वर कामत ने जदयू के स्वैच्छिक सहयोग राशि संग्रह अभियान के तहत सौंपा अपने योगदान का चेक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सुपौल के सांसद दिलेश्वर कामत ने शनिवार को जदयू के स्वैच्छिक सहयोग राशि संग्रह अभियान के तहत पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष सह विधानपार्षद ललन सर्राफ को अपने योगदान का चेक सौंपा। इस अभियान की सफलता के लिए दिलेश्वर कामत ने शीर्ष नेतृत्व एवं ललन सर्राफ को बधाई दी और कहा कि इससे पार्टी को नई ताकत और ऊर्जा मिलेगी। मैं लोगों से अपील करता हूँ कि पार्टी के कोष में उन्मुक्त भाव से योगदान करें। जदयू के प्रदेश कोषाध्यक्ष ललन सर्राफ ने इस मौके पर कहा कि जदयू के कार्यकताओं ने पार्टी के स्वैच्छिक सहयोग राशि संग्रह अभियान को अभूतपूर्व सफलता दिलाई है। इस अभियान से दल के अर्थतंत्र को मजबूती मिलेगी और हम अन्य राज्यों में दल के विस्तार सहित अन्य सांगठनिक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक अंजाम दे पाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव अब अत्यंत निकट आ चुका है। हमलोगों को इसकी तैयारी में अभी से जुट जाना है और इस लक्ष्य के साथ कि हम अपने नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राष्ट्रीय स्तर पर केन्द्रीय भूमिका में देखें।

शिक्षा ही सम्मान नाटक का मंचन, दर्शकों ने अभिनय को सराहा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। प्रवीण स्मृति सम्मान नाट्योत्सव के दूसरे दिन नुक्कड़ पर मंजरी मणि त्रिपाठी द्वारा लिखित एंव निर्देशित नाटक शिक्षा ही सम्मान का मंचन हुआ। इस नाटक की सबसे खास बात यह है कि अभिनय करने वाले सारे बच्चे सलम के झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले हैं। नाटक परिवार के साथ-साथ समाज से भी सवाल करता है, कहते हैं एक बच्चा बिगड़ रहा है तो उसमें उसके मां बाप के साथ- साथ उस सभ्य समाज की भी हार है। आज कल बहुत सारे एनजीओ और तथाकथित समाजसेवी हैं जो स्लम बस्ती में जाकर कुछ समान बांटते हैं और उनको लगता है कि एक जिम्मेवार नागरिक के रुप में उनका दायित्व पूरा हो गया, पर क्या उनका दायित्व यह नहीं कि उनके बीच शिक्षा से भी जुड़ी सामाग्री वितरीत करें या शिक्षा के महत्व से संबंधित जानकारी दें ? जो कि उनके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। अगर यह दलित बच्चें पढ़ - लिख कर कुछ बन जायेंगे तो उन्हें यह मुफ़्त की चीजे देने की जरूरत हीं नहीं होगी। होली, दीपावली,मकर संक्रांति, छठ या किसी अन्य त्योहारों में जाकर कुछ चीजें देना उनकी मदद करना अच्छी बात है, फिर सरस्वती पूजा , गणपति पूजा के दिन उनके बीच शिक्षा और ज्ञान का वितरण या जागरूकता क्यों नहीं ? नाटक इन्ही सब जरूरी विषयों पर सवाल करता है। आज तो आप इन्हें कुछ चीजे लाकर दे देंगे लेकिन कल को कौन देगा ? जब वो छोटे-छोटे बच्चे गालियां देते हैं, जुआ, गोली खेलते हैं या अभद्र भोजपुरी गाने सुनते हैं तो कोई भी उन्हें क्यों नहीं बोलता है, क्यों नहीं रोकता, क्यों नहीं टोकता है कि यह गलत आदत है ... हम सोचते हैं अरे ये ऐसे ही हैं और आगे बढ़ जाते है।

जेल में बंद माधव चौधरी के निधन पर माले ने जताया शोक

पटना। टाडा कानून के तहत करीब 22 साल से जेल में बंद माधव चौधरी के निधन पर भाकपा माले नेताओं ने शोक जताया है। भाकपा-माले राज्य सचिव कुणाल ने पार्टी राज्य कमेटी की ओर से जनविरोधी टाडा कानून के तहत करीब 22 साल से जेल में बंद माधव चौधरी के निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। कहा कि दुख की इस घड़ी में उनके परिजनों के साथ पूरी पार्टी खड़ी है। माधव चौधरी की मौत जेल प्रशासन के नियंत्रण में इलाज के दौरान शनिवार को पीएमसीएच में हो गई। उनकी उम्र करीब 62 साल थी. विदित हो कि अरवल के बहुचर्चित भदासी कांड में निर्दोष 14 लोगों को फंसाया गया था और उनपर टाडा के तहत उस वक्त मुकदमा चलाया गया, जब पूरे देश में टाडा को समाप्त कर दिया गया था। 2003 में उस कांड में सजा सुनाई गई थी और तब से अपने अन्य साथियों के साथ माधव चौधरी भी जेल में बंद थे। सजा पूरी होने के बाद भी सरकार ने महज एक व्यक्ति को ही छोड़ा, जबकि इलाज में लापरवाही के कारण 14 बंदियों में 5 लोगों - कॉ. शाह चांद, कॉ. मदन सिंह, सोहराई चौधरी, बालेश्वर चौधरी और महंगू चौधरी की मौत पहले ही जेल में हो चुकी है। माधव चौधरी का नाम भी इस कड़ी में अब जुड़ चुका है। अभी डॉ. जगदीश प्रसाद, कॉ. चुरामन भगत, कॉ. अरविंद चौधरी, अजित साव, श्याम चौधरी और लक्ष्मण साव जेल मे ही बंद हैं। जबकि इनकी सजा कब की पूरी हो चुकी है। भाकपा -माले टाडा बंदियों की रिहाई की मांग लम्बे समय से करती रही है। सब के सब अशक्त और बूढे हो चुके हैं. हाल ही में भाकपा - माले विधायक दल ने विधानसभा सत्र के दौरान सभी टाडा बंदियों को रिहा करने की मांग पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन भी दिया था, लेकिन इसी बीच माधव चौधरी का निधन हो गया। माले का प्रतिनिधिमंडल एक बार फिर मुख्यमंत्री से इस मामले पर मिलेगा।

नट चेतना सम्मेलन में राजनीतिक भागीदारी की पुरजोर मांग

- जातीय जनगणना के बाद शुरू की जाएगी कल्याणकारी योजनाएं : कुशवाहा
- नट बच्चों का एससी, एसटी आवासीय विद्यालय में हो नामांकन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नट चेतना सम्मेलन में नट समाज को सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्र में उचित भागीदारी देने की मांग उठी। शनिवार को रविन्द्र भवन पटना आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने किया जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवानंद तिवारी उपस्थित रहे। राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्य एवं नट चेतना मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष सविता नटराज ने नटराज पर माल्यापर्ण से कार्यक्रम प्रारम्भ करते हुए सभी आगत अतिथियों को मेमोन्टी एवम अंगवस्त्रम प्रदान कर पुष्प माला से उनका स्वागत किया। सम्मेलन में नट जाति के बच्चों का अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय में विशेष अभियान के तहत नामांकन कराने, खेल व जिम्नास्ट आदि में सरकार द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिलवाने तथा बिहार में नट जाति को राजनीतिक भागीदारी देने की मांग उठायी गयी। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष ने इस अवसर पर कहा कि किसी भी राष्ट्र या समाज के उत्थान में सभी वर्गों का सामुहिक योगदान आवश्यक है।

परन्तु हमारे देश का दुर्भाग्यपूर्ण सत्य है कि आज भी नट समाज की शैक्षणिक, आर्थिक और समाजिक स्थिति संतोषजनक नहीं है। डॉ आंबेडकर की समाजिक भागीदारी का प्रण आज भी नट समुदाय से जुड़े मामलों में कमजोर है। वो जिस हक और अधिकार के असली हकदार हैं, उससे आज भी वंचित हैं। हालांकि प्रदेश में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कमजोर, शोषित और उपेक्षित वर्गो को उनके हिस्से के अधिकार और हक को सुनिश्चित करने का अभूतपूर्व उदारहण पेश किया है। जिन जाति विशेष के लोगों को वोट बैंक समझकर इस्तेमाल किया जाता था उन्हें हमारी सरकार ने अवसर प्रदान किया है। आपके हितों को ध्यान में रखकर बिहार सरकार अपने कोष से जातीय जनगणना करा रही है, उस डाटा के आधार पर आपके लिए और भी कल्याणकारी योजनाएं शुरू की जाएगी। हम लोग कभी भी सामंतवादी ताकतों के सामने नहीं झुकेंगे, और न कोई समझौता करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री शिवानंद तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि नट समाज सबसे बड़ी सेकुलर जमात है। संविधान ने इस समाज को बराबरी का अधिकार दिया है। दुर्भाग्य से इन्हें आज तक अपना अधिकार नहीं मिल पाया है। अध्यक्षता विनय कुमार नट ने किया। बैठक में उत्तर प्रदेश एवं झारखण्ड से भी नट जाति के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में पोखन कुमार नटराज, कृपा शंकर राठौड़, रघुनंदन प्रसाद, विनय राठौड़, शिव शम्भू राठौड़, अमित कुमार, लक्ष्मण नट, जमुना नट, सुनील नट, पवन कुमार, नवीन कुमार देव, केश्वर नट, मंजू देवी, किरन देवी आदि प्रदेश भर से आये नट जाति के नर- नारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

झूठे प्रचार-प्रसार के बदौलत चुनाव जीतना चाहती भाजपा : जदयू

पटना। जदयू प्रवक्ता हिमराज राम ने भाजपा पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता महंगाई, बेरोजगारी से त्रस्त है। भाजपा झूठे प्रचार-प्रसार के दम पर चुनाव जीतना चाहती है, लेकिन देश की जनता सच्चाई जान चुकी है। भाजपा का चरित्र ही झूठ और धोखेबाजी का है, यही वजह है कि एनडीए के सहयोगी दल लगातार भाजपा का साथ छोड़ते जा रहे हैं । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में जो महागठबंधन बना, उसके बाद भाजपा पूरी तरह बौखलाई हुई है। खिसकते जनाधार के कारण ही भाजपा के नेता आए दिन नफरत भरी अमर्यादित टिप्पणियां और ओछे बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। जदयू प्रवक्ता डॉक्टर भारती मेहता ने महागठबंधन के बिहार मॉडल को देशभर में लागू करने की बात करते कहा कि केंद्र सरकार की जन-विरोधी नीतियों एवं कमरतोड़ बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सार्वजनिक उपक्रमों की बिक्री और सीबीआई, ईडी एवं आईटी जैसी सरकारी संस्थाओं के दुरुपयोग के खिलाफ सभी विपक्षी दलों की एकजुटता ही माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू का उदेश्य है। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को बिहार में 40 में से एक भी सीट नहीं मिलेगी। भाजपा सरकार की नीतियां दलित, किसान और नौजवानों के खिलाफ हैं। गरीब-पिछड़ों को शिक्षा और रोजगार से दूर किया जा रहा है। भाजपा सिर्फ जुमलों और झूठे प्रचार-प्रसार के बदौलत जनता का समर्थन हासिल करने में अब कामयाब नहीं होगी।

चिरागुद्दीन रहमानी के निधन पर कांग्रेस में शोक

पटना। गया जिला कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष चिरागुद्दीन रहमानी के निधन पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डा अखिलेश प्रसाद सिंह ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। अपने शोक संदेश में डा अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि चिरागुद्दीन रहमानी साहेब एक नेक दिल इंसान थे तथा पार्टी की मजबूती के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। उन्होंने जिला में हरेक कार्यकताओं को मान-सम्मान दिया तथा कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए और संगठन को धारदार बनाने में अपनी अहम भूमिका निभायी थी। उनके निधन हो जाने से पूरे गया जिला में कांग्रेसजन शोक संतप्त हैं। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में ईश्वर उनके परिवार को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार, पूर्व मंत्री अवधेश कुमार सिंह, पूर्व विधायक नरेन्द्र कुमार, विधायक राजेश कुमार, आनन्द शंकर, कंट्रोल रूम के इंचार्ज ब्रजेश पाण्डेय, मीडिया विभाग के चेयरमेन राजेश राठौड़, कंट्रोल रूम के सह इंचार्ज निर्मल वर्मा, प्रबक्ता आनन्द माधव ने भी चिरागुद्दीन रहमानी के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

बरौनी-कोयम्बटुर एक्सप्रेस स्पेशल का परिचालन रद्द

पटना। आद्रा मंडल के आद्रा-चांडिल खंड के कुस्तौर स्टेशन और खड़गपुर मंडल के खड़गपुर-टाटानगर खंड के खेमासुली स्टेशन पर लोगों के एक समूह द्वारा धरना-प्रदर्शन के कारण शनिवार को 08 अप्रैल को बरौनी से खुलने वाली गाड़ी संख्या 03357 बरौनी-कोयम्बटुर एक्सप्रेस स्पेशल का परिचालन रद्द रहेगा। उक्त जानकारी पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने दी।

नागभीड़ स्टेशन पर रूकेगी गया-चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस

पटना। पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु गाड़ी संख्या 12389/12390 गया-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-गया एक्सप्रेस का दक्षिण पूर्व मध्य रेल के नागपुर मंडल के नागभीड़ स्टेशन पर दिनांक 09 अप्रैल से प्रायोगिक तौर पर अगले 06 माह के लिए 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है । गाड़ी संख्या 12389 गया-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस दिनांक 09.04.2023 से 23.23 बजे नागभीड़ स्टेशन पहुंचेगी तथा यहां से 23.25 बजे प्रस्थान करेगी । इसी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 12390 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-गया एक्सप्रेस 11 अप्रैल से 00.58 बजे नागभीड़ पहुंचकर यहां से 01.00 बजे प्रस्थान करेगी ।

पप्पू यादव ने आगलगी पीड़ितों ने की मुलाकात

पटना। जाप राष्ट्रीय अध्यक्ष पप्पू यादव ने राजवंशी नगर में आगलगी पीड़ितों से मुलाकात कर हालात का जायजा लिया और उनका दर्द बांटा। उन्होंने चार पीड़ित परिवार को बेटी की शादी के लिए 20 हजार का आर्थिक सहयोग के साथ उनकी शादी में हर सम्भव सहयोग का वादा किया। आगलगी से प्रभावित गाय,भैंस के लिए 2500 रुपया और चारा की व्यवस्था पार्टी के द्वारा की गई। पप्पू यादव ने कहा कि आज से जन अधिकार पार्टी की तरफ से यंहा के सभी परिवारों के लिए खाना की व्यवस्था प्रतिदिन की जा रही है। घायलों के समुचित इलाज के लिए पार्टी के द्वारावउन्हें हरसम्भव सहायता प्रदान कर रही है। साथ ही सभी महिलाओं और बच्चों के लिए वस्त्र और बर्तन का वितरण पार्टी की तरफ से आज ही किया जाएगा। जाप राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राजवंशी नगर की घटना हृदय विदारक है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा से आग्रह है कि सभी लोग इन पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए आगे आए। पप्पू यादव ने कहा कि गरीब आदमी धरती के भगवान है सरकार से आग्रह है कि अग्नि पीड़ित लोगों के लिए घर और जीवन यापन की व्यवस्था करें।

सेवा दल बिहार प्रदेश के मुख्य संगठक बने संजय कुमार

प्रदेश अध्यक्ष ने सेवा दल का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का किया उद्घाटन

पटना।। कांग्रेस सेवा दल का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उदघाटन बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर अखिलेश प्रसाद सिंह द्वारा पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में कार्यक्रम आयोजित कर किया गया। इस दौरान बिहार प्रदेश के अलग अलग जिलों से आए सेवा दल के स्वयंसेवक आगामी तीन दिनों तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान नव मनोनित बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के मुख्य संगठक बने डॉक्टर संजय कुमार को शपथ ग्रहण कराया गया। इस मौके पर पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि सेवा दल पार्टी की एक महत्वपूर्ण इकाई है। जिसके पहले अध्यक्ष पंडित जवाहरलाल नेहरु थे। जिस प्रकार अनुशासित तरीके से सेवा दल के सिपाही हर विपरीत परिस्थितियों में पार्टी के लिए खड़े रहते हैं। ये काबिले तारीफ है। उन्होंने सेवा दल को विश्वास दिलाया कि पार्टी के अंदर उनकी हर प्रकार की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान सेवा दल के बिहार प्रदेश प्रभारी श्री अफरोज खान ने कहा कि जब सेवा दल मजबूत होगा तभी ही कांग्रेस पार्टी भी मजबूत होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवा दल बिहार प्रदेश के मुख्य संगठक डॉ संजय कुमार ने कहा पूरे प्रदेश में जिला से लेकर प्रखंड और फिर एक एक बूथ तक कांग्रेस सेवा दल के प्रशिक्षित कार्यकर्ता पार्टी के लिए प्रतिबद्धता के साथ खड़े रहेंगे। ऐसा संगठन पूरे प्रदेश में खड़ा होगा। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री कृपा नाथ पाठक, पूर्व मंत्री अवधेश सिंह, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पॉलिटिकल अफेयर कमिटी के सदस्य डॉ चंद्रिका प्रसाद यादव, सेवा दल के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर अजय सिंह, संतोष श्रीवास्तव, अश्विनी कुमार, पूर्व विधायक प्रमोद सिंह, आनंद माधव, पूर्व विधायक बंटी चौधरी, अंबुज किशोर झा , ब्रजेश पांडे, ब्रजेश मुनन, मीडिया अध्यक्ष राजेश राठौड़ आदि प्रमुख नेता मौजूद थे। वहीं, मंच का संचालन विपिन झा और धन्यवाद ज्ञापन नारायण सिंह ने किया।

कमाल परवेज बने युवा हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष : हम

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा से के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार सरकार में अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन के निर्देश पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश पांडेय ने कमाल परवेज को हम युवा का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया है । यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अमरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने दी। कमाल परवेज को युवा प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव टिकारी विधायक डॉ अनिल कुमार, बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह सिकंदरा विधायक प्रफुल्ल मांझी, राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता श्यामसुंदर शरण, बिहार संगठन प्रभारी राजन सिद्दीकी, नीलेश सिंह, गीता पासवान, ई सैफुद्दीन, संजर आलम, रविंद्र शास्त्री, अनिल रजक आदि हम नेताओं ने बधाई दी ।

नाले की सफाई के लिए प्रशासन चौकस, जिलाधिकारी ने जांच के लिए विशेष टीम का किया गठन

जल-निकासी की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता : डीएम

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी को जल जमाव से निजात दिलाने की तैयारी शुरू हो गई है। जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। इस कड़ी में में पटना के जिला पदाधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह ने शहर के प्रमुख नालों की अद्यतन स्थिति की जांच हेतु विशेष टीम का गठन किया गया है। डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि जल-निकासी की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सम्पूर्ण प्रशासनिक तंत्र तत्पर एवं प्रतिबद्ध है। कहा कि सितम्बर-अक्टूबर, 2019 में अतिवृष्टि के कारण पटना शहर अंतर्गत कई क्षेत्रों में भीषण जल-जमाव के कारण आमजन को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए सुव्यवस्थित जल-निकासी आवश्यक है। दरअसल, नालों की अद्यतन स्थिति की जांच हेतु गठित विशेष टीम नालों के अतिक्रमण एवं नाली की उड़ाही की स्थिति की विस्तृत जाँच करेगी। पटना नगर निगम अंतर्गत छः अंचलों एवं तीन नगर परिषदों-फुलवारीशरीफ, दानापुर तथा खगौल- क्षेत्रान्तर्गत सभी प्रमुख 09 नालों की अद्यतन स्थिति की जाँच के लिए अंचलवार विशेष टीम का गठन किया गया है। नूतन राजधानी अंचल, पाटलिपुत्रा अंचल, कंकड़बाग अंचल, बांकीपुर अंचल, पटना सिटी अंचल एवं अजीमाबाद अंचल तथा दानापुर, खगौल एवं फुलवारीशरीफ नगर परिषद् अंतर्गत नालों तथा जल संसाधन विभाग के क्षेत्राधीन नालों की अद्यतन स्थिति की जाँच इन विशेष दलों द्वारा की जाएगी। इसमें वरीय दण्डाधिकारियों, कार्यपालक पदाधिकारियों तथा अन्य पदाधिकारियों एवं दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। डीएम द्वारा नौ प्रमुख नालों की जाँच के लिए सात विशेष टीम का गठन किया गया है। ये नौ नाले हैं: सर्पेन्टाईन नाला, मंदिरी नाला, राजीवनगर (कुर्जी) नाला, बाकरगंज नाला, सैदपुर नाला, आनंदपुरी नाला, योगीपुर नाला, बाईपास (के.बी.सी.) नाला तथा बाईपास (एन.सी.सी.) नाला। इनके साथ-साथ अंचल अंतर्गत अन्य सभी संबंधित नालों की अतिक्रमण एवं उड़ाही की जाँच की जाएगी तथा प्रतिवेदन समर्पित किया जाएगा।

इन दलों के द्वारा संबंधित अंचल के भूमिगत एवं खुले नालों का प्रवाह एवं बहाव की अद्यतन स्थिति प्रतिवेदित की जाएगी। साथ ही संबंधित अंचल अंतर्गत नालों पर अतिक्रमण का निरीक्षण किया जाएगा। विशेष दलों के द्वारा सभी सम्प हाउस की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की जाएगी एवं क्रियाशीलता की जाँच की जाएगी। विदित हो कि बुडको द्वारा कुल 56 स्थायी ड्रेनेज पम्पिंग स्टेशन संचालित किया जाता है। 27 अस्थायी ड्रेनेज पम्पिंग स्टेशन का संचालन मॉनसून अवधि में पटना शहर के विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। विशेष दलों के द्वारा अंचलों में अतिवृष्टि की स्थिति में डीपीएस से अतिरिक्त संचित जल/अपशिष्ट जल की निकासी की क्षमता एवं क्रियाशीलता की जाँच की जाएगी। सम्प हाउस के इन्लेट तक जल प्रवाह की तैयारी तथा आउटलेट से मुख्य नाला तक बहाव की स्थिति का आकलन किया जएगा। विशेष दल के द्वारा सुगम जल निकासी हेतु आवश्यक सुझाव भी दिया जाएगा।

सात जांच दल को जिम्मा, 15 तक जांच का ब्योरा उपलब्ध कराने का निर्देश

डीएम डॉ. सिंह द्वारा कुल सात जाँच दल का गठन किया गया है। सात वरीय दण्डाधिकारियों के नेतृत्व में नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों, अभियंताओं तथा अन्य दण्डाधिकारियों एवं पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया है। संबंधित दल के द्वारा सर्पेन्टाईन नाला, मंदिरी नाला, हड़ताली मोड़ से राजापुर पुल नाला, आनन्दपुरी नाला, कुर्जी नाला, आशियाना दीघा नाला, कौटिल्य नगर बीएमपी-5 से नेपाली नगर कल्वर्ट, श्री कृष्णापुरी से आनन्दपुरी भाया मोहनपुर सम्प नाला, बाईपास नाला (उत्तरी न्यू बाईपास), बाईपास नाला (नन्दलाल छपरा), योगीपुर नाला, बाकरगंज नाला, सैदपुर नाला, सीडीए बिल्डिंग से सैदपुर सम्प, बादशाही नाला, ब्रह्मोत्तर नाला एवं अन्य सभी संबंधित नालों की अतिक्रमण एवं उड़ाही की जाँच की जाएगी तथा प्रतिवेदन समर्पित किया जाएगा। डीएम डॉ. सिंह ने अनुमंडल पदाधिकारियों को निदेश दिया है कि नालों पर अतिक्रमण प्रतिवेदित होने की स्थिति में उसे तुरत हटाएँगे। नालों पर से अतिक्रमण हटाने हेतु अनुमंडल द्वारा निर्धारित तिथि को जिला नियंत्रण कक्ष से दंडाधिकारियों तथा पुलिस पदाधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी, पटना सदर, पटना सिटी एवं दानापुर स्वयं भ्रमणशील रहकर नालों की उड़ाही, प्रवाह एवं अतिक्रमण हटाने संबंधी कार्यों की सतत निगरानी करेंगे। डीएम डॉ. सिंह ने निदेश दिया कि अतिक्रमण हटाने के क्रम में बुडको, जल संसाधन विभाग एवं नगर निकायों के पदाधिकारी तथा कर्मी सभी आवश्यक संसाधनों के साथ उपस्थित रहेंगे। डीएम डॉ. सिंह ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को 15 अप्रैल तक जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जाँच रिपोर्ट के आधार पर तत्परता से आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ताकि जल-निकासी की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

आईपीएस अधिकारी के घर हुई चोरी मामले का हुआ खुलासा

मामले में संलिप्त तीन अपराधियों को पुलिस ने दबोचा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार पुलिस अपराधियों पर नकेल कसने की पूरी कसरत कर रही है। इस कड़ी में शनिवार को पटना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मध्यप्रदेश में पदस्थापित आईपीएस अधिकारी के घर में हुई चोरी मामले का खुलासा किया है। जानकारी के अनुसार राजीव नगर थाना क्षेत्र के अशोक पूरी कॉलोनी में मध्यप्रदेध में पदस्थापित आईपीएस अधिकारी के घर 14 फरवरी को चोरी हई थी। पुलिस चोरों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी। इस मामले की जानकारी देते हुए राजीव नगर थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने कहा है अशोक पूरी कॉलोनी के घर में आईपीस अधिकारी के माता राजेश्वरी सिन्हा पिता नागेंद्र वर्मा के घर चोरी मामले में एक युवक को चोरी के मोबाईल के साथ घटना के कुछ दिन बाद गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद आरोपी से पूछताछ कर इस मामले में अन्य तीन अपराधियों रवि कुमार ,मोहम्मद सद्दाम और अशरफ की गिरफ्तारी की है। पुलिस ने इन आरोपियों के साथ ही आभूषण खरीदार लल्लू शर्मा को भी गिरफ्तार किया है। जिसके पास से चोरी की गई चाँदी के आभूषणों को बरामद किया है। पुलिस पुछताछ में चोरों ने बताया कि, घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने चोरी के पैसों का बंटवारा कर कोलकाता चले गए थे। वहीं पुलिस ने बताया कि, रवि कुमार और मोहम्मद सद्दाम दर्जन भर मामले में जेल जा चुके हैं। दोनों कुछ महीनें पहले ही जेल से छूटे थे। जिसके बाद फिर से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। फिलहाल पुलिस इस मामले में फरार अशरफ की तलाश में जुटी है।

संक्षिप्त खबरें

चोरी व मारपीट की प्राथमिकी दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के वाजिदपुर बंबइया पंचायत के बेलसंडी वार्ड एक निवासी डोमन साह की पत्नी शान्ति देवी नै घर में चोरी व मारपीट की प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिसमें सुमन कुमार शर्मा पिता उमेश शर्मा व उमेश शर्मा पिता स्वर्गीय राम लखन शर्मा दोनो पिता-पुत्र को नामजद किया है। पुलिस ने चोरी के आरोप में सुमन कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। दर्ज प्राथमिकी के माध्यम से पीड़ित ने बताया कि एक मार्च की रात्रि सुमन कुमार शर्मा मेरे घर में घुसकर बक्सा का ताला तोड़कर मेरी पुत्र वधू की जेवर एवं मेरा जेवर चोरी कर लिया। मैं हाट से लौट कर आई तो देखी सुमन कुमार पीछे के दरवाजे से भाग रहे हैं। मैं पीछे-पीछे उसके घर तक गया। वह अपने घर में घुस गया। उसके पिता के कहने पर वह मेरे साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। गांव के कुछ लोग जुटे उनके सामने भी वे लोग मारपीट किया है।

एक्साइज कोर्ट का वारंटी गिरफ्तार

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के शिवनाथपुर से एक्साइज कोर्ट के वारंटी दिनेश महतो को एक्साइज टीम ने गिरफ्तार कर अपने साथ ले गए। उक्त बात की जानकारी थानाध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने दी है।

नशा खुरानी कर ई-रिक्शा सहित चालक को लूटा

मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के उदाहाट गांव के पास से शुक्रवार की दोपहर नशा खुरानी गिरोह ने एक ई-रिक्शा चालक को नशा पिला कर ई-रिक्शा व नगदी लूट लिया। बेहोशी की अवस्था में ग्रामीणों ने पुलिस के सहयोग से उक्त चालक को मुसरीघरारी स्थित एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया। पीड़ित युवक की पहचान जितवारपुर कुम्हिरा गांव निवासी गणेश चौधरी के पुत्र राकेश चौधरी के रूप में की गई है। घटना के बाबत उक्त पीड़ित ने बताया कि तीन माह पूर्व उसने ई-रिक्शा खरीदा था और मुसरीघरारी में ई-रिक्शा चलता था। शुक्रवार की दोपहर एक यात्री आया और सरैया चौक तक जाने के लिए उसके गाड़ी को रिजर्व किया। वहां से चला तो उक्त यात्री उदा हाट के निकट पहुंचा तो वो अपने बैग से दो ठंडा का बोतल निकाला एक बोतल खुद निकाल कर पी लिया और दूसरा बोतल चालक को दिया। जब ई-रिक्शा का चालक बेहोश हो गया तब यात्री उसकी गाड़ी को लेकर चला गया। वहीं चालक को बरबट्टा जाने वाली सड़क में सुआपाकर गांव के पास सड़क किनारे बेहोशी की अवस्था में छोड़ दिया। उसके जेब से दो हजार रुपए भी निकाल लिया। स्थानीय लोगों की नजर पड़ी तो मुसरीघरारी पुलिस के सहयोग से बेहोशी की अवस्था में मुसरीघरारी स्थित निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। जब चालक को होश आया तो वह अपने आप को अस्पताल में पाया। वहीं चालक ने मुसरीघरारी थाना में आवेदन देकर अज्ञात लुटेरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो अलग-अलग जगहों पर लगी आग, हजारों की क्षति

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों पर अचानक पर लग गई। जिसमें हजारों की नुकसान बताया गया है। एक ओर जहां कापन वार्ड 3 में शनिवार को अचानक गेहूं की ढेर में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेजी से ऊपर उठने लगी। जिसकी सूचना अग्निशामक दास्ता टीम को दी गई। सूचना पर पहुंची अग्निशामक टीम वाहन के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। तब तक कापन वार्ड 03 निवासी शिवनंदन महतो के पुत्र उमेश कुमार का 10 कट्ठा का गेहूं की ढेर जलकर राख हो गई। वहीं कल्याणपुर उत्तर पंचायत के वार्ड 15 में अचानक आग लग जाने से जयराम गिरी के घर जलकर राख हो गया। कल्याणपुर उत्तर पंचायत एवं महमदपुर सकड़ा पंचायत के लोगों की मदद से आग पर पूर्ण रूप से काबू पा लिया गया।

हाइड्रोसिल की गोली का समस्तीपुर सदर अस्पताल में पहली बार हुआ प्रत्यारोपण

समस्तीपुर। समस्तीपुर सदर अस्पताल में पदस्थापित सर्जन डॉ. सुमित कुमार के द्वारा शनिवार को एक आठ वर्षीय बच्चे के हाइड्रोसिल के एक गोली का सफल प्रत्यारोपण किया गया। मिली जानकारी के अनुसार ओपीडी में सर्जन डॉ. सुमित कुमार के द्वारा जिले के हसनपुर प्रखंड के बड़गांव से आये कारी यादव के आठ वर्षीय पुत्र ओपीडी में जांच पड़ताल की गई। जांच पड़ताल के दौरान कराये गए अल्ट्रासाउंड जांच में पाया गया कि बच्चे का हाइड्रोसिल का टेस्टिस पेट के नीचले भाग में फंसा हुआ है। जिसके बाद शनिवार को सर्जन डॉ. सुमित कुमार, ग्यानकोलोजिस्ट डॉ. राजेश कुमार यादव, मूर्च्छक रोग विशेषज्ञ डॉ. गिरीश कुमार व अन्य मेडिकल स्टाफ की सहायता से ऑपरेशन कर इसे खिसकाकर सामान्य स्थान पर सफल प्रत्यारोपण किया गया। वहीं, इस बाबत डीएस डॉ. गिरीश कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल में पहली बार टेस्टिस का प्रत्यारोपण किया गया है। यह एक बड़ी सफलता है।

दो दिनों से लापता किशोर का शव पुलिस ने पोखर से किया बरामद, पुलिस मामले की जांच में जुटी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के गरुआरा चौर स्थित चतरा पोखर से शनिवार को पुलिस ने एक किशोर का शव बरामद किया है। मृतक की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के दादपुर वार्ड नंबर छह निवासी रामप्रीत राय के पुत्र मुन्ना कुमार (17 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों के अनुसार मुन्ना कुमार पिछले दो दिनों से अपने घर से लापता था। वहीं, परिजन भूमि विवाद में अपहरण उपरांत हत्या की आशंका व्यक्त कर रहे थे। शव मिलने की सूचना उपरांत पहुंची पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया था। मृतक किशोर के भाई श्रवण कुमार ने बताया कि मुन्ना कुमार गुरुवार को गांव के ही कुछ लोग बुला कर ले गए थे और उसके बाद से वह लापता था। परिजनों के द्वारा काफी खोजबीन की गई थकहार कर इसकी जानकारी पुलिस को दी गई थी। जिसके बाद शनिवार की सुबह उसके लापता भाई का शव गरुआरा चौर से बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि मृतक के नाक पर चोट के निशान पाए गए हैं। वहीं, शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान कहीं दिखायी प्रतीत नहीं हुए हैं। मृतक के परिजन पुराने जमीनी विवाद में मुन्ना कुमार का अपहरण कर हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त कर रहे थे। वहीं, इस बाबत मुफ्फसिल थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार मिश्रा ने बताया कि मृतक के नाक पर चोट के निशान पाए गए हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों के द्वारा आवेदन दिए जाने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

अगलगी के पीड़ितों को विधायक ने सरकारी मुआवजे का चेक किया प्रदान

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर प्रखंड के बेझाडीह पंचायत के रामपुर केशोपट्टी, वार्ड संख्या-11 में अगलगी की घटना में 06 घर पूर्णतः जल गया था। इस घटना घर में रखे हुए अनाज, कपड़ा, खाट, बर्तन आदि जल कर पूर्णतः नष्ट हो गया था। इसकी जानकारी मिलने पर शनिवार को स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार व अंचलधिकारी विनय कुमार की मौजूदगी में सरकारी मुआवाजे का चेक वितरित किया। विधायक ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में वो पीड़ित परिजन के साथ हैं तथा पीड़ित परिवार को विधायक ने अपने निजी फंड से खाद्य सामग्री, बर्तन, कपड़ा तथा नगद राशि (राहत पैकेट) दिये और कहा कि आगे भी यथासंभव सहयोग प्रदान करेंगे। विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि इस घटना से मैं अत्यंत दुःखी व व्यथित हूँ तथा पीड़ित परिजनों के साथ परिवार के एक सदस्य के रूप में मजबूती के साथ खड़े है। वहीं दूसरी ओर रेडक्रॉस के द्वारा भी पीड़ितों के बीच राहत सामग्री वितरित किया गया। मौके पर जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, पंच-सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष महेश राय, प्रमुख पति मो० जुम्मन, प्रोफेसर कमलेश राय, राजद नगर अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव, जिला राजद सचिव राकेश यादव, रेडक्रॉस के केशव कुमार, प्रदीप कुमार, नवीन कुमार, उत्कर्ष बैंक के वरीय प्रबंधक रवि आनंद, राजद प्रखंड अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, समाजसेवी पप्पू राय, डॉ० सुरेश चौधरी, मनोज कुमार, रामप्रीत राय, तेजनारायण राय, अरविन्द राय, रविन्द्र राय, मो० मुन्ना, विपीन राय, लालदेव राय, अरुण राय आदि मौजूद थे।

राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत कांग्रेस का जय भारत सत्याग्रह अभियान का हुआ शुभारंभ

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर शहर के माधुरी चौक पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष डोमन राय की अध्यक्षता में राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत जय भारत सत्याग्रह अभियान का शुभारम्भ किया गया। मौके पर केन्द्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नुक्कड़ सभा भी आयोजित की गयी। वक्ताओं ने भाजपा सरकार पर तानाशाही करने और लोकतंत्र को कुचलने का आरोप लगाया। कहा कि जो भी जनता की आवाज बनने की कोशिश करता है, भाजपा सरकार साम, दाम, दंड, भेद लगाकर उसको दबाने का प्रयास करती है। पिछले दिनों राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता को रद्द करवाकर भाजपा ने यही किया है। राहुल गांधी जनता के साथ हो रहे अन्याय खिलाफ भाजपा की दमनकारी नीति के विरोध में आवाज उठा रहे थे। कांग्रेस नेताओ ने अडानी मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की भी मांग की। मौके पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष डोमन राय, आभा ठाकुर, विश्वनाथ सिंह हजारी, रामनारायण शर्मा, परमानन्द मिश्रा, अशोक गुप्ता, युगेश्वर झा, गोपाल शर्मा, मो० जाहिर, रामविलास राय, सूरज राम, उपेन्द्रनाथ तिवारी, अनिल तिवारी, रोहित कुमार साह, रंजीत कुमार रमण आदि मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर समस्तीपुर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मो० फिरोज अंसारी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने हकीमाबाद में नुक्कड़ सभा की। मौके पर ठाकुर मनोज भारद्वाज, बच्चा बाबू गिरी, मो० कलाम, मुकेश कुमार, मनोज कुमार, संजय कुमार, मो० जफरुल अंसारी भी मौजूद थे।

सरस्वती शिशु मंदिर बलहा में विश्व स्वास्थ्य प्रशिक्षण सप्ताह को लेकर की गई बच्चों के स्वास्थ्य की जांच

प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। शिवाजीनगर प्रखंड के सरस्वती शिशु मंदिर, बलहा विद्यालय में शनिवार को विश्व स्वास्थ्य परीक्षण सप्ताह दिवस के अवसर पर प्रखंड स्तरीय चिकित्सक डॉ अजय कुमार कुंवर, स्थानीय चिकित्सक डॉ संजय कुमार चौधरी, और डॉ रमण कुमार चौधरी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर स्वास्थ्य परीक्षण दिवस का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार झा ने उपहार देकर सम्मानित किया। साथ हीं सभी कक्षाओं में जाकर बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। बदलते मौसम में खानपान को लेकर बच्चों को विस्तार रूप जानकारी दी।

अवकाश प्राप्त सैनिक के निधन पर शोक

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत कल्याणपुर दक्षिण समर्था वार्ड 13 निवासी सह अवकाश प्राप्त सैनिक शंकर मल्लिक का निधन 7 अप्रैल शुक्रवार को हो गई। वे 70 वर्ष के थे। निधन का कारण ब्रेन हेमरेज होना बताया गया। वहीं उनके निधन की खबर सुनते ही लोगों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड पड़ी। स्थानीय मुखिया संजय निराला, उप मुखिया अमरेश ठाकुर, सुनील कुमार सिंह, रविंद्र कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह सहित दर्जनो लोग पहुंचकर अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। बता दें कि शंकर मल्लिक 1973 में सेना में शामिल होकर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अरूणाचल प्रदेश, देहरादून, बीकानेर, रांची, दानापुर आदि जगहो पर सेवा दे चुके हैं। वहीं एक बार वे शांति सैनिक बनकर श्रीलंका भी गए। उनके चार पुत्र संजय मल्लिक, सर्वश्र मल्लिक, रविंद्र मल्लिक, राजू मल्लिक व एक पुत्री मीरा कुमारी है। दो पुत्र सेना में है, वहीं एक बिहार पुलिस में सेवा दें रहे है। वे पत्नी सुशीला देवी सहित अपना भरापूरा परिवार छोड़कर चल बसे।

विजयोत्सव समारोह के रूप में 23 अप्रैल को मनाई जाएगी वीर कुंवर सिंह की जयंती

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर शहर के काशीपुर स्थित आदर्श ज्ञान निकेतन परिसर में शनिवार को अमर स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीरकुंवर सिंह की जयंती समारोह को लेकर समाजसेवियों की एक बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता समाजसेवी कौशल प्रसाद सिंह, संचालन समाजसेवी जितेन्द्र सिंह चंदेल तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षाविद केके सिंह ने की। जिसमें आगामी 23 अप्रैल 2023 को वीरकुंवर सिंह की जयंती सह विजयोत्सव समारोह तिरहुत एकेडमी में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर बच्चों के बीच निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित किया जायेगा। विजयोत्सव सह जयंती समारोह को लेकर कार्यक्रम तैयारी-सह-स्वागत कमिटी का गठन किया गया। जितेन्द्र सिंह चंदेल को अध्यक्ष, रामसकल सिंह को उपाध्यक्ष, राकेश कुमार ठाकुर को सचिव, रंजीत कुमार रम्भू को संयुक्त सचिव, गौतम सिंह को कोषाध्यक्ष, कौशल प्रसाद सिंह, युगल किशोर सिंह, शिक्षाविद केके सिंह, एनके सिंह, जवाहर सिंह, रविन्द्र प्रसाद सिंह को संरक्षक तथा विवेक कुमार को विजयोत्सव सह जयंती समारोह का मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

खानपुर में शार्ट सर्किट से लगी आग, एक घर जलकर हुआ राख

प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले खानपुर प्रखंड के विशनपुर आभी पंचायत के वार्ड एक में शनिवार की सुबह शार्ट सर्किट होने से एक घर जलकर राख हो गया। बताया गया की जबतक लोग कुछ समक्ष पाते आग तेज पछुआ हवा के झोंके के बीच विकराल रूप ले लिया और घर को पूरी तरह राख कर दिया। हालांकि ग्रामीणों की सूझबूझ और तत्परता से काफी मशक्कत बाद आग पर किसी तरह काबू पा लिया। बताया गया की रंजित कुमार राय के घर शार्ट सर्किट से अचानक आग लग गई थी। ग्रामीणों ने बताया की फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। लेकिन उसके आने से पहले ही ग्रामीणों ने बोरिंग चालू कर आग पर काबू पा लिया। इस घटना में अनाज, कपड़ा, गहना, फर्नीचर आदि जल गया। लगभग तीन लाख रुपए की क्षति की संभावना जताई गई है। ग्रामिणों ने अग्नि पीड़ित को शीघ्र राहत दिलाने की मांग प्रशासन से की है।

बिना नंबर वाली गाड़ी सरकारी कामों में हो रहा प्रयोग प्रशासन मौन

प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखंड अंतर्गत उदापट्टी गांव में बन रही कपूर्री नहर में इन दिनों स्थानीय प्रशासन के मौन होने की वजह से बिना कागज वाली व बिना नंबर वाली गाड़ियां काफी संख्या में प्रयोग की जा रही है। जिससे स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि वर्षों से कर्पूर नहर के निर्माण की लोगों की मांग थी। जो अब पूरी हो रही है। मगर स्थानीय प्रशासन की लापरवाही की वजह से उस निर्माण कार्य में बिना नंबर वाली व बिना कागज वाली गाड़ियां काफी संख्या में चल रही है। आए दिन किसी तरह की घटनाएं होती है तो इसका जवाबदेही कौन लेगा। लोगों का कहना है कि नहर के निर्माण में ऐसे वाहनों के कागजों की जांच की जाए। ताकि किसी तरह की घटनाएं न हो पाए। लोगों का कहना था कि अगर प्रशासन ऐसे वाहन चालकों पर कार्रवाई नहीं करती है तो लोग आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इधर पूछे जाने पर डीटीओ बलवीर दास ने बताया कि हम लोग दलसिंहसराय में गाड़ियों की जांच कर रहे हैं। अगर इस तरह की गाड़ियां वहां चल रही है तो कार्रवाई की जाएगी।

जाति गणना के दूसरे चरण का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड अंतर्गत राधा-कृष्ण मंडल गोविंद गोस्वामी महाविद्यालय में जाति आधारित गणना 2022 के दूसरे चरण को लेकर आठ दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कराया गया जहां मास्टर ट्रेनर मृत्युंजय कुमार सिंह, उमेश प्रसाद राय, बालमुकुंद सिंह, मृत्युंजय कुमार राय, के द्वारा पर्यवेक्षक एवं प्रगणक को प्रशिक्षण दिया गया शनिवार के दिन आठ दिवसीय प्रशिक्षण शिविर हुआ संपन्न परिप्रेक्ष्य में प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी हरि ओम शरण ने कहा कि 17 कॉलम के प्रपत्र ध्यान से पढ़े और काले कलम से देवनागरी लिपि में शुद्ध शुद्ध अंकित करें। साथ ही भरे हुए प्रपत्र को मोबाइल ऐप पर अपलोड भी करना है। किसी भी स्थिति में किसी प्रकार की त्रुटि छम्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि 215 तरह की जातियां सरकार द्वारा चिन्हित किया गया है उसे सूक्ष्मता से देखकर कोड अंकित करना है। उन्होंने बताया कि कोई परिवार छूटे नहीं और किसी का दोहरी प्रविष्टि नहीं हो। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि प्रगणक द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा पर्यवेक्षक सही तरह से कर लेंगे तब फाइनल सबमिट करेंगे मौके पर सुभाष कुमार सिंह, रामबालक सिंह, राजेश साह, संजीत कुमार शर्मा, रामलोचन राय, साहित दर्जनों प्रगणक उपस्थित रहे।

हथौड़ी पुलिस के सहयोग से वारिसनगर पुलिस ने आरोपी तांत्रिक को किया गिरफ्तार

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड अंतर्गत पूनमा धर्मपुर गांव निवासी राजेंद्र दास की नौ माह की पुत्री को तांत्रिक द्वारा गला रेत घायल करने मामले में वारिसनगर पुलिस ने हथौड़ी पुलिस के सहयोग से नवटोल गांव से आरोपी तांत्रिक विष्णु देव सिंह को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद शनिवार के दिन राजेंद्र दास की पत्नी रीना देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि एक वर्ष पूर्व संध्या कुमारी को घायल कर दिया था। जिसके बाद उसकी मौत हो गई थी। वहीं छह माह पूर्व भी आरोपी द्वारा मेरी दूसरे पुत्र सत्या कुमार को इसी तरह चाकू से घायल कर दिया गया था। जिसके बाद घायल बच्चे को इलाज के लिए रहटौली गांव स्थित निजी शिवम नेचुरो केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां घायल बच्ची की स्थिति में सुधार बताया जा रहा है। महिला का आरोप है कि तांत्रिक द्वारा आए दिन पैसा का मांग किया जाता था। शिवाजीनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पीड़िता रीना देवी का फर्द बयान दर्ज करते हुए वारिसनगर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मौके पर हथौडी. थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह, एसआई कुंदन पासवान, प्रशिक्षु एसआई राहुल कुमार, सहित अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

बढ़ई हाता में विदेश से शव पहुंचते ही स्वजनों में मचा कोहराम

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के थावे थाने के रामचंद्रपुर के बढ़ई हाता गांव में शुक्रवार की देर रात सउदी अरब से शव पहुचते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। शव को देखने के लिए काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी गयी। बता दे की 37 वर्षीय नारद पाठक की मौत हार्ट अटैक से विदेश में कार्य करने के दौरान हो गई थी। स्वजनों ने विदेश से शव लाने के लिए सांसद से गुहार लगाई थी। सांसद डॉ आलोक कुमार सुमन की पहल पर शुक्रवार की देर रात विदेश से शव पहुँचा। मृतक बढ़ई हाता गांव निवासी रामदेव पाठक के पुत्र नारद पाठक बताया जा रहा है। जो कई वर्षो से विदेश के सउदी अरब में मजदूर का काम करते थे। एक सप्ताह बाद शव पहुंचते ही स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पत्नी आदिली देवी को पुत्र अनमोल कुमार तथा पुत्री अनीशा कुमारी के भविष्य की चिंता सताने लगी है।

कल्याणपुर प्रभारी थानाध्यक्ष ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर 670 कार्टन शराब किया बरामद, एक कारोबारी गिरफ्तार

एक ट्रक, एक पिकअप और एक कार जब्त, अन्य शराब कारोबारी फरार

कल्याणपुर, प्रात : किरण संवाददाता

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बरहेता चौक से चकमेहसी बाजार जाने वाली सड़क में नीमा चकहैदर गांव से तीन मुहानी के पास से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर भारी मात्रा में विदेशी शराब सहित एक ट्रक एवं दो पिकअप और एक कार सहित कारोबारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का बताना है कि ट्रक पर कुल 670 कार्टन शराब बरामद कर लिया गया है। 670 कार्टन में कुल छह हजार लीटर शराब बरामद किया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चकमेहसी थाना क्षेत्र में भारी मात्रा में शराब की खेप आने वाली है। सूचना मिलते ही प्रभारी थानाध्यक्ष दिव्य ज्योति कुमारी ने टीम बनाकर विदेशी शराब बरामद कर लिया गया है। वहीं छापामारी टीम में एएसआई शैलेन्द्र सिंह, मनीषा कुमारी, सिपाही राहुल कुमार, चालक सत्येंद्र कुमार सहित सभी पुलिस शामिल थे। वहीं पुलिस ने एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया। वहीं अन्य शराब कारोबारी पुलिस को देखते ही भागने में सफल रहे। वहीं घटनास्थल से पुलिस ने शराब लदी दो पिकअप, एक मैजिक पिकअप एवं एक कार कर लिया है। वहीं ट्रक पर धान का भूसा चारों ओर से रखा हुआ था ओर बीच में शराब छुपाकर रखा हुआ था। शराब पंजाब निर्मित बताया गया है। जिसमें ब्लू इमपरीमीयम कम्पनी का शराब था। गिरफ्तार शराब कारोबारी की पहचान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बरहेता गांव निवासी राजकिशोर प्रसाद देव के पुत्र रंजन कुमार के रूप में हुई है। वहीं थानाध्यक्ष चंद किशोर टूडू ने बताया कि कागजात के आधार पर गाड़ी मालिक एवं अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया जाएगा। वहीं फरार कारोबारी का पता लगाकर जल्द ही आगे की कार्रवाई किया जाएगा।

समस्तीपुर से दरभंगा जा रही बस हुई दुर्घटनाग्रस्त

कल्याणपुर दुमदुमा पुल के पास हुई दुर्घटना कई यात्री घायल

कल्याणपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर-दरभंगा मुख्य पथ के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के दुमदुमा पुल के पास शनिवार के तीसरे पहर समस्तीपुर से दरभंगा जा रही एक बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें बस पर सवार एक छात्रा समेत 8 लोग जख्मी हो गए। जख्मी सभी लोगों को कल्याणपुर पीएचसी में भर्ती कराया गया है। वहीं बस के बीच फंसी एक छात्रा को ग्रामीणों के सहयोग से बाहर निकालकर गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल भेजा गया है। छात्रा की पहचान चकमेहसी थाना क्षेत्र के गोराई घाट गांव के स्वर्गीय अजय महतो की पुत्री प्रियंका कुमारी के रूप में की गई है। बताया गया है कि प्रियंका समस्तीपुर के एक निजी कोचिंग में पढ़ाई करने के बाद वापस लौट रही थी। उधर, घटना की सूचना के बाद परिजनों के बीच अफरा-तफरी मच गई। घटना के संबंध में बताया गया है कि समस्तीपुर से दरभंगा के लिए एक बस जा रही थी, इसी दौरान कल्याणपुर थाना क्षेत्र के दुमदुमा पुल के पास बस चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिस कारण बस पास से गुजरने वाली बूढ़ी गंडक नदी के बांध पर चढ़ गई। और वह पलट गई इस घटना में बस के अंदर सवार प्रियंका कुमारी समेत कई लोग फंस गए। बाद में स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी लोगों को बाहर निकाला गया। प्रियंका कुमारी को खिड़की का शीशा तोड़कर बाहर निकाला गया है। उधर कल्याणपुर थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी पर पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है। घायल छात्रा को ईलाज के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया।

संक्षिप्त खबरें

ओडी पंजी में दर्ज नही है लाइसेंस तो जप्त होगी शस्त्र

सारण। अगर ओडी पंजी में लाइसेंस दर्ज नही है तो वैसे शस्त्र को अवैध मानते हुए उसे तत्काल जप्त किया जायेगा। डीएम ने देश के पूर्वोत्तर राज्यों से निर्गत शस्त्र लाइसेंस धारियों का थाना स्तर पर भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया है। अब तक किसी भी थाना के द्वारा कोई कारवाई नही किए जाने पर डीएम के द्वारा खेद प्रकट किया गया। उन्होने ओडी पंजी में दर्ज लाइसेंस धारियों की सूची थानावार शस्त्रों के सत्यापन का निर्देश दिया गया है। डीएम के इस सख्त निर्देश से पूर्वोत्तर राज्यों से लाइसेंस प्राप्त करने वाले शस्त्र धारियों में हडकंप मचा हुआ है।

संधारित होगा गुंडा पंजी, सीसीए की भी होगी कारवाई

सारण। विधि व्यवस्था की बैठक के दौरान डीएम ने व्यवसायिक अपराधियों का नाम थाना स्तर पर गुंडा पंजी में दर्ज करने एवं वैसे अपराधियों के विरूद्ध सीसीए की कारवाई को लेकर निर्देश दिया। उन्होने कहा कि एसपी के माध्यम से प्रस्ताव भेजे ताकि व्यवसायिक अपराधियों पर कारवाई की जा सके। इसी क्रम में एसडीपीओ गोपालगंज व हथुआ के द्वारा बताया गया कि किसी भी थाना से अपराधियों पर सीसीए की कारवाई का प्रस्ताव नही दिया गया है। अगर प्रस्ताव प्राप्त होता है तो अवश्य ही कारवाई होगी।

शराब के नशे में पुलिस ने चार को किया गिरफ्तार

सारण। जिले के भोरे थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के हाहा पुल के समीप कार्रवाई करते हुए शराब के नशे में चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये लोगों को मेडिकल जांच के बाद कोर्ट में पेश किया गया। पकड़े गये लोगों में विजयीपुर थाना क्षेत्र संडीहा के राजू राजभर, भोरे थाना के भरपटिया के सुरेंद्र राजभर, लुहसी के अजय साह और गोपीछापर के सुनील यादव शामिल हैं।

बाजार से दो वारंटी गिरफ्तार

सारण। जिले के बरौली थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बरौली बाजार से दो वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्त में आए दोनो वारंटी उमेश कुमार व प्रमोद कुमार बताए गए है। पूछताछ के बाद पुलिस दोनो वारंटियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार तिवारी ने दी। उन्होने बताया कि गिरफ्तार वारंटियों पर न्यायालय के द्वारा वारंट निर्गत किया गया था। जिसके आधार पर पुलिस ने दोनो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बरौली में लगाया गया विद्युत विपत्र कैंप

सारण। जिले के बरौली प्रखंड कार्यालय में शनिवार को विद्युत विभाग के द्वारा विद्युत विपत्र कैंप का अयोजन किया गया। कैंप में पंहुचे उपभोक्तओं की समस्याओं को निपटारा भी किया गया। बिजली विभाग के कर्मियों के द्वारा बताया गया कि प्रत्येक महीने के दूसरे शनिवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में विद्युत विपत्र सुधार कैंप का अयोजन किया जाता है। विद्युत कर्मियों ने उपभोक्तओं से अपील करते हुए कहा कि जिस भी उपभोक्ता के विद्युत विपत्र में गडबडी है वे प्रत्येक माह के दुसरे शनिवार को आयोजित कैंप में आकर अपना विपत्र सुधार करा सकते है।

थावे थाना में जनता दरबार लगा छह मामलो का हुआ निष्पादन

सारण। जिले के थावे थाने में शनिवार को अंचलाधिकारी रजत कुमार वर्णवाल की अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित किया गया। जनता दरबार मे जमीन संबंधित विवाद को लेकर काफी संख्या में लोग पहुंचे। सीओ ने बताया कि जनता दरबार मे जमीन संबंधित छह मामले आए। जिसमे दो भूमि विवाद का निपटारा कर दिया गया। उन्होंने बताया कि अन्य मामलों में दोनों पक्षो से जमीन संबंधित कागजात की मांग की गई है। कागजात देखने के बाद मामलों का निष्पादन कर दिया जाएगा। जनता दरबार मे थानाध्यक्ष शशि रंजन कुमार, सीआई इनरमल राम व कर्मचारी सफीक आलम सहित जमीनी विवाद से संबंधित पक्ष और विपक्ष के लोग शामिल थे।

एटीम झपट खाते से किया दस हजार की निकासी

बनियापुर (सारण) गेहूं दौनी के लिए एटीम से पैसा निकालने आए व्यक्ति का एटीम झपट कर दस हजार रुपया का निकासी कर लिया।जिस मामले की लिखित शिकायत पीड़ित द्वारा थाना को दिया गया। घटना के संबंध मे पीड़ित नादौवा गाव के सीधेश्वर सिंह ने बताया कि बनियापुर मुख्यालय स्थित एस बी आई एटीम केंद्र ने गेहूं दौवनी के लिए पैसा निकासी करने आया था जहा मेरे हाथ से एटीम झपटा मारकर अज्ञात चोर फरार हो गया।और दूसरा कार्ड फेक दिया।जिसके कुछ देर बाद खाते से दस हजार निकासी कर लिया गया।जिसकी जानकारी के बाद एटीम बंद करते थाना को सूचित किया गया।

मनरेगा योजना में लापरवाही पर 13 पंचायत रोजगार सेवकों पर गिरी गाज

मानदेय कटौती से लेकर बर्खास्तगी तक का दिया गया दंड

- मनरेगा योजना में लापरवाही पर डीडीसी ने लिया सख्त निर्णय
- गरीबी उन्मूलन की योजना में नही किया सहयोग, होना पड़ा दंडित

संवाददाता गोपालगंज

मनरेगा योजना में लापरवाही पंचायत रोजगार सेवकों पर भारी पड़ गया। जहां दो पंचायत रोजगार सेवक को बर्खास्त कर दिया गया, वही 11 पंचायत रोजगार सेवकों के मूल मानदेय में कटौती कर दी गयी। डीडीसी अभिषेक रंजन के इस सख्त कारवाई से पंचायत रोजगार सेवकों में हडकंप मची हुयी है। केन्द्र सरकार की मनरेगा योजना गरीबी उन्मूल्लन के क्षेत्र में बेहतर परिणाम देने वाली योजना है। जिसके तहत पंचायत के निबंधित श्रमिकों से आवेदन प्राप्त कर उन्हें 15 दिनों के अंदर रोजगार दिये जाने का प्रावधान है। इतना ही नही निबंधित श्रमिकों को प्रत्येक वर्ष 100 दिनों की रोजगार मुहैया कराया जाना है। वही पंचायत के एससी एसटी महिलाओं का जॉब कार्ड बनाकर उन्हे भी रोजगार दिया जाना है। पंचायत में प्रत्येक सप्ताह रोजगार दिवस का अयोजन किया जाना है, ताकि ग्रामीण इलाकों में निचले स्तर के लोगो को गरीबी से निजात मिल सके। जिले के 230 पंचायतों में 13 पंचायत ऐसे चिन्हित किए गए है जहां पर मनरेगा योजना के कार्य काफी ही खराब है। जिस पंचायत के पंचायत रोजगार सेवको के विरूद्ध कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा के द्वारा डीडीसी को रिपोर्ट भेजकर स्थिति से अवगत कराया गया था। डीडीसी ने स्थिति से अवगत होने के बाद सभी 13 पंचायत रोजगार सेवकों से स्पष्टीकरण किया। वही पंचायत रोजगार सेवकों के स्पष्टीकरण की मांग कार्यक्रम पदाधिकारी के मंतव्य के साथ की गयी। पंचायत रोजगार सेवको से प्राप्त स्पष्टीकरण व कायक्रम पदाधिकारी से प्राप्त मंतव्य पर निर्णय लेते हुए डीडीसी ने थावे प्रखंड के फुल्गुनी पंचायत व फुलवरिया प्रखंड के पकौली बदो पंचायत के पंचायत रोजगार सेवक को बर्खास्त कर दिया है। वही अन्य 11 पंचायतों के पंचायत रोजगार सेवक के मूल मानदेय में आठ फीसदी से लेकर 20 फीसदी तक की राशि की कटौती दो से तीन वर्षो के लिए किया है। डीडीसी के इस सख्त निर्णय से मनरेगा योजना के तहत पंचायत व प्रखंडो में कार्यरत मनरेगा कर्मियों व पदाधिकारियों में हडकंप मची हुयी है।

इनसेट के लिए क्या कहते है अधिकारी

मनरेगा योजना के कार्यो मे लापरवाही बरतने वाले पंचायत रोजगार सेवकों को दंडित किया गया है। यदि निर्धारित दंड से पंचायत रोजगार सेवक सहमत नही हो तो वे 30 दिनों के अंदर जिला पदाधिकारी के समक्ष अपील दायर कर सकते है। अभिषेक रंजन, डीडीसी, गोपालगंज

इनसेट के लिए इन पंचायतों के रोजगार सेवकों को प्रशासन ने किया दंडित

प्रखंड	नाम	पंचायत	दंड
थावे	धर्मवीर प्रसाद	फुलुगनी	चयनमुक्त
फुलवरिया	अजय कुमार	पैकौली बदो	चयनमुक्त
पंचदेवरी	योगेश त्रिपाठी	सेमरिया	आठ फीसदी 2 वर्ष
पंचदेवरी	जयप्रकाश प्रसाद	सिकटिया	आठ फीसदी 2 वर्ष
गोपालगंज	सुनील कुमार तांती	चैराव	आठ फीसदी 2 वर्ष
विजयीपुर	विकास कुमार	कुटिया	आठ फीसदी 2 वर्ष
फुलवरिया	म. कमाल हुसैन	मांझा गोसाई	10 फीसदी 2 वर्ष
हथुआ	लालमोहन राम	लाइनबाजार	10 फीसदी 2 वर्ष
गोपालगंज	रजनीश कुमार	जादोपुर दुखहरण	10 फीसदी 3 वर्ष
विजयीपुर	अनिल कुमार	मुसेहरी	10 फीसदी 2 वर्ष
हथुआ	भरत सिंह	एकडेंगा	10 फीसदी 2 वर्ष
भोरे	सिकंदर शर्मा	बगहवा मिश्र	10 फीसदी 2 वर्ष
थावे	शशिभूषण प्रसाद	इन्द्रवा एबदुल्लाह	20 फीसदी 3 वर्ष

शौर्य दिवस पर दिल्ली की धरती पर सारण के लाल लहराएंगे परचम, होंगे सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सिटी। छपरा सदर प्रखंड के फकुली पंचायत के उमधा गांव निवासी स्वर्गीय शंकर सिंह एवं राजभावती कुंवर का पुत्र व भाजपा नेता मनोज कुमार सिंह उर्फ पप्पू भैया का भतीजा सी आर पी एफ जवान चंदन कुमार सिंह को शौर्य दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। चंदन कुमार सिंह जम्मू-कश्मीर के शोपियां में 14 वीं बटालियन के जवान के रूप दारों में पोस्टेड थे। उसी दरम्यान अपने साथियों के साथ मिलकर चार आतंकवादियों को मार गिराए थे। चारों आतंकवादियों में एक ए म प्लस, एक बी प्लस और दो डी ग्रेड ई के आतंकवादी थे। इस वीरता के लिए ही चंदन का चयन वीरता पदक के लिए किया गया और उन्हें 26 जनवरी को ही दिल्ली परेड में सम्मानित किया जाना था लेकिन कोरोना के कारण उन्हें यह सम्मान 26 जनवरी के बाद राष्ट्रपति भवन में किया गया। सारण के लिए गौरव की बात है कि सारण के लाल को दिल्ली की धरती पर फिर से सारण का परचम लहराने जा रहे है। जिन्हे शौर्य दिवस पर दिल्ली, बसंत कुंज, शौर्य सीआरपीएफ कैंप में 9 अप्रैल को चंदन सिंह को डी जी मेडल देकर सम्मानित करेंगे। जिस पर सदर प्रखंड के उमधा गांव के लोग ही नही बल्कि सारण वासियों के एक गौरांवित क्षण होगा। सम्मान की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में जश्न का माहौल है। लोग एक दूसरे को बधाई दे रहे है।सम्मानित किए जाने की सूचना पर खुशी को व्यक्त करते हुए मनोज कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कहा कि सम्मान मिलना किसी भी जवान की तमन्ना होती है इस की खुशी हम से कई गुना ज्यादा चंदन को हो रही होगी। उन्हों ने बताया कि देश सेवा कर सम्मान पाना जवान बड़ी उपलब्धि होती है

फुलवरिया में पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को दिया गया द्वितीय चरण का प्रशिक्षण

प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय माड़ीपुर परिसर में हुई कार्यक्रम

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

स्थानीय प्रखंड के ग्राम पंचायत राज फुलवरिया अंतर्गत माड़ीपुर गांव में संचालित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के परिसर में शनिवार को पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण शुरू हो गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी अजीत कुमार रौशन ने बताया कि विद्यालय परिसर के सभागार में प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार जाति आधारित गणना 2022 अंतर्गत नियुक्त सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को पंचायत वार प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एक दिन में चार पंचायतों में प्रति नियुक्त कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। जानकारी अनुसार प्रखंड में 321 प्रगणकों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जबकि पर्यवेक्षक के रूप में 58 कर्मियों की प्रति नियुक्ति की गई है। जिला से प्रशिक्षण प्राप्त कर्मी छः मास्टर ट्रेनरों में अमित कुमार शर्मा, दिवाकर तिवारी, दिलीप कुमार पटेल, धर्मेंद्र मिश्र, रविकांत प्रसाद तथा संतोष कुशवाहा आदि प्रशिक्षण कार्यक्रम में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जबकि उपस्थित गणना कोषांग कर्मियों में वरिष्ठ शिक्षक चंद्रिका बैठा, अजित कुमार दास, धर्मवीर प्रसाद, सुजीत कुमार रजक, राजेश कुमार राम, दिपेश कुमार सिंह, अनिल कुमार, राजा हुसेन अंसारी, जमशेद अली तथा नंदकिशोर सिंह सहित अन्य गणना कोषांग कर्मी प्रशिक्षण में उपस्थित रहे।

जाति आधारित जन गणना के द्वितीय चरण मे मानक कोड प्रयोग पर ध्यान दे गणना कर्मी - चार्ज पदाधिकारी

संवाददाता बनियापर

बनियापर (सारण) जातिगत गणना के द्वितीय चरण मे एक एक गणना ब्लाक पर हमारी पैनी नजर रहेगी,ताकि कही किसी प्रकार की त्रुटि न रहे,आप प्रशिक्षण मे समय दजिए और निपुणता के साथ सतरह बिन्दुओ पर आधारित प्रश्नों के उतर मैनुअली तथा आनलाइन सिख ले ताकि गणना ब्लाक पर जाने मे कार्य मे कोई दिक्कत न हो ,यह बाते बीडीओ सह चार्ज पदाधिकारी कपूर्री ठाकुर अंचलाधिकारी स्वामीनथ राम ने कही वही पदाधिकारियों ने जन गणना प्रशिक्षण के एक दिवसीय कार्यक्रम तीसरे दिन प्रतिभागियों से कही उन्होंने कहा की प्रखंड मे तीन प्रशिक्षण केंद्र चलाए जा रहे है।जहा १५० प्रतिभागी शामिल हो रहे है।जहा पंचायतवार प्रशिक्षण 5अप्रैल 11अप्रैल चलने के बाद पर्यवेक्षक प्रगणक 15 अप्रैल से 15 मई तक जन गणना का कार्य पुरी कर लेंगे।वही मौके पर बी पी आर ओ तरुण कुमार शैलेन्द्र पाण्डेय आसमोहम्मद मोहम्मद जलालुद्दीन गुलाम अब्बास प्रमोद कुमार पंडित निर्भय कुमार राजू प्रसाद गयासुद्दीन अलीमुल्लाह सहित भारी संख्या मे शिक्षकों ने प्रशिक्षण मे भाग लिया।जहा शिक्षकों के लिए नास्ते चाय तथा भोजन की उचित व्यवस्था की सबने सराहना किया।

इनर व्हील कल्ब ने कोरोना को लेकर किया स्वास्थ्य विश्व दिवस पर लोगो को जागरूक

- आपकी सतर्कता ही आपको रख सकता है स्वस्थ - अनीमा सिंह
- सही समय पर दवा भोजन ले स्वस्थ्य रहिए - डॉक्टर राजीव रंजन

संवाददाता छपरा सिटी

छपरा सिटी। छपरा नगर पालिका चौक स्थित चेस्ट किलिनिक परिसर में इनरवील कल्ब सामाजिक संगठन के द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। जिसमे इनर व्हील कल्ब की अध्यक्ष अन्नीना सिंह और डा राजीव रंजन ने कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर चेस्ट स्पेशलिस्ट डा राजीव रंजन ने लोगो को संबोधित करते हुए बताया कि आज विश्व स्वास्थ्य दिवस है और इस स्वास्थ्य दिवस पर हम लोग यह संकल्प ले की हम सभी कैसे अपने आप को परिवार को समाज को स्वास्थ्य रखे। चिकित्सको के भरोसे नहीं रहना है । चिकित्सक केवल दवा देंगे लेकिन दवा को सही समय पर लेना आपका काम है सही समय पर भोजन सही तरीके से लेना है। तभी हम चिकित्सक आप लोगो को स्वास्थ्य कर सकते है। वही इनर व्हील कल्ब की अध्यक्ष अनिमा सिंह ने बताया कि आज हम सभी स्वास्थ्य दिवस मना रहे है। जिसका एक मात्र उद्देश्य स्वस्थ्य कैसे रहा जाय। तो मेरा मानना यह है कि मनुष्य की सतर्कता ही मनुष्य को निरोग रख सकता है। हम लोगो ने देखा है किस प्रकार जब कोरोना देश में पहली बार आया था तो कितने लोग मौत के गाल में चले गए। लेकिन जैसे जैसे लोगो की सतर्कता बढ़ी। दूसरी बार कोरोना से मौतों का आंकड़ा बहुत कम रहा। फिर इस बार कोरोना ने दस्तक दिया है तो घबराने की बात नही है। उसके बाद भी हम लोगो को सतर्क रहना होगा। मास्क पहन कर रहना है । वैक्सीन नही लिए है तो ले लेना है। और स्वास्थ्य रहना है।

ड्रीम, बिलीव एंड अचीव संकल्प के साथ मशरक में बीएसएम ग्लोबल स्कूल शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

मशरक नगर पंचायत के तहत मशरक मुन्नी मोड़ से सटे दक्षिण नव स्थापित बीएसएम ग्लोबल स्कूल शुरू हुआ। शुक्रवार को पूजन अर्चन के साथ मशरक नव नामांकित नौनिहालों के कक्षाओं का पहला दिन खुशनुमा माहौल मे शुरू हुआ। नर्सरी से छः कक्षा तक संचालित स्कूल के कक्षा में प्रवेश से पहले छोटे मासूम बच्चों ने रिबन काट कक्षा प्रारंभ किया। तत्पश्चात स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती सयंती सिंह और स्कूल के निदेशक श्री ऋतुराज सिंह ने दीप प्रज्वलित किया। स्कूल के संरक्षक विधायक केदारनाथ सिंह की उपस्थिति में छात्रों ने आकर्षक केक काटकर सांस्कृतिक गतिविधियों में जमकर मस्ती की। स्कूल के आदर्श वाक्य ड्रीम, बिलीव एंड अचीव का संकल्प सभी ने लिया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य सुरेंद्र उपाध्याय ने पूजन संपन्न कराया।

अब पंचायतों में अपराधियों को चिन्हित करेंगे

थानाध्यक्ष के प्रस्ताव पर एसडीओ करेंगे धारा 107 व 110 की कारवाई

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

अब पंचायतों में दफादार व चैकीदार के द्वारा अपराधियों को चिन्हित किया जाएगा। दफादार व चैकीदार की रिपोर्ट पर थानाध्यक्ष के द्वारा अपराधिक प्रवृति के लोगे के विरूद्ध धारा 107 व 110 की कारवाई को लेकर एसडीओ को प्रस्ताव भेजा जाएगा। जिस प्रस्ताव पर एसडीओ के स्तर से कारवाई होगी। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में विधि व्यवस्था को लेकर मुख्य सचिव, गृह सचिव व सरकार के वरीय अधिकारियों के साथ डीएम डॉ. नवल किशोर चैधरी व एसपी स्वर्ण प्रभात की वीडीयो कांन्फ्रेसिंग हुयी। वीडीयो कांन्फ्रेसिंग के बाद डीएम व एसपी ने स्थानीय स्तर पर दंडाधिकारी व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिया गया। डीएम ने कहा कि अपराधिक प्रवृति वाले एक-एक लोगो को चिन्हित कर उनपर कारवाई की जायेगी। हर हाल में विधि व्यवस्था को नियंत्रित रखा जाये। वही एसडीओ डॉ। प्रदीप कुमार ने बताया कि अबतक किसी भी थाने के द्वारा धारा 107 व 110 की कारवाई को लेकर प्रस्ताव प्राप्त नही हुआ है। उन्होने यह भी बताया कि 222 वारंट निर्गत किए गए है। जिनमें 107 की कारवाई होनी है। अबतक कोई भी वारंटी उपस्थित नही हुआ जिससे बांड भरवाया जा सके। वही हथुआ एसडीओ राकेश कुमार ने बताया कि दो वारंटियो को गिरफ्तार किया गया है, जिन्हे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के इस कार्यशैली पर डीएम ने खेद प्रकट किया। उन्होने कहा कि कार्यशैली में शीघ्र सुधार की आवश्कता है। वही उनके द्वारा कहा गया कि किसी भी थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था असामान्य होती है तो संबधित थाने के थाना प्रभारी के विरूद्ध कारवाई की जाएगी। वीडीयो कांन्फ्रेसिंग में मुख्य रूप से डीडीसी अभिषेक रंजन, ओएसडी विनय कुमार, सामान्य शाखा प्रभारी राधाकांत, डीएसपी मुख्यालय ज्योति कुमारी, एसडीपीओ संजीव कुमार, हथुआ एसडीपीओ नरेश कुमार सहित सभी थानाध्यक्ष उपस्थित थे।

गोपालगंज में वाहन जांच अभियान चला वसूला गया 120 लाख जुमार्ना

परिवहन विभाग के द्वारा चलाये गये वाहन जांच अभियान से मचा हडकंप

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

डीएम डॉ। नवल किशोर चैधरी के निर्देश पर जिले के विभिन्न जगहों पर परिवहन विभाग की टीम ने शनिवार को वाहन जांच अभियान चलाकर दो दर्जन वाहन चालकों से करीब एक लाख बीस हजार रुपए जुमार्ना वसूला। इस दौरान परिवहन विभाग की टीम की कार्रवाई को देखकर कई वाहन चालक अपना रास्ता बदलते हुए नजर आए। बताया जाता है कि डीएम के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी मनोज कुमार रजक के नेतृत्व में परिवहन विभाग के द्वारा थावे थाने के समीप वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच अभियान के दौरान करीब दर्जनो वाहनों को रोककर उनसे जुमार्ना वसूला गया। इस दौरान परिवहन विभाग की टीम ने बाइक के कागजात, हेमलेट, की जांच पड़ताल की। वाहन जांच के दौरान एमबीआई सुनील कुमार सिंह ने दर्जनों वाहनों से करीब 1।20 रुपए जुमार्ना राशि के रूप में वसूल की। अभियान के दौरान कई चार पहिया वाहनों की भी जांच की गई। जांच के दौरान चार पहिया वाहन चालकों के सीट बेल्ट व प्रदुषण के कागजात को देखा गया। परिवहन विभाग के द्वारा पूरे दिन चले वाहन जांच के दौरान बाइक चालकों में हड़कंप दिखा। वाहन जांच अभियान में मोटरयान निरीक्षक, सभी परीक्ष्यमान प्रवर्तन अवर निरीक्षक मौजूद थे।

मूर्ति तोड़े जाने के मामले में एक गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के भोरे थाना क्षेत्र के महरादेउर में स्थित देउर बाबा की मूर्ति तोड़े जाने के मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया। बता दें कि महरादेउर गांव में स्थित देउर बाबा के स्थान पर स्थित उनकी प्रतिमा को उसी गांव के एक व्यक्ति ने तोड़ दिया था। साथ ही स्थान पर से त्रिशूल उखाड़ लिया गया था। मामले में मंदिर के पुजारी सुदामा बिन के बयान पर उसी गांव के बाबूलाल चैधरी के खिलाफ मूर्ति तोड़ने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। इसी मामले में कांड के अनुसंधान कर्ता प्रभात कुमार ने बाबू लाल चैधरी को उसके गांव से ही गिरफ्तार कर लिया। जिसे आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया।

मशरक कवलपुरा महादेवा ब्रह्म के नजदीक बस्ती में लगी भीषण आग , दो दर्जन से अधिक घर जले

20 लाख से अधिक की संपत्ति जलकर राख, पीड़ित परिवार के संग ग्रामीण उतरे सड़क पर

मशरक प्रात : किरण

मशरक प्रखंड क्षेत्र के कवलपुरा महादेवा ब्रह्म स्थान के पास यादव टोला गांव में शनिवार के दोपहर बाद भीषण आग लग गई आग कैसे लगी इसका पता नहीं चल पाया । हालांकि भीषण आग ने यादव टोला गांव के दो दर्जन घर के अलावे अनाज रखने वाला बेड़ी , झोपड़ी जलाकर राख कर दिया। जिसमे 20 लाख से अधिक संपति खाक हो गई। अनाज।, कपड़ा, जेवर ,बर्तन सबकुछ कोयला हो गया। आग पर काबू पाने में विफल होने पर ग्रामीणों ने प्रशासन।को सूचना दिया। किंतु समय पर अग्निशामक वाहन एवम प्रशासनिक सहायता नही पहुंचने से नाराज पीड़ित परिवारों ने एन एच 227 ए राम-जानकी पथ पर बैठ कर आवागमन ठप्प कर दिया। पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि पप्पू सिंह ने बताया कि यादव टोला गांव में एकाएक आग लग गई। परिवार के बच्चे और महिलाएं घरो में तेज धूप की वजह से सो रहें थें वही पुरूष सदस्य गेहूं की दवनी में लगें हुएं आग तेज पछुहा हवा के तेज बहने से और विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की पर आग के विकाराल रूप को देखते हुए फायर ब्रिगेड को सुचना दी गई पर आग के विकाराल रूप के आगे फायर ब्रिगेड की टीम भी पीछे हट गई मौके पर पहुंचे अपर थानाध्यक्ष अनुसंधान आशुतोष कुमार ने पानापुर, तरैया और मढ़ौरा से फायर ब्रिगेड की टीम बुलाकर ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया तब तक आग ने सभी घर जलाकर राख कर दिया। घटना में लगभग 20 लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। आग ने सभी घरों को जलाकर राख कर दिया। अग्निकांड में सुकई राय, बच्चा राय, चतुरी राय, भरत राय,सीताराम राय, बिजेंद्र राय, अशोक राय, प्रमोद राय, सुरेंद्र राय, हरेंद्र राय, ललन राय, जयकिशुन राय, उमरावती देवी पति विजय राय,मुकेश राय, जीतन राय, राजेश राय, संजय राय, सुकिश राय,अवधेश राय सहित अन्य बेघर हुए है।

गोपालगंज में अपराधियों पर शिकंजा कसेगी नारायणी टीम

महिला क्यूआरटी दल नारायणी को एसपी ने किया रवाना

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज पुलिस ने स्कूल, कॉलेज और कोचिंग जाने वाली लड़कियों के साथ छेड़खानी और महिलाओं के हंगामा प्रदर्शन, सड़क जाम के साथ-साथ अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए महिला क्यूआरटी दल का गठन किया गया है। इस महिला क्यूआरटी को नारायणी दल का नाम दिया गया है। किसी भी विशेष परिस्थिति में महिला अपराध से संबंधित मामलों में महिला आरक्षियों की यह क्यूआरटी टीम तत्काल एक्शन की कार्रवाई करेगी। गोपालगंज में नारायणी टीम के गठन के लिए महिला आरक्षियों का चयन करने के साथ ही विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है। शनिवार को पुलिस केन्द्र गोपालगंज में एसपी स्वर्ण प्रभात, सदर एसडीपीओ संजीव कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी साक्षी राय, डीएसपी मुख्यालय ज्योति कुमारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों की मौजूदगी में महिला क्यूआरटी दल नारायणी को लॉन्च करने के साथ ही रवाना किया गया। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि दो महिला आरक्षियों व आठ महिला सिपाहियों को चयननित कर विशेष प्रशिक्षण देकर तैयार किया गया है। जिले में किसी भी स्थान पर अगर कानून व्यवस्था बिगड़ने का अंदेशा होगा तो तत्काल नारायणी दल की टीम को भेजा जाएगा। एसपी ने बताया कि महिला क्यूआरटी दल से खास तौर पर महिलाओं को लाभ मिलेगा। महिलाओं पर हो रहे अपराध पर नियंत्रण पाने में भी विशेष सहायता मिलेगी। गोपालगंज पुलिस की इस पहल की खूब सराहना हो रही है।

सम्पादकीय

अनुच्छेद 19 की सुप्रीम समीक्षा

जब से भारत का संविधान बना और लागू किया गया है, अभिव्यक्ति की आजादी और अनुच्छेद 19 के तहत स्वतंत्र मीडिया की चर्चा, किसी न किसी संदर्भ में, होती रही है। भारत में मीडिया पूर्णतः स्वतंत्र है, लिहाजा लोकतंत्र जिन्दा है। लेकिन उस पर तर्कसंगत प्रतिबंध लगाए जाते रहे हैं। कारण राष्ट्रीय सुरक्षा या संवेदनशील नीतियों के उल्लंघन का बताया जाता रहा है। सरकार तार्किक पाबंदियों की व्याख्या नहीं करती, लिहाजा अनुच्छेद 19 बौना और अप्रभावी साबित होता रहा है। संविधान ने भी ऐसे मानक तय नहीं किए हैं, जिनके आधार पर प्रतिबंधों की तार्किकता को परखा जा सके। अदालतों ने भी सटीक व्याख्या नहीं की है, नतीजतन पत्रकारों पर प्रहार जारी रहे हैं और मीडिया की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार बेमानी साबित होने लगता है। ऐसे निराशाजनक और अनिश्चित माहौल में सर्वोच्च अदालत ने अनुच्छेद 19 की स्पष्ट व्याख्या की है और मीडिया को सुरक्षित रखने की महत्त्वपूर्ण कोशिश की है। मामला मलयालम न्यूज चैनल का था।

भारत सरकार के सूचना-प्रसारण मंत्रालय ने चैनल के लाइसेंस का नवीकरण खारिज कर दिया था। चैनल पर राष्ट्रीय सुरक्षा के उल्लंघन का गंभीर आरोप चस्पा किया गया था। माध्यमम ब्रॉडकास्टिंग लिमिटेड बनाम भारत सरकार मामले में शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया और अनुच्छेद 19 के तहत मीडिया की स्वतंत्रता की गारंटी प्रतिपादित की। सुप्रीम अदालत ने इस फैसले के जरिए एक न्यूनतम मानदंड भी स्थापित किया, जिसके आधार पर न्यायपालिका अपने निर्णय सुना सकती है। यह फैसला मीडिया की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को लेकर एक उदाहरण बन गया। चैनल मीडिया वन के अस्तित्व का सवाल था और आरोप राष्ट्रीय सुरक्षा के लगाए गए थे, लिहाजा चैनल ने पहले तो केरल उच्च न्यायालय में इस पाबंदी को चुनौती दी। राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन कैसे किया गया, भारत सरकार ने सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं किया था, क्योंकि सूचना-प्रसारण मंत्रालय का जवाब सीलबंद लिफाफे में बंद था। ऐसी स्थिति में गोपनीयता का तर्क भी दिया जाता है और अपीलकत्र्ता खुलकर अपना बचाव नहीं कर सकता, नतीजतन उच्च न्यायालय ने भी स्वीकार किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में न्यायिक समीक्षा की संभावनाएं और गुंजाइश भी सीमित हैं। उसके बाद मामला सर्वोच्च अदालत में आया था। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में न्यायिक पीठ ने प्रक्रिया और ठोस आधार पर मीडिया वन के पक्ष में फैसला सुनाया। सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष यह रहा कि न्यायिक पीठ ने तर्कसंगत प्रतिबंध के मानक भी तय कर दिए और आदेश दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में भी सीलबंद लिफाफे का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। यह समतल क्षेत्र के खेल की भावनाओं के खिलाफ है। सरकार को अब समानता के चार-पदीय मानकों का बचाव करना ही होगा। जानबूझ कर और मनमाफिक तरीके से अधिकारों को उलटा-पलटा नहीं जा सकता। ह्यमीडिया वन के खिलाफ भारत सरकार का निर्णय समानता के मानकों का उल्लंघन करता है। गुप्तचर ब्यूरो की दलील थी कि मीडिया वन सत्ता-विरोधी है, क्योंकि उसने सेना और न्यायपालिका की आलोचना की है। सर्वोच्च अदालत ने सीलबंद लिफाफे को खोला और सरकार के निर्णय का आधार सार्वजनिक हो गया। न्यायिक पीठ ने इन आधारों और दलीलों को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत का मानना था कि भारत सरकार ने ह्यतार्किक प्रतिबंध का नियम ह्यघुड़सवार तरीकेह्न से लिया और एक टीवी चैनल पर प्रतिबंध लगा दिया। यह अनुच्छेद 19 की सरासर गलत और मनमानी व्याख्या है। राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में भी ऐसे प्रतिबंध मीडिया पर नहीं लगाए जा सकते। अदालत ने यह भी माना कि देश में ऐसी कई सरकारें हैं, जो पत्रकारिता पर ढक्कन लगाने के मद्देनजर तार्किक प्रतिबंध का इस्तेमाल कर रही हैं।

पुलिस की कार्यप्रणाली और स्वायत्तता

योगेंद्र योगी

पुलिस की कार्यशैली अभी तक अंग्रेजी राज जैसी चली आ रही है। सरकार के इशारे के बगैर पुलिस पत्ता तक नहीं हिला सकती। पुलिस न केवल अनुसंधान के मामलों में लचर है बल्कि कानून-व्यवस्था में भी राज्य सरकारों का मुंह ताकती रहती है। आतंकी और अन्य बड़े अपराधों के बरी हुए आरोपियों के साथ ही कई राज्यों में रामनवमी पर बिगड़ी कानून-व्यवस्था को संभालने में नाकाम रही पुलिस आरोपों के कटघरे में है। पश्चिमी बंगाल, बिहार और झारखंड में रामनवमी पर हुए सांप्रदायिक उपद्रवों ने पुलिस और राज्य सरकारों की कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी। पुलिस और राज्य की इंटेलीजेंस एजेंसियां न सिर्फ दंगों का पहले से पता लगाने में नाकाम रही बल्कि दंगों को फैलने से रोकने में भी विफल रही। पश्चिमी बंगाल, झारखंड और बिहार में दंगा एक शहर से दूसरे शहरों तक फैलता चला गया। कानून-व्यवस्था संभालने के मामले में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने तत्काल पहल की। इसी पर्व पर उपद्रवियों ने लखनऊ में फसाद करने का प्रयास किया, किन्तु पुलिस ने उसे सख्ती से नाकाम कर दिया। कानून-व्यवस्था के मामलों में सरकारों के हाथों की कठपुतली बनी पुलिस गंभीर मामलों में अनुसंधान को अंजाम तक पहुंचाने में नाकाम रही है। राजधानी जयपुर में मई 2008 में हुए सीरियल ब्लास्ट मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने 29 मार्च को चारों आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने जांच एजेंसी की ओर से पेश किए गए सबूतों को गलत पाया। वर्ष 2019 में चारों आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। पुलिस की भारी किरकिरी होने के बाद राज्य सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने की कवायद में जुटी है। पुलिस की नाकामी का दूसरा बड़ा मामला उत्तर प्रदेश के भदोही में सामने आया। भदोही जिले की एक अदालत ने 4 लोगों के एनकाउंटर के 25 साल पुराने मामले में 34 पुलिसकर्मियों समेत 36 लोगों को बरी कर दिया है। पुलिस के हाथ कैसे बंधे होते हैं, इसका एक और उदाहरण खालिस्तान समर्थक और वारिस-ए-पंजाब के प्रमुख अमृतपाल का मामला है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश की सरकार अमृतपाल की गिरफ्तारी से बचती रही।

पुलिस ही नहीं कई मामलों में सीबीआई और एनआईए जैसी केंद्रीय जांच एजेंसी भी संवेदनशील अपराधों के मामलों की तफ्तीश को लचर तरीके से करके अपनी किरकिरी करा चुकी है। 11 साल पहले हैदराबाद की प्रसिद्ध मक्का मस्जिद में हुए शक्तिशाली पाइप बम धमाके मामले में स्वामी असीमानंद सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। इस प्रसिद्ध इबादतगाह में हुए ब्लास्ट में 9 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में सीबीआई के 54 गवाह अपने बयान से मुकर गए। इस पर सीबीआई की खूब फजीहत हुई थी। गुजरात की एक अदालत ने 2002 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान कलोल में अलग-अलग घटनाओं में अल्पसंख्यक समुदाय के 12 से अधिक सदस्यों की हत्या और सामूहिक बलात्कार के आरोपी सभी 39 लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। इसी तरह सूरत की एक अदालत ने प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का सदस्य होने का आरोप झेल रहे 122 लोगों को दिसंबर 2001 में सूरत में हुई एक बैठक में शामिल होने के आरोप से बरी कर दिया।

ये चंद ऐसे बड़े उदाहरण हैं जिनसे देश की पुलिस प्रणाली की खराब होती हालत उजागर होती है। इसके अलावा ऐसे छोटे मामलों की संख्या हजारों में है जिनमें पुलिस के ईमानदारी से अनुसंधान नहीं करने पर आरोपी रिहा होते रहे हैं। अपराधों का अनुसंधान लचरता से करने पर पुलिस का समय और सरकारी धन हर साल बर्बाद होता है। इसकी चिंता सरकारों को नहीं है। पुलिस की रुचि भी ऐसे आपराधिक मामलों में अपराधियों को सजा के अंजाम तक पहुंचाने में ज्यादा नहीं होती, जिनमें कुछ कमाई नहीं होती। यही वजह है कि पुलिस ऐसे अनुसंधानों को गंभीरता से लेने से कन्नी काटती है। पुलिस की बिगड़ती छवि के लिए पुलिस के आला अफसरों समेत राज्य सरकार बराबर की जिम्मेदार है। पुलिस की विफलता पर पर्दा डालने और मनमर्जी से पुलिस से काम कराने में आड़े आने पर सीबीआई की जांच राज्य सरकारों को खटकती रही है। यही वजह है कि विपक्षी दलों की राज्य सरकारें सीबीआई से जांच कराने का विरोध करती रही हैं। इतना ही नहीं पश्चिमी बंगाल और राजस्थान सहित 9 राज्यों की विपक्षी दलों की सरकार सीबीआई से जांच नहीं कराने का प्रस्ताव तक पारित कर चुकी हैं। सवाल यह भी है कि अदालत से बरी हुए जिन आरोपियों ने सालों जेल में काटे हैं, इससे उनके भविष्य और परिवार का जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई कौन करेगा। सरकार उनका भविष्य तबाह करने के लिए किसी तरह का मुआवजा नहीं देती है। आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत जुटाने में नाकाम रहे पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मंशा भी सरकारों की नजर नहीं आती। पर्याप्त सबूतों के अभाव में बरी हुए आरोपियों के मामलों से सरकारों ने कोई सबक नहीं सीखा।

राष्ट्रीय ध्वज का अपमान बर्दाश्त नहीं

संविधान के मौलिक कत्र्तव्यों में राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना भारत के हर नागरिक का मूल कत्र्तव्य माना गया है। अंग्रेजों से आजादी के लिए देश के सैंकड़ों इंकलाबी युवा तख्ता-ए-दार पर झूल गए। लंबी जद्दोजहद के बाद बर्तानियां के झंडे यूनियन जैक का सूर्यास्त हुआ तथा आजादी के प्रतीक तिरंगे का उदय हुआ। कत्र्तव्य पथ पर जश्न-ए-जम्हुरियत की शुरूआत हो या लाल किले की प्राचीर से जश्न-ए-आजादी का आगाज दोनों कार्यक्रमों का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वजारोहण से ही होता है। वर्तमान में कुछ देशों में भारत विरोधी मनोग्रंथी में डूब चुके तत्वों द्वारा भारत के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करके हिंदोस्तान की संप्रभुता को चुनौती देने की हिमाकत हो रही है। स्मरण रहे देश के सैनिक मातृभूमि की रक्षा के लिए बलिदान देने का हलफ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के समक्ष ही लेते हैं। अत : राष्ट्रीय ध्वज के अपमान से करोड़ों देशवासियों के साथ खिलाडिं व सैनिकों की भावनाएं सबसे ज्यादा आहत होती हैं। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को वैश्विक स्तर पर गौरव प्रदान करने में सबसे बड़ा योगदान हमारे खिलाडिं व सैनिकों का होता है।

प्रताप सिंह पटियाल
स्वतंत्र लेखक

भारत का स्वाभिमान राष्ट्रीय ध्वज शान ए तिरंगा अंतर्राष्ट्रीय पटल पर हिंदोस्तान की राष्ट्रीय पहचान को जाहिर करता है। संविधान के मौलिक कत्र्तव्यों में राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना भारत के हर नागरिक का मूल कत्र्तव्य माना गया है। अंग्रेजों से आजादी के लिए देश के सैंकड़ों इंकलाबी युवा तख्ता-ए-दार पर झूल गए। लंबी जद्दोजहद के बाद बर्तानियां के झंडे यूनियन जैक का सूर्यास्त हुआ तथा आजादी के प्रतीक तिरंगे का उदय हुआ। कत्र्तव्य पथ पर जश्न-ए-जम्हुरियत की शुरूआत हो या लाल किले की प्राचीर से जश्न-ए-आजादी का आगाज दोनों कार्यक्रमों का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वजारोहण से ही होता है। वर्तमान में कुछ देशों में भारत विरोधी मनोग्रंथी में डूब चुके तत्वों द्वारा भारत के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करके हिंदोस्तान की संप्रभुता को चुनौती देने की हिमाकत हो रही है। स्मरण रहे देश के सैनिक मातृभूमि की रक्षा के लिए बलिदान देने का हलफ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के समक्ष ही लेते हैं। अतः राष्ट्रीय ध्वज के अपमान से करोडों देशवासियों के साथ खिलाडिं व सैनिकों की भावनाएं सबसे ज्यादा आहत होती हैं। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को वैश्विक स्तर पर गौरव प्रदान करने में सबसे बड़ा योगदान हमारे खिलाडिं व सैनिकों का होता है। इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय खेल मैदानों से लेकर देश की सरहदों तक तिरंगा पूरी शान व शिद्दत से लहराता है। आजादी के बाद किशन लाल की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने लंदन ओलंपिक में 12 अगस्त 1948 को इंग्लैंड की टीम को हराकर गोल्ड मेडल जीतकर भारत को गौरवान्वित किया था।

मल्लिका ए बर्तानियां एलिजाबेथ उस मैच को देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थी। जब हॉकी टीम ने आजाद भारत का पहला स्वर्ण पदक जीतकर हिंदोस्तान पर दो सौ वर्षों तक हुक्मरानी करने वाले ब्रिटेन की धरती पर तिरंगा फहराकर अंग्रेजों को आईना दिखाया था। कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने 25 जून 1983 को लार्डस के मैदान में कैरिबियाई टीम को शिकस्त देकर विश्व कप जीतकर उसी ब्रिटेन की धरती पर तिरंगा फहराया था। भारत को क्रिकेट का विश्व विजेता बनाने वाले कपिल देव को भारतीय सेना ने पंजाब रेजिमेंट में मानद कर्नल की उपाधि दी है। 2007 में टी ट्वेंटी तथा 2011 में वन डे क्रिकेट विश्व कप जीतकर तिरंगा फहराने वाले कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को सेना ने पैरा कमांडों में मानद कर्नल का ओहदा प्रदान किया है। तात्पर्य यह है कि भारत को विश्व विजेता बनाकर तिरंगा फहराने वाले खिलाडिं को भारतीय सेना अपने विशेष अंदाज से सम्मानित करती है। 2008 के बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतकर चीन की धरती पर तिरंगा फहराने वाले अभिनव बिंद्रा सिख रेजिमेंट के मानद कर्नल है। 2021 टोक्यो ओलंपिक में जेवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगे को वैश्विक खेल पटल पर गौरव प्रदान करने वाले नीरज चोपड़ा राजपूताना राइफल में सूबेदार के पद पर तैनात हैं। विंग कमांडर राकेश शर्मा ने सन 1984 में अंतरिक्ष में तिरंगा फहरा कर भारत का मान बढ़ाया था।

27 अक्तूबर 1947 को भारतीय सेना ने श्रीनगर में तिरंगा लहराकर पाक हुक्मरानों को एहसास करया था कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन चुका है। पाक सेना की मंसूबाबंदी को नेस्तानाबूद करके भारतीय सेना ने आठ सितंबर 1965 को लाहौर में तिरंगा फहरा दिया था। हमारे राष्ट्रीय गान में जिस सिंध का जिक्र होता है, कर्नल भवानी सिंह 10 पैरा कमांडो ने 7 दिसंबर 1971 को उसी सिंध की धरती पर तिरंगा फहराकर पाकिस्तान को भारत की सैन्य हैसियत से रूबरू करवा दिया था। हिमाचल के शूरवीर मेजर गुरदेव सिंह जसवाल वीर चक्र ने 10 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान के अंदर घुसकर पाक सेना की किलेबंदी को ध्वस्त करके शकरगढ़ में तिरंगा फहरा कर अपना बलिदान दिया था। कारगिल जंग के नायक कै. बिक्रम बत्रा ने युद्ध के दौरान कहा था कि जीत के बाद तिरंगा फहराकर आऊंगा या फिर उसी तिरंगे में लिपटकर आऊंगा लेकिन आऊंगा जरूर। मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले बिक्रम बत्रा की यह जुनूनी तहरीर सात जुलाई 1999 को सच साबित हुई थी। काबिलेगौर रहे कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को डिजाइन करने वाले पिंगली वैंकेया भी ब्रिटिश भारतीय सेना में सैनिक थे। आजादी से पूर्व सैनिकों को ब्रिटिश साम्राज्य के झंडे यूनियन जैक को सलामी देनी पड़ती थी। उस वक्त पिंगली वैंकेया के जहन में भारत की आजादी के सूचक अपने राष्ट्रीय ध्वज की अहमियत का एहसास हुआ था। एंग्लो बोअर युद्ध (1899-1902) के दौरान पिंगली वैंकेया दक्षिणी अफ्रीका में तैनात थे। उस समय पींगली वैंकेया की मुलाकात दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी से हुई थी।

पिंगली वैंकेया के राष्ट्रीय ध्वज के प्रति मोहिब्बे वतन के जज्बातों से गांधी जी काफी प्रभावित हुए थे। आजादी के बाद भारतीय संविधान सभा ने 22 जुलाई 1947 को तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार किया था। सन 2009 में भारत सरकार ने पींगली वैंकेया पर डाक टिकट जारी किया था। तिरंगे की शान के लिए सैनिकों की कुर्बानियों का सम्मान पूरी अकीदत से करना होगा, मगर विडंबना है कि ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में भारतीय दूतावासों पर लगे तिरंगे का अपमान हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार हर देश को अपने सहयोगी देशों के संबंधित प्रतीक चिन्हों की सुरक्षा की जिम्मेवारी निभानी होती है। भारत के प्रति हिकारत भरी इस कारकर्दगी पर इन देशों की हुकूमत के लब-ए-इजहार पर खामोशी की रजामंदी का आलम कई सवाल खड़े करता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मुद्दे पर इन मुल्कों को अपना नुक्ता-ए-नज साफ करना होगा। राष्ट्र की अस्मिता के लिए फिदा-ए-वतन होने वाले सैनिकों का अरमान यही होता है कि राष्ट्रीय ध्वज का इकबाल हमेशा बुलंद रहे। अतः हिंदोस्तान के गौरव शान-ए-तिरंगा के अपमान का दुस्साहस बर्दाश्त नहीं होगा। इन घटनाक्रमों पर भारत सरकार विदेशी राजनयिकों को तलब करके अपने एहतेजाज का इजहार करती है। मगर विदेश मंत्रालय को राष्ट्रीय ध्वज के अपमान में मुश्तमिल दोषियों पर सख्त कार्रवाई को अमल में लाना होगा जो भविष्य में नजीर बने।

रेपो दर में वृद्धि को रोकना, भारतीय रिजर्व बैंक का साहसिक निर्णय

अभी हाल ही में अमेरिका ने यूएस फेड दर में 25 आधार अंकों की एवं ब्रिटेन ने केंद्रीय ब्याज दर में 50 आधार अंको की वृद्धि की है। यही स्थिति लगभग सभी विकसित देशों की है। इन देशों में हालांकि ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करने से मुद्रा स्फीति पूर्णत : नियंत्रण में आती दिखाई नहीं दे रही है, हां कुछ देशों में मुद्रा स्फीति में कुछ कमी जरूर आई है। सामान्यत : विश्व के कई देश, विशेष रूप से विकसित देश, यदि ब्याज दरों में वृद्धि करते हैं तो अन्य देशों को अपनी मुद्रा के बाजार मूल्य को बचाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करना एक मजबूरी बन जाता है। परंतु, दिनांक 06 अप्रेल 2023 को सम्पन्न हुई भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर में वृद्धि नहीं करने का निर्णय लिया गया है, वैश्विक स्तर पर चल रही आर्थिक परिस्थितियों के बीच यह एक साहसिक निर्णय कहा जा सकता है। बल्कि आगे आने वाले समय में अब अन्य देश भी (विकसित देशों सहित) भारतीय रिजर्व बैंक के इस निर्णय का अनुसरण कर सकते हैं, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। एक तरह से भारत ने इस संदर्भ में अन्य देशों को राह ही दिखाई है।

प्रहलाद सबनानी
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

पिछले एक वर्ष से भी अधिक समय से पूरे विश्व में लगभग सभी देश लगातार बढ़ती मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करते जा रहे हैं। अभी हाल ही में अमेरिका ने यूएस फेड दर में 25 आधार अंकों की एवं ब्रिटेन ने केंद्रीय ब्याज दर में 50 आधार अंको की वृद्धि की है। यही स्थिति लगभग सभी विकसित देशों की है। इन देशों में हालांकि ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करने से मुद्रा स्फीति पूर्णतः नियंत्रण में आती दिखाई नहीं दे रही है, हां कुछ देशों में मुद्रा स्फीति में कुछ कमी जरूर आई है। सामान्यतः विश्व के कई देश, विशेष रूप से विकसित देश, यदि ब्याज दरों में वृद्धि करते हैं तो अन्य देशों को अपनी मुद्रा के बाजार मूल्य को बचाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करना एक मजबूरी बन जाता है। परंतु, दिनांक 06 अप्रेल 2023 को सम्पन्न हुई भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर में वृद्धि नहीं करने का निर्णय लिया गया है, वैश्विक स्तर पर चल रही आर्थिक परिस्थितियों के बीच यह एक साहसिक निर्णय कहा जा सकता है। बल्कि आगे आने वाले समय में अब अन्य देश भी (विकसित देशों सहित) भारतीय रिजर्व बैंक के इस निर्णय का अनुसरण कर सकते हैं, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। एक तरह से भारत ने इस संदर्भ में अन्य देशों को राह ही दिखाई है।

दरअसल, मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए विकसित देशों द्वारा ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते जाना, अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को विपरीत रूप से प्रभावित करता नजर आ रहा है, जबकि इससे मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण होता दिखाई नहीं दे रहा है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं में अब पुराने सिद्धांत बोथरे साबित हो रहे हैं। और फिर, केवल मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते जाना ताकि बाजार में वस्तुओं की मांग कम हो, एक नकारात्मक निर्णय है। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। उत्पादों की मांग कम होने से, कम्पनियों का उत्पादन कम होता है, देश में मंदी फैलने की सम्भावना बढ़ने लगती है, इससे बेरोजगारी बढ़ने का खतरा पैदा होने लगता है, सामान्य नागरिकों की ईएमआई में वृद्धि होने लगती है, आदि। अमेरिका में कई कम्पनियों ने इस माहौल में अपनी लाभप्रदता बनाए रखने के लिए 2 लाख से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। किसी नागरिक को बेरोजगार कर देना एक अमानवीय कृत्य ही कहा जाएगा। और फिर, अमेरिका में ही इसी माहौल के बीच दो बड़े बैंक फैल हो गए हैं। यदि इस प्रकार की परिस्थितियां अन्य देशों में भी फैलती हैं तो पूरे विश्व में ही मंदी की स्थिति छा सकती है। मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए मांग में कमी लाकर उत्पादन कम करने जैसे निर्णयों के स्थान पर आपूर्ति को बढ़ाए जाने जैसे सकारात्मक प्रयास किए जाने चाहिए। इससे उत्पादन बढ़ेगा, विकास की गति तेज होगी एवं रोजगार के और अधिक नए अवसर निर्मित होंगे।

अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों में निर्मित हो रही मंदी की आशंकाओं के बीच भारत में स्थिति बहुत नियंत्रण में दिखाई दे रही है। केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से सही समय पर सही निर्णय लिए हैं। हालांकि भारत में भी रेपो दर में मई 2022 के बाद से 250 आधार अंको की वृद्धि की गई है। परंतु, भारत में उत्पादों, विशेष रूप से खाद्य पदार्थों, की आपूर्ति को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। भारत में मुद्रा स्फीति को आंकने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की टोकरी में खाद्य पदार्थों की उपस्थिति 40 प्रतिशत से अधिक है। खाद्य पदार्थों की मांग को ब्याज दरें बढ़ाकर नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। हां, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति बढ़ाकर इनकी कीमतों पर नियंत्रण जरूर रखा जा सकता है। इसी प्रकार की नीतियों का पालन भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक ने किया है। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को यह निर्देश दिए गए हैं कि भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर 4 प्रतिशत रहनी चाहिए। हां, विशेष परिस्थितियों में यह, इस दर से 2 प्रतिशत अधिक अथवा कम हो सकती है। इस प्रकार, भारत में मंहगाई की दर 2 से 6 प्रतिशत के बीच रह सकती है। कोरोना महामारी में बाद एवं रूस यूक्रेन युद्ध के चलते भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर 7 प्रतिशत से अधिक हो गई थी। अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में पिछले एक वर्ष के दौरान 250 आधार अंको की वृद्धि करते हुए इसे 6.50 प्रतिशत पर पहुंचा दिया है, इसी प्रकार अन्य कई निर्णय भी केंद्र सरकार द्वारा लिए गए हैं। इन निर्णयों के कारण भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर अब घटती भी जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर घटकर 5.2 प्रतिशत हो जाएगी। जबकि थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर फरवरी 2023 माह में घटकर 3.85 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है। दूसरे, भारत में ब्याज दरों को बढ़ने से रोकना इसलिए भी जरूरी है कि पिछले कुछ समय से आर्थिक गतिविधियों में आ रही तेजी के चलते बैंकों से ऋण सुविधाओं का उपयोग बहुत बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में बैकों के ऋण 15.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 17.8 लाख करोड़ रुपए से बढ़ें है जबकि वित्तीय 2021-22 में बैकों के ऋणों में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। ब्याज दरों में वृद्धि होने से ऋण की लागत भी बढ़ती है जो अंततः उत्पादन की लागत को भी विपरीत रूप से प्रभावित करती है। अतः आर्थिक गतिविधियों में और अधिक तेजी लाने के लिए ब्याज की लागत को कम बनाए रखना आवश्यक है। तीसरे, भारतीय रुपया अंतरराष्ट्रीय बाजार में अब मजबूत हो रहा है। चूंकि विकसित देशों द्वारा, विशेष रूप से अमेरिका द्वारा ब्याज दरों में की जा रही वृद्धि के चलते कुछ समय पूर्व तक भारतीय रुपए पर, अमेरिकी डॉलर की तुलना में, दबाव दिखाई दे रहा था। अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए का मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में 83 रुपए प्रति डॉलर को भी पार कर गया था परंतु दिनांक 6 अप्रेल 2023 को यह सुधरकर 81.90 रुपए प्रति डॉलर हो गया है।

अब बच्चे वही पढ़ेगे, जो राजनेता चाहेंगे....?

ओम प्रकाश मेहता

अभी तक देश के विद्यालयों व महाविद्यालयों में वही पढ़ाया जाता रहा, जो शिक्षा पाठ्यक्रमों का अंग रहा, किंतु अब देश की नई पीढ़ी का भविष्य तय करने वाली शिक्षा को भी राजनीति का अंग बनाया जा रहा है और अब देश की भावी पीढ़ी वहीं पढ़-जान पाएगी, जो आज के राजनेता चाहेंगे, नई पीढ़ी को आजादी के बाद से अब तक के उन घटनाक्रमों के आवश्यक घटनाक्रमों से वंचित रखने की तैयारी कर ली गई है, जो देश के काले राजनीतिक इतिहास को समेटे हुए हैं और जिन से वह राजनीति जुड़ी है, जो आज देश की कर्णधार बनी हुई है, जी...,अब नई पीढ़ी ना तो गांधी हत्याकांड के संदर्भ को जान पाएगी और ना ही गुजरात के 20 साल पुराने दंगों की दुखद दास्तान। अब तो बच्चे वही जान पाएंगे जो आज की राजनीति और उनके कर्णधारों को पसंद होगा, फिर वह चाहे देश के हित में हो या ना हो? इसी तरह उत्तर प्रदेश की मौजूदा सरकार ने प्रदेश के बच्चों को मुगलों के इतिहास की जानकारी से वंचित रखने का फैसला लिया है।

यह बदलाव खासकर 11वीं तथा 12वीं कक्षा के मौजूदा राजनीति शास्त्र विषय की पुस्तकों में करने का निश्चय किया गया है। यही नहीं उत्तर प्रदेश में तो दसवीं के पाठ्यक्रम में भी कई बदलाव किए गए हैं। वहां गांधीजी की हिंदू-मुस्लिम एकता को भी पाठ्यक्रम से बाहर कर दिया गया है। मुझे याद है जब हम पढ़ते थे तो आठवीं से लेकर 12वीं कक्षा तक के इतिहास व राजनीति शास्त्र के पाठ्यक्रम में पिछले 500 से भी अधिक के शासकों का इतिहास शामिल था। प्लासी, पानीपत, 1857 का स्वतंत्रता संग्राम तथा महाराणा प्रताप शिवाजी तो ठीक, राजा विक्रमादित्य पाठ्यक्रम के अंग थे, किंतु अब आज की सत्ता से जुड़े विगत प्रसंगों को बच्चों के पाठ्यक्रमों से हटाने का फैसला लिया गया है, अब बच्चे ना तो गांधीजी के हत्यारे नाथूराम गोडसे के संघ के संबंधों की जानकारी हासिल कर पाएंगे और ना अयोध्या की विवादित बाबरी मस्जिद और पुरातन राम मंदिर के बारे में कुछ जान पाएंगे। अर्थात मौजूदा सरकार भारतीय राजनीतिक इतिहास के उन प्रसंगों को पाठ्यक्रम से हटाने जा रही है, जो देश की नई युवा पीढ़ी की जानकारी के लिए जरूरी थे? इन पाठ्यक्रमों को तय करने वाली राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने हाल ही में अब तक 12वीं की कक्षा के राजनीतिक इतिहास में पाढ़ाया जाने वाला गांधी जी की हत्या के घटनाक्रम से जुड़ा अंश हटा दिया और अब देश की नई पीढ़ी गांधी हत्या के घटनाक्रमों को ना ही जान पाएगी साथ ही पाठ्यक्रम निर्धारण करने वाली इस इकाई ने गुजरात दंगों, मुगल दरबार, आपातकाल, शीतयुद्ध, नक्सल आंदोलन आदि के भी कुछ अंशों को पाठ्यक्रमों से हटाया है और इसके लिए सफाई दी जा रही है कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर यह महसूस किया गया कि छात्रों पर पाठ्यक्रमों का बोझ अधिक है, उसे कम किया जाना था, इसलिए यह सब पाठ्यक्रमों से हटाया गया। मौजूदा सत्तारूढ़ राजनेताओं द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश कराई गई इस राजनीति से देश के राजनीतिक क्षेत्र में खलबली सी मच गई है तथा विपक्षी दलों ने इस प्रयास को तीखी आलोचना करते हुए इसे क्रूर राजनीतिक फैसला बताते हुए देश की नई पीढ़ी को आवश्यक जानकारी से वंचित रखने की कोशिश बताया है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में बैंक कर्मी की मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के सदर थाना क्षेत्र के रामदयालु के समीप सड़क दुर्घटना में एक बैंक कर्मी की मौत हो गई। बाइक से जाने के क्रम में एक अज्ञात वाहन ने बैंक कर्मी को टक्कर मार दिया। इसमें वे बुरी तरह घायल हो गये। तत्काल उनको इलाज के लिए एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. मृतक युवक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के दिघरा रामपुर शाह के श्रीकांत कुमार के रूप में हुई है। वह. मिठनपुरा इलाके के कन्हौली स्थित इंडियन बैंक में कार्यरत था। : पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा दिया है।

बेला इंडस्ट्रियल एरिया की स्क्रैप फैक्ट्री से एक करोड़ की शराब बरामद

मुजफ्फरपुर। जिले के बेला थाना क्षेत्र के बेला औद्योगिक क्षेत्र फेज 1 में एक स्क्रैप फैक्ट्री को शराब कारोबारियों ने अपना गोदाम बना रखा था। इसकी सूचना किसी तरह बेला के महिला थानेदार इंस्पेक्टर नीरू कुमारी को मिल गई। सूचना मिलने के बाद आनन-फानन में महिला थानेदार ने पुलिस की कई टीमें बनाकर उक्त गोदाम को चारों तरफ से घेर लिया और जब गेट खुला तो सभी हक्का-बक्का रह गए। वहां करीब आधा दर्जन गाड़ी पर शराब था और फैक्ट्री के अंदर भी शराब रखी हुई थी। एक ट्रक से शराब के कुछ पेटियां उतारी गई थी। उसमें कई बोरे स्क्रैप के भी रखे थे। पुलिस ने फिलहाल अवैध शराब की बड़ी खेत के साथ-साथ सभी वाहनों को भी जप्त कर लिया और उक्त कंपनी को भी सील कर दिया है। साथ ही साथ अब पुलिस की टीम शराब कारोबारी की पहचान करने में जुट गई है।

बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश राय के पिता का निधन

बेगूसराय। बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश राय के पिता रामदेव राय का निधन सुह्दनगर स्थित अपने आवास पर हो गया। वह 86 वर्ष के थे। उन्होंने अपने पीछे एक भरा पूरा परिवार को छोड़कर स्वर्ग सिधार गए। उनके निधन पर जिले व प्रदेश के सामाजिक, राजनीतिक व बुद्धिजीवी वर्गों में शोक की लहर दौड़ गई। जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष उमानंद चौधरी ने उनके निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वो एक कुशल समाजसेवी थे। उन्होंने कहा कि अपने गांव में उनकी काफी लोकप्रियता थी। उनके निधन से सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। सेवानिवृत्त शिक्षक उमानंद चौधरी ने डॉ. सुरेश राय को सांत्वना दी। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। शोक व्यक्त करने वालों में जिले के वरिष्ठ पत्रकार नंदकिशोर सिंह, डॉ. धीरज कुमार सोनू, डा. धीरज शांडिल्या, डॉक्टर नलिनी रंजन सिंह, डॉ राहुल कुमार, डॉ रंजन चौधरी, गढ़पुरा नमक सत्याग्रह के राष्ट्रीय महासचिव राजीव कुमार, लोहियानगर आर्यभट्ट कोचिंग के निदेशक प्रो. अशोक कुमार सिंह अमर, सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार अमर, बछवाड़ा विधायक सुरेंद्र मेहता, बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार, सेवानिवृत्त शिक्षक भागीरथ प्रसाद राय आदि ने गहरी शोक व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी।

बेगूसराय में बूढी गंडक नदी में डूबकर किशोर की मौत

बेगूसराय। चेरियाबरियारपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर पंचायत के आकोपुर गांव के एक किशोर की मौत आकोपुर बूढ़ी गंडक नदी में स्नान करने के दौरान हो गई।मृतक की पहचान आकोपुर गांव निवासी रंजीत ठाकुर के 14 वर्षीय पुत्र राज तिलक ठाकुर के रूप में की गई। घटना के बारे में बताया जाता है कि वह अपने गांव के पांच बच्चों के साथ बूढ़ी गंडक नदी में स्नान करने के लिए गया था। उस बालक का पैर पानी में फिसल जाने के कारण बूढ़ी गंडक नदी के गहरे पानी में चला गया और उसकी डूबकर मौत हो गई। स्थानीय गोताखोरों ने उसके शव को घटना होने के बाद बूढी गंडक नदी में खोज कर तुरंत बाहर निकाला। घटना के बाद बूढ़ी गंडक नदी पर हजारों ग्रामीण शव मिलने के बाद देखने के लिए जमा हो गए। चेरियाबरियारपुर थाने की पुलिस ने सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक किशोर बालक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं घटना के बाद मृतको के परिजनों में कोहराम मचा है।

डीएम ने छात्रों को सफलता के दिए कई टिप्स

उच्च शिक्षा को लेकर बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ उठाने की बात कही

प्रात : किरण संवाददाता

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा मैट्रिक परीक्षा 2023 एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2023 के परीक्षा के प्राप्त परीक्षा परिणामों में सभी संकायों के अंतर्गत जिले में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों से अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में मिले और उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।बताते चलें कि स्कूली बच्चों के साथ उनके अभिभावक भी साथ आए थे। बच्चों और उनके साथ आए अभिभावकों से मुखातिब होते हुए जिलाधिकारी ने बारी बारी से सभी रैंकर बच्चों से उनके पढ़ाई के विषयों, आगामी योजनाओं और अध्ययन के दौरान पेश आई चुनौतियों के बारे में बात की। सभी बच्चों से उनके कैरियर संबंधी लक्ष्य के बारे में बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि हमेशा वो रास्ता ही चुने जो आपको पसंद आता हो। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि पहले बच्चे बड़ी आयु तक अपने कैरियर के लक्ष्य के प्रति अस्पष्ट नजरिया रखते थे। परंतु अब वक्त बदल चुका है। अब आपलोगों का विजन क्लियर है और अभिभावक भी आपकी बात समझते हैं। उन्होंने कहा कि तैयारियों में अब ऑनलाइन की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जिनका लाभ उठाया जा सकता है। कई अभिभावक अपने बच्चों को बड़े शहरों में कोचिंग के लिए भेजते हैं। कुछ बच्चे कई कारणों से नहीं जा पाते। परंतु, वास्तविकता यह है कि स्वाध्याय ही सफलता का मूल मंत्र है। जहां भी रहें, स्वाध्याय करें और मोबाइल से दूरी बना कर रखें। मोबाइल में रील्स बनाने की चाहत ने कई प्रतिभावान विद्यार्थियों का कैरियर बर्बाद किया है। ऐसे में इससे दूरी बनाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया कंपीटीशन की दुनिया है। ऐसे में दृढ़ संकल्पित होकर अपने लक्ष्य पर निगाह बनाए रखने की जरूरत है। खुद को तनाव से दूर रखें और किताबों के चयन पर ध्यान दें। कई बच्चों की इस बात पर कि वे सिविल सेवा के जरिए सेवा करना चाहते हैं पर प्रतिक्रिया देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सिविल सेवा अत्यंत जिम्मेवारी भरी सेवा है। भले ही यह आसान दिखता हो पर कई मतवपूर्ण दायित्वों को निभाना पड़ता है। हालांकि, दिन के अंत में आपको संतोष अवश्य होता है कि आपने आज कई महत्वपूर्ण काम निपटाए हैं, जिनसे लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कैरियर की सफलता में कम्युनिकेशन स्किल को एक बड़ा माध्यम माना और अपनी बात को सफलतापूर्वक दूसरों को समझाने की कला विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने नियमित रूप से अखबार का अध्यन करने और खबरों से रु ब रू रहने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि जैसे जैसे जानकारी बढ़ेगी, वैसे वैसे राय भी मुकम्मल होती जाएगी। इससे साक्षात्कार में सकारात्मक परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने एनसीईआरटी की किताबों को पढ़ने की सलाह भी दी। उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों में लगन है और वे सब जिले के लिए और देश के लिए कुछ करना चाहते हैं। ऐसे में, अभिभावकों की जिम्मेवारी है कि बच्चों का साथ निभाएं। डीएम ने कहा कि उच्च शिक्षा को लेकर छात्र बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का अवश्य लाभ उठाएं।उन्होंने अभिभावकों को डीआरसीसी, मिठौली से स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की जानकारी हासिल करने की बात भी कही।उक्त अवसर पर डीपीओ, सर्वशिक्षा, कुंदन कुमार, एडीपीसी ,सर्वशिक्षा, सतीश कुमार सहित मैट्रिक परीक्षा 2023 में सफल होने वाले छात्र-छात्राओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एसएआरबी जानिक हाई स्कूल बरूआर के दिवाकर झा, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले में तीन विद्यार्थी रहे। इनमें आईएस हाई स्कूल बासोपट्टी के अंकित कुमार झा श्री सागर सार्वजनिक उच्च विद्यालय नरहिया के मोनू कुमार नव उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिद्धप परसाही लदनिया के गणेश कुमार सिंह एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दो विद्यार्थी उच्च विद्यालय खुटौना के नीतीश कुमार यादव और उच्च विद्यालय खुटौना के प्रज्वल कुमार शामिल थे।वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा 2023 में कला संकाय से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यापति प्लस टू उच्च विद्यालय बिस्फी के सोनू कुमार द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले जेएन कॉलेज मधुबनी की शांभवी कुमारी तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली आरके कॉलेज मधुबनी की उर्वशी कुमारी उपस्थित रहीं। वाणिज्य संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एपीजी प्लस टू उच्च विद्यालय ब्रम्होत्तरा पंडौल की नीलम कुमारी द्वितीय स्थान पर दो लोग रहे जिनमें आरके कॉलेज मधुबनी के कुलदीप कुमार ठाकुर और आरके कॉलेज मधुबनी की ही राशि कुमारी और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले आरके कॉलेज मधुबनी के ही सौरव कुमार मिश्रा उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त विज्ञान संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली जेएमडीपीएल महिला कॉलेज की साक्षी कुमारी, द्वितीय स्थान पर काबीज रहे आईएस प्लस टू हाई स्कूल बासोपट्टी के शिवम पूर्वे तथा सीपीपी कॉलेज हिसार बोरहर के आलोक कुमार और जिले में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सीपीपी कॉलेज हिसार बोरहर के ही लाली कुमार उपस्थित थे।

अशुष्मान भारत कार्ड बनाने को विचार विमर्श किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/ खजौली डीएम मधुबनी के आदेश पर सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. जोतिन्द्र नारायण एव बीडीओ मनीष कुमार के समन्यवक से प्रखंड़ क्षेत्र के 14 पंचायत में 10 से 14 अप्रैल तक पंचायत सरकार भवन पर कैम्प आयोजन कर गोल्डन प्रधानमंत्री आशुष्मान भारत कार्ड बनाने का दिशा निर्देश दिया गया. सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. जोतीन्द्र नारायण ने कहा कि जिन लोगो को वर्ष 2011 में सैंसक के आधार बने लिस्ट में जिन लोगो का नाम दर्ज है.वही जिन लोगो को प्रधानमंत्री के द्वारा पत्र गया होगा, उन्ही लाभार्थी संम्पूर्ण लाभावन्तित होंगे. सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि गोल्डन प्रधानमंत्री अशुष्मान भारत कार्ड 10 अप्रैल को चार पंचायत में रसीदपुर वेता ककरघट्टी,ईनरवा,खजौली पंचायतों में आयोजन होगी. वही 11 अप्रैल को दतुआर,सूक्क ी,चतरा गोबरौरा दक्षिण के वार्ड एक से सात एव चंद्रडीह पंचायत में एक से पांच वार्ड में कैम्प आयोजित किया जाएगा.वही 12 अप्रैल को पंचायत कंहौली,भकुआ , चतरा गोबरौरा दक्षिण 8 से 13 वार्ड एव 13 अप्रैल को चंद्रडीह पंचायत के चंद्रडीह गांव में 6 से 8 वार्ड एव महुआ एकडारा पंचायत में कैम्प का आयोजन किया जाएगा.वही 14 अप्रैल को पंचायत शराबे एव नरार पूर्वी पंचायत में कैम्प का आयोजन किया जाएगा.सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि सभी पंचायत के आशा कार्यकर्ता द्वारा निर्धारित तिथि को अपने पंचायत सरकार भवन पर लाभार्थी को लाने निर्देश दिया है. उन्होंने कहा कि कैम्प के दौरान गोल्डन प्रधानमंत्री अशुष्मान भारत कार्ड बनाने को लेकर पंचायत स्तर प्रतिनियुक्ति सीएससी सेंटर संचालक अपने पंचायत सरकार भवन पर दिन के 10 से 5 वजे तक लाभार्थी को कार्ड बनाने का निर्देश दिया है।

खजौली सीएचसी सभागार में एएनएम के सांथ बैठक किये सीएचसी प्रभारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/खजौली सीएचसी के सभागार में शनिवार को सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. जोतीन्द्र नारायण की अध्यक्षता में एएनएम की बैठक बुलाई गयी. इस बैठक के दौरान सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा . जोतीन्द्र नारायण ने उपस्थित एएनएम को कहा कि जिस क्षेत्र में चेचक के बढ़ते प्रकोप के बारे में सबो लोगो को सचेत करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि इस चेचक महामारी बीमारी को लेकर अपने अपने कार्य क्षेत्र में सजग रहकर इस पर ध्यान देने की बात बतायी गयी.उन्होंने कहा कि सभी एएनएम अपने क्षेत्र में नियमित टीकाकरण ,सर्वे ,ड्यूलिस्ट को सुदृढ करने का निर्देश दिया.उन्होंने कहा इस टीकाकरण में चार आशा फेसिलेटर केंद्र पर लगाया गया है. वही यूनिसेफ के बीएमसी कालीचरण झा ने उपस्थित एएनएम को टीकाकरण के दौरान आईएस पैक्स में कोन सा भैक्सिन किस जगह पर रखना है और कौन सा भैक्सिन कितने मरीज पर खोलना है यह सब बारीकी से जानकारी दी गयी.उन्होंने कहा कि जो एएनएम टीकाकरण में लाहपरवाही बरतने वाले एएनएम पर विभागीय करवाई की जाएगी.इस मौके पर हेल्थ मैनेजर अर्चना भट्ट,बीएमसी यूनिसेफ कालीचरण झा,व्ब्लूएचओ रविंद्र ठाकुर,सीसीएच रानी कुमारी, नोडल कर्मी अरविंद कुमार मिश्रा, डाटा ऑपरेटर बबलू कुमार,राजन कुमार,एएनएम प्रमिला कुमारी सहित सभी एएनएम मौजूद थे।

जन शिक्षण संस्थान से ट्रेनिंग लिए प्रमाणपत्र पाकर खुश हुई हुनरमंद महिलाएं

नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में दक्षता की ओर बढ़ते कदम, कौशल भारत-कुशल भारत कार्यक्रम को लेकर संगठन की विशेष पहल

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय, गढहारा। नगर परिषद बीहट के गढहारा स्थित निखार ब्यूटी पार्लर देवकी भवन परिसर में शनिवार को सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन बरौनी प्रखंड प्रमुख अनिता देवी ने किया। वही नप बीहट के वार्ड पार्षद निभा मिश्रा, वार्ड पार्षद सुभद्रा देवी, वार्ड पार्षद बबिता देवी, नप बरौनी के वार्ड पार्षद रंजना देवी, प्लस टू स्कूल अमरपुर के एचएम शिव शंकर प्रसाद, मध्य विद्यालय गढहारा के एचएम दिलीप कुमार सिन्हा एवं समाजसेवी शैलेश कुमार आदि ने विचार व्यक्त करते हुए महिलाओं को प्रोत्साहित किया। भारत सरकार के कौशल विकास मंत्रालय से सम्बद्ध जन शिक्षण संस्थान बेगूसराय के निदेशक प्रशांत राज, कार्यक्रम पदाधिकारी सुमित कुमार, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी विकास कुमार, संयोजक अर्चना सिंह ने अतिथियों का स्वागत फूलमाला और मोमेंटो देकर किया। जबकि बीहट, सिमरिया, गढहारा कील, चकबल एवं बारो से जुड़े 20 नव प्रशिक्षित महिलाओं को दक्षता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। हुनरमंद महिलाओं ने प्रमाण पत्र पाकर हर्ष व्यक्त किया। संस्थान के निदेशक प्रशांत राज ने कहा कि भारत सरकार के संगठन के माध्यम से युवा युवतियों को निःशुल्क व्यूटीशियन, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रीकल, सिलाई कढ़ाई आदि का कोर्स कराया जाता है। ये हुनर पाकर आत्मनिर्भर बनते हैं।अपना प्रतिष्ठान खोलने के लिए दक्ष युवा युवतियों को बैंकों से ऋण भी मिल सकता है। छोटी छोटी प्रयास से परिवार, समाज व राष्ट्र समृद्ध हो सकता है। स्मिता कुमारी, मौसम सिंह, नीलू कुमारी, पूनम कुमारी, रूपम कुमारी, खुशी झा, खुशबू देवी, सुधा भारती, स्वीटी कुमारी, सोनाली कुमारी, रंजना कुमारी, प्रियंका कुमारी, विभा कुमारी, रूपम कुमारी, बुलबुल कुमारी, मनीषा कुमारी, अंजली अंजू ,नीलू कुमारी, जूही सिंह आदि को अतिथियों के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

बाल श्रम रोकने के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान-चक्रपाणि

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय, बरौनी। बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु का बेगूसराय आगमन पर नगर परिषद बिहट के चेयरमैन बबीता देवी, जिला राजद अध्यक्ष मोहित यादव, रामदेव यादव, अशोक सिंह, रामानंद प्रसाद यादव, हरिनंदन हरि एवं सामाजिक कार्यकर्ता के द्वारा फूलमाला एवं बुके से स्वागत किया । नगर परिषद बिहट की चेयरमैन बविता देवी ने क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया एवं स्थाई कार्यालय की मांग की। इस अवसर पर बाल श्रमिक आयोग के अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु ने कहा कि बाल श्रम नहीं हो, इसके लिए समाज के सभी सामाजिक संगठन, राजनीतिक संगठन, जनप्रतिनिधि को आगे आने की जरूरत है। 6 से 14 साल के बच्चे से बाल श्रम कराना कानूनी अपराध है। 14 से 18 वर्ष के बच्चे से खतरनाक नियोजन में श्रम कराना अपराध है। इसमें 20हजार से 50हजार का जुमार्ना है एवं 2 साल की सजा है। बालश्रम होने से बच्चों का बचपना, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उनकी आजादी को खत्म करते हैं। क्योंकि शिक्षा एक मौलिक अधिकार है। इसके लिए सभी बच्चे को विद्यालय भेजने की बात कही। बालश्रम नहीं हो। इसके लिए जागरूकता अभियान, सेमिनार नुक्कड़ नाटक किया जाएगा। श्रमिकों को श्रम संसाधन के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करते हैं तो जन्म से मृत्यु तक सरकार लाभ देती है ।

स्टेशन चौक स्थित शहीद स्थल पर जय भारत सत्याग्रह में शामिल महागठबंधन के नेतागण

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/खजौली शहीद स्थल स्टेशन चौक पर शनिवार को प्रखंड़ काग्रेस उपाध्यक्ष शुशील झा के नेतृत्व जय भारत सत्याग्रह नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया.इस सत्याग्रह नुक्कड़ सभा के मंच संचालन प्रखंड़ राजद अध्यक्ष रामसागर पासवान द्वारा किया गया.इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व वर्तमान जिप सदस्य दीपक कुमार सिंह ने मोदी सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि भारत देश मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया है.उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सांसद व कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्टीय अध्यक्ष राहुल गांधी को झूठा मानहानि मुकदमा में फसाकर साजिश के तहत सदस्यता रद्द करवायी गयी.उन्होंने भाजपा सरकार एव प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में भारत के सभी विपक्षी पार्टी एक जुट होकर भारत से भाजपा मुक्त करके भारत को लोकतंत्र की खतरे से बचाने को लेकर मुहिम तेज कर दी है.वही कांग्रेसी नेता विशेश्वर झा ने कहा कि कांग्रेस सरकार में सीनियर सिटीजन के तहत रेलगाड़ी में महिलाएं को पचास एव पुरुष को चालीस प्रतिशत टिकट में छूट को भी मोदी सरकार बंद कर दी है.उन्होंने कहा कि भाजपा की मोदी सरकार में एलपीजी गैस सिलेंडर ,डीएपी खाद, पेट्रोल,डीजल सहित अन्य समनो में दस गुना वृद्धि कर दी है.जिससे जनता मंहगाई की मार झेल रही है.वही प्रखंड़ राजद सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव ने भाजपा सरकार को निक्कमी सरकार को बताते हुए वर्ष 2024 की लोक सभा चुनाव में उखाड़ फेंकने का आवाहन किया गया.नुक्कड़ सभा के बाद सभी महागठबंधन के नेता भाजपा सरकार एव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध में नारे लगाये. इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दीपक कुमार सिंह, पूर्व काग्रेस प्रखंण्ड अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, राजद जिला महासचिव वीरेंद्र प्रसाद यादव, जदयू के पूर्व प्रखंड़ अध्यक्ष पवन कुमार सिंह, जदयू के अनुसूचित जाति के अध्यक्ष धुरन दास, पूर्व मुखिया श्याम सुंदर यादव,मनोज गोइत, अमर रान, परमेश्वर महतो,राम कलेवर यादव,नुनु सिंह, शंकर कुमार सिंह,पिंकु सिंह,सीताराम पासवान,बालेश्वर पासवान, रामनाथ यादव सहित दर्जनों महागठबंधन के नेता एव कार्यकर्ता शामिल थे।

जिला परिषद ने प्रतिनिधि के माध्यम से अग्नि पीड़ित परिवारों को की मदद

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय, बलिया। बीते दिन गुरुवार को बलिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत भवानीपुर पंचायत के वार्ड संख्या 1 में चूल्हे की राख से उठी चिंगारी से पांच भाइयों भवानंदपुर निवासी मिथिलेश यादव, कांग्रेस यादव, लालमणि यादव, अवध यादव, विवध यादव के छप्पर नुमा घर में आग लग गई थी। जिसमें घर में रखा अनाज, कपड़ा, नगद रुपए, जेवरात व अन्य घरेलू सामान जलकर खाक हो गया था। वहीं इस घटना के बाद सभी पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को विवश हो गए। जब इस घटना की जानकारी बेगूसराय जिला परिषद क्षेत्र संख्या 32 के जिला परिषद को मिली तो जिला परिषद अपने प्रतिनिधि सह समाजसेवी कार्यकर्ता राजीव कुंवर के माध्यम से अग्नि पीड़ित सभी परिवार के सदस्यों को मदद करने हेतु खाद्य सामग्री वितरण करवाया एवं कपड़े तथा आर्थिक मदद भी की। बातचीत के दौरान जिला परिषद प्रतिनिधि राजीव कुंवर ने कहा कि इस घटना में जिन जिन लोगों का घर जला है, उन सभी पीड़ित परिवारों को सरकारी योजनाओं के माध्यम से घर दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही जिनका नगद कैश जला, उनके लिए भी उन्होंने कहा कि 100000 की मुआवजा हेतु अपने सदन में बात रखने की बात कही। मौके पर ललन चौधरी, संजय कुमार, कन्हैया कुमार, चंदन कुमार, रजनीश कुमार समेत कई अन्य लोग भी उपस्थित थे।

जापानी निमार्ता स्पार्क प्लग वह अपना नाम बदल रही है

प्रात : किरण संवाददाता

स्पार्क प्लग, सेंसर और अन्य ऑटोमोटिव पार्ट्सकी अग्रणी जापानी निमार्ता और विक्रेता कंपनी NGK Spark Plugs India Private Limited ने घोषणा की है कि वह अपना नाम Niterra India Private Limited में बदल रही है। ये बदलाव 7 अप्रैल 2023 से प्रभावी होगा। कंपनी ने ये घोषणा 7 अप्रैल 2023 को नई दिल्ली के हयात सेंट्रिक होटल में आयोजित एक भव्य समारोह में देशभर से आए अपने वितरकों, सेल्स टीम, वरिष्ठ अधिकारियों एवं मीडिया की मौजूदगी में की। Niterra नाम को लैटिन शब्द 'niteo' से लिया गया है, जिसका अर्थ है चमक और टेरा/पृथ्वी, जो सभी के लिए उज्जवल और बेहतर भविष्य बनाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कंपनी के नए नामकरण के साथ ही कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मामोरू मुसासा नेकंपनी के नए विजन, मिशन और मूल्यों के बारे में लोगों को बताया। इस अवसर पर बोलते हुए कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मामोरू मुसासा ने कहा - कंपनी ने अपनी स्थापना के बाद से ही अपने व्यवसाय का विस्तार किया है, खासतौर पर इंटर्नल कम्बशन इंजन से संबंधित व्यवसाय जैसे स्पार्क प्लग। कंपनी 2030 लॉन्ग-टर्म मैनेजमेंट प्लान के तहत पर्यावरण एवं ऊर्जा, गतिशीलता, चिकित्सा और संचार के चार नए व्यावसायिक डोमेन में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिससे व्यवसाय पोर्टफोलियो में परिवर्तन किया जा सके। इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिये कंपनी ने विश्व स्तर पर अपने नाम को बदलने का फैसला किया है। इस अवसर पर कंपनी के SVP श्री सुदीप्तो सान्यालने कहा - नया नाम 'Niterra', समस्त समूह का नाम होगा, जबकि प्रतिष्ठित ब्रांड - NGK और NTK - कंपनी के अलग-अलग व्यवसायों के लिए जारी रहेंगे। येरणनीतिक फैसला कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो निरंतर सुधार और विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।हमारा लक्ष्य "Beyond Ceremics…Exceeding Imagination" के विचार के साथ एक नया Niterra ग्रुप बनाना है। नाम बदलने का येफैसला सभी के लिए उज्जवल और बेहतर भविष्य बनाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निष्कर्षः NGK Spark Plugs India Private Limited का नाम बदलकर Niterra India Private Limited करने का फैसलाकंपनी के दृष्टिकोण और दीर्घकालिक लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। NGK और NTK दोनों Niterra India के नए विजन और मिशन के साथ भारत में आने वाले वर्षों मेंसभी के लिए बड़े व्यावसायिक अवसर प्रदान करेंगे और नए मूल्यों का निर्माण करेंगे।नया नाम कंपनी के मौलिक सिद्धांतों को दर्शाता है, जो आविष्कारी, पारिस्थितिक रूप से जागरूक और स्थिरता के प्रति समर्पित है। इससे कंपनी की ब्रांड पहचान और बाजार में उपस्थिति को मजबूती मिलेगी।

शास्त्री जी का कृतित्व कालजयी और वैश्विक बोध से संपन्न है : संजय पंकज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री का साहित्य आत्मविश्वास जगाता है और उत्साह का संचार करता है। जीवन के संघर्षों से शास्त्री जी हारे और टूटे नहीं बल्कि उससे जूझते रहे। सार्थक जीवन को सौंदर्य पूर्ण ढंग से जीने का अटूट विश्वास उनकी रचनाओं में दिखता है। सौंदर्य, प्रेम, करुणा और सत्य के साधक कवि जानकीवल्लभ शास्त्री पराक्रम, शौर्य और ओज में भी कमतर नहीं हैं। - ये बातें आचार्यश्री की पुण्यतिथि पर आयोजित मासिक महावाणी स्मरण गोष्ठी में कवि साहित्यकार और बेला के संपादक डॉ संजय पंकज ने कही। विस्तार से विषय प्रवेश कराते हुए डॉ पंकज ने आगे कहा कि साहित्य तीर्थ निराला निकेतन में आचार्यश्री के स्मारक पर आकर हम उन्हें अपनी भावांजली अर्पित करते हैं। महाकाव्य राधा हिंदी के श्रेष्ठतम महाकाव्यों में अग्रणी है। कामायनी से भी आगे राधा महाकाव्य का तत्व चिंतन और शिल्प वैभव है। कामायनी का मनु पलायन करता है मगर राधा का कृष्ण कर्मनिष्ठ हो संसार-समर में निरंतर जूझता है। आचार्यश्री का व्यक्तित्व अनुपम और अतुलनीय है। कृतित्व कालजयी और वैश्विक बोध से संपन्न है। संजय पंकज ने अपने गीत से मन के द्वंद्व को आध्यात्मिक धरातल पर ऐसे प्रकट किया - जर्जर कश्ती आंधी पानी टूटी है पतवार, जाना है किस ओर कहां पर भूला खेवनहार, कौन उतारे पार। डॉ विजय शंकर मिश्र ने शास्त्री जी के प्रिय गीत - मैं गाऊं तेरा मंत्र समझ, जग मेरी वाणी कहे कहे - सुमधुर स्वर में सुनाया और अपने उद्गार में कहा कि विविध भावों से भरा आचार्यश्री का रचना संसार लिखने पढ़ने वालों के लिए बड़ी पूंजी है। डॉ मिश्र ने - हमने दुख को नहीं बुलाया, खुद आया है खुद जाएगा - गीत सुनाकर जीवन के उत्साह को उजागर किया। डॉ पुष्पा प्रसाद ने शास्त्री जी

के गीत - जीवन भी मिला बहार भी और क्या चाहिए - सुनाया। आयोजन में विशेष रूप से उपस्थित बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और पूर्व नगर विधायक सुरेश शर्मा ने अपने भावोद्गार में कहा कि साहित्यिक पीढ़ियों को संस्कारित करने वाले आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री हमारे गौरव थे। वे मुजफ्फरपुर की बड़ी राष्ट्रीय पहचान थे। उनकी यह साधना स्थली निराला निकेतन साहित्य तीर्थ है। महावाणी स्मरण आयोजन की परंपरा बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रेरक है। मेरे जानते इस तरह का आयोजन पूरे देश में कहीं नहीं होता है। शास्त्री जी का स्मरण संस्कार देने वाला है। आचार्य जी की पुत्री शैलबाला ने - नयन में प्राण में तुम हो, गगन में गान में तुम हो - सुनाकर शास्त्री जी को जीवंत कर दिया।अध्यक्षता करते हुए डॉ रामेश्वर द्विवेदी ने कहा कि आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री उत्तर छायावाद के श्रेष्ठ कवि गीतकार थे। उनके भाव और भाषा-माधुर्य साहित्य संवेदना के गहरे तल पर हमें ले जाते हैं। शास्त्री जी अपने वरीय और समकालीनों में समान रूप से आदरणीय थे। वे साहित्य साधना में संपूर्ण जीवन डूबे रहे। काव्य पाठ करने वालों में डॉ शैल केजरीवाल, शुभनारायण शुभंकर, डॉ पुष्पा प्रसाद, डॉ उषा किरण, माधवी लता,सत्येंद्र कुमार सत्येन, नरेंद्र मिश्र, अंजनी कुमार पाठक, देवेंद्र कुमार, डॉ हरि किशोर प्रसाद सिंह, अभिषेक अंजुम,रामवृक्ष चकपुरी,वीरेंद्र वीरेन, अरुण कुमार तुलसी, जगदीश शर्मा,आशा कुमारी, आलोक अभिषेक, सुनील ठाकुर, मोहन प्रसाद, मायाशंकर प्रसाद, कुमार विभूति, वसंत कुमार म

संक्षिप्त खबरें

कोविड-19 रोकथाम के लिए तारापुर अस्पताल है तैयार

मुंगेर। राज्य सरकार के आदेशा अनुसार जिले में कोविड संक्रमण को देखते हुए संभावित तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में तारापुर अनुमंडल अस्पताल परिसर में 10 बेड का कोविड-19 बनाया गया है इसका शुभारंभ बृहस्पतिवार को किया गया। यह सेंटर ऑक्सीजन जीवन रक्षक दवा के साथ आवश्यक उपकरण से सुव्यवस्थित किया गया है इसमें कोविड-19 के संभावित संक्रमित रोगियों का उपचार किया जाएगा इसके अलावा 24 घंटे और सात उद्दीन ऑक्सीजन सप्लाई के लिए पीएस ऑक्सीजन प्लांट को क्रियाशल कर दिया गया है प्रत्येक दिन कोविड-19 संक्रमण का सैंपल अस्पताल परिसर में रैपिड टेस्ट किट आरटी पीसीआर जांच के लिए 50 से 60 सैंपल कलेक्ट किया जा रहा है अभी तक तारापुर अंतर्गत किसी भी क्षेत्रों में को बीच में संक्रमण का कोई सक्रिय केस नहीं है लेकिन स्वास्थ्य विभाग को इसकी रोकथाम के लिए पूरी तरह तैयार है।

तारापुर एवं धरहरा में दो कोरोना पॉजिटिव मिले

मुंगेर। करोना के संभावित लहर के मद्देनजर जिले में भी इसकी दस्तक हो चुकी है। विगत शुक्रवार को आरटी पीसीआर जांच में कोरोना के दो पॉजिटिव रोगी पाए जाने का समाचार प्राप्त हुआ है। इसमें से तारापुर खैरा डोरायां का एक 45 वर्षीय पुरुष और धराहरा के 48 वर्षीय महिला शामिल है जिले में दो पॉजिटिव रोगी पाए जाने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग में हलचल मच गई है सिविल सर्जन ने दोनों पॉजिटिव मरीजों को होम आइसोलेशन में रखने का निर्देश दिया है साथ ही उनके कंसल्ट में रहने वालों की भी जांच करने का निर्देश संबंधित प्रखंड के स्वास्थ्य अधिकारियों को दिया है सिविल सर्जन ने बताया कि मुंगेर में करुणा के दो पॉजिटिव रोगी पाए गए हैं इनका सैंपल 2 दिन पूर्व ही सदर अस्पताल आरटी पीसीआर जांच के लिए लाया गया था पॉजिटिव पाए ग्रे रोगी में धारा की एक महिला तथा तारापुर के खैरा दौरान एक पुरुष शामिल है उन्होंने बताया कि दोनों पॉजिटिव मरीज को होम आइसोलेशन में रखने का आदेश किया गया है।

आबादी के अनुसार मिले राजनीतिक भागीदारी : भारती

पूर्णिया । अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश के प्रधान महासचिव साहू भूपाल भारती ने 7 को पूर्णिया में आयोजित कार्यक्रम की सफलता के लिए वैश्य समाज के सभी लोगों के प्रति आभार ब्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। राजनीतिक भागीदारी वैश्य समाज की सुरक्षा व सम्मान के लिए आवश्यक है। वैश्य समाज के सर्वांगीण उत्थान के लिए वैश्य आयोग का गठन किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में 22 प्रतिशत आबादी वाले वैश्य समाज को राजनीतिक में भागीदारी मिलने की जरूरत है। श्री भारती ने कहा कि लोकसभा, विधानसभा, राज्यसभा, विधान परिषद, विभिन्न बोर्ड निगम व अन्य सरकारी संथाओं में वैश्य समाज को उचित प्रतिनिधित्व मिले।

कुख्यात शराब तस्कर रंजीत को बलिया पुलिस ने किया गिरफ्तार

पूर्णिया/भवानीपुर। भवानीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बलिया ओपी पुलिस ने महीनो से फरार कुख्यात शराब तस्कर रंजीत मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। बलिया ओपी प्रभारी सदानंद साह ने उसे उसके ससुराल रघुवंशनगर ओपी क्षेत्र के बदियाटोला से गिरफ्तार किया है। बलिया ओपी प्रभारी ने बताया कि बीते महीने शराब तस्कर रंजीत मंडल और सरोज मंडल के घर से बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद हुआ था। उन्होंने बताया की इसको लेकर 36/23 दर्ज किया गया था। ओपी प्रभारी ने बताया कि शराब बरामद होने के बाद से दोनों शराब तस्कर भागे हुए थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि शराब तस्कर रंजीत मंडल अपने ससुराल में आया हुआ है। सूचना मिलते ही ओपी प्रभारी ने सदलबल के साथ छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

केसीसी टी 20 मैच का वार्ड पार्षद पति ने फीता काटकर किया उद्घाटन

पूर्णिया/भवानीपुर। भवानीपुर प्रखंड क्षेत्र के राम लाल कॉलेज माधव नगर के ऐतिहासिक मैदान में कुमार क्रिकेट क्लब के द्वारा आयोजित समारोह टी 20 क्रिकेट मैच का पंचायत स्तर से आगाज हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भवानीपुर नगर पंचायत माधव नगर वार्ड पार्षद पति समाजसेवी सुभाष यादव विधिवत फीता काटकर मैच का उद्घाटन किया। सुभाष यादव ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे खेल प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता हैं। हमेशा खिलाड़ियों को खेल की भावना से खेल खेलना चाहिए खेल से मानसिक बौद्धिक एवं शारीरिक क्षमता का विकास होता हैं।

टीबी मुक्त अभियान के तहत पांच टीबी रोगियों को लिया गया गोद

निश्चय मित्र के द्वारा टीबी मरीजों के बीच पोषाहार का किया गया वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/बड़हरा कोठी। बड़हरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बीकोठी में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अजय कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड के पांच टीबी रोगियों को गोद लिया गया। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीवी रोगियों को पोषण सहायता के लिए निश्चय मित्र के द्वारा पोषाहार वितरण किया गया। डॉ. अजय कुमार निश्चय मित्र बनते हुए समाज को एक प्रेरणा दिया है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अजय कुमार ने कहा कि, टीबी रोगियों को छह महीने तक पौष्टिक आहार की भी व्यवस्था की जाएगी ताकि रोगी जल्द से जल्द ठीक होकर अपना सुखमय जीवन परिवार के साथ बिता सकें। उन्होंने आम जनों को संबोधित करते हुए कहा कि, टीबी रोगियों को लगातार छह माह तक सरकारी दवाई का सेवन करना और साथ में पौष्टिक भोजन लेना बेहद जरूरी है। मौके पर डॉ. धनंजय कुमार ने कहा कि टीबी एक संक्रामक रोग है जो जीवाणु के द्वारा फैलता है तथा टीबी रोग से घबराने की जरूरत बिल्कुल नहीं है टीबी के लक्षण होने पर सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर आकर मुफ्त में उपचार कर निःशुल्क दवाई प्राप्त कर सकते हैं। वरीय क्षमा प्रयोगशाला पर्यवेक्षक दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि, अब एक दूसरे को जागरूक होने की आवश्यकता है ताकि टीबी के खिलाफ लड़ाई में आसानी से विजय प्राप्त किया जा सके। यक्ष्मा सहायक कमल चौधरी ने बताया कि, निक्षय मित्र बनकर हम सब टीबी जैसे रोग से भारत को मुक्त करने में अहम भूमिका निभाएंगे। वरीय यक्ष्मा पर्यवेक्षक अमित कुमार सुमन ने आम जनों से अपील करते हुए कहा कि, समाज के जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी एवं समाज के अन्य लोगों को निश्चय मित्र बन गरीब टीबी मरीजों की मदद कर सकते हैं। अमित ने ये भी कहा की, जिंदगी का मकसद ही दूसरों की मदद करना होता है अगर दूसरों को दुःखी देखकर आपको भी तकलीफ होता है तो ईश्वर ने आपको मानव बनाकर कोई गलती नहीं की अंतिम सांस तक सामाजिक हित में लोगों की मदद करनी चाहिए निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा कभी बेकार नहीं जाती है।

समाज हित में हमेशा बढ़-चढ़कर और सच्ची लगन से कार्य करते रहना चाहिए। निक्षय मित्र बनते हुए डॉ. अजय कुमार दो टीबी रोगियों क्रमशः कृष्ण आनंद राम एवं शंकर किस्कू को गोद लिया। यक्ष्मा सहायक कमल चौधरी ने दो टीबी रोगियों क्रमशः संजय मुर्मू और मंजुला देवी को गोद लिया। वरिया यक्ष्मा प्रयोगशाला पर्यवेक्षक दिलीप कुमार सिंह एक टीबी रोगी महेंद्र कुमार मंडल को गोद लिया इस मौके पर स्वास्थ्य कर्मी अरुण कुमार झा, यक्ष्मा सेवक श्री बिनोद पंडित, लैब टेक्नीशियन सुजीत कुमार, एएनएम चंद्रकांति कुमारी, चंद्र किरण कुमार, शांति कुमारी, चंद्रदीप मंडल, आशीष कुमार, शालिग्राम पासवान, संजय पासवान एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौके पर उपस्थित थे।

थाना परिसर में सीओ ने लगाया जनता दरबार

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)।जमीनी विवाद को आपसी सुलह समझौते से निपटाने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार को थाना परिसर में अंचलाधिकारी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।इसी उद्देश्य के तहत संग्रामपुर थाना परिषर में शनिवार को अंचलाधिकारी स्नेहा सत्यम की अध्यक्षता में आपसी सुलह समझौते से विवाद को खत्म करने के लिए जनता दरबार लगाया गया। मामले की सुनवाई के लिए थाना प्रभारी रंजन कुमार भी मौजूद थे। जनता दरबार को लेकर थाना परिसर में फरियादियों की अच्छी खासी संख्या मौजूद थी। सुनवाई के दौरान पूर्व के 7 मामलों एवं शनिवार को प्राप्त हुए नई 3 मामलों सहित कुल 10 मामलों पर सुनवाई की गई।

अधिकांश मामले भूमि के स्वामित्व को लेकर उत्पन्न विवाद पर थी। ऐसे मामलों पर दोनों पक्षों के द्वारा अपने अपने स्वामित्व के लिए दावे पेश किए गए तथा उनके द्वारा भूमि के स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज भी पेश किए गए। कुछ मामले ऐसे भी थे जिसमें एक पक्ष कार के उपस्थित नहीं रहने की वजह से मामले की सुनवाई नहीं हो पायी। इस संबंध में जनता दरबार की समाप्ति के बाद जानकारी देते हुए अंचलाधिकारी स्नेहा सत्यम ने बताया कि आज आयोजित जनता दरबार में पुराने 3 नए मामलों सहित कुल 10 मामलों पर सुनवाई की गई। तीन मामलों का निपटारा दोनों पक्षों की सहमति से तथा उपस्थित दस्तावेजों के जांच के उपरांत कर दी गई। कुछ मामलों में दोनों पक्षों की सहमति नहीं हो पाई जिस वजह से उन्हें और सटीक दस्तावेजों के साथ अगले जनता दरबार में उपस्थित होने के लिए कहा गया। साथ ही साथ कुछ मामलों में एक पक्ष अनुपस्थित थे। ऐसे मामलों में अनुपस्थित पाए गए पक्षकारों को नोटिस निर्गत कर अगले जनता दरबार में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रमंडलीय एकता रैली का आयोजन

वैश्य समाज की एकता और मजबूती पर दिया गया बल

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । कला भवन परिसर में अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन सह प्रमंडलीय एकता रैली का बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद एवं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरी संघी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में अपने संबोधन में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि बिहार के विकास जिस तरह से वैश्य अपना सहयोग दे रहे हैं यह अविस्मरणीय है।

सत्ता किसी की पार्टी का हो लेकिन वैश्य समाज सदा समाज को आईना दिखाने का काम करता है और हम लोगों का सतत प्रयास रहता है कि बस समाज आगे बढ़े। इसके लिए मैं गिरी संघी को साधुवाद देता हूं कि उन्होंने एक बार फिर बिहार की धरती से आगाज किया है। हमारा जितना सहयोग संभव हो पाएगा उसे बढ़-चढ़कर मैं प्रयास करूंगा कि सहयोग करो और संगठन को आगे बढ़ाने में अपनी सहभागिता दूं और हम आप सभी से अनुरोध करते हैं कि हम सभी बस समाज के लोग एक दूसरे का हाथ से हाथ पकड़कर दामन थाम कर आगे बढ़ाने का काम करें तभी जो अभी हमारी संख्या वार्ड से लेकर सदन तक कम है आगे बढ़ने का काम करेगी। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आपको एक बार फिर कृष्ण की भूमिका में आना होगा ताकि इस महाभारत में संगठन की भूमिका का पता सभी पार्टियों को लगे। कार्यक्रम में अपने संबोधन में पूर्णिया सदर के विधायक विजय कुमार ने कहा कि पूर्णिया प्रमंडल से आए हुए सभी वैसे समाज का मैं साधुवाद देता हूं कि उन्होंने इस कार्यक्रम में इतना बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और मैं विश्वास दिलाता हूं कि वह समाज पूर्णिया की धरती से किए गए इस आवाज को अंजाम तक ले जाने का भरसक प्रयास करेंगे और आप सभी के सहयोग से कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ाने का संगठन का काम करेंगे। इस अवसर पर पूर्णिया प्रमंडल के समाज से जीत कर आए हुए सभी जनप्रतिनिधियों को मोमेंटो एवं साल देखकर सम्मानित किया गया। वही कार्यक्रम में दिलीप कुमार दीपक, विधान पार्षद अशोक अग्रवाल, विधान पार्षद राजेन्द्र गुप्ता, विधान पार्षद गुंजेश्वर साहु, विधायक संजय सरावगी, विधायक विधासागर केशरी, विधायक अरूण शंकर प्रसाद, विधायक केदार गुप्ता उपस्थित थे।

आग लगने से एक दर्जन घर जले पांच लाख का हुआ नुकसान

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। गर्मी के शुरू होते ही चिलचिलाती धूप का प्रकोप अगलगी का सिलसिला प्रारंभ हो गया है गत गुरुवार की देर रात मुंगेर जिले के बरियारपुर प्रखंड क्षेत्र के करहरिया पूर्वी पंचायत के मुरला मुसहरी गांव में आगलगी की घटना घटी इसमें दर्जन भर परिवारों के घर जलकर खाक हो गया आगलगी की सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बरियारपुर प्रखंड के करहरिया पूर्वी गांव निवासी मोदी सदा अपने घर के पास मच्छर भगाने के लिए घुआं करने के लिए आग लगाया था जिसक चिंगारी से दर्जन भर घर आगे के आगोश में समा गया और धू-धू कर घर जल कर राख में तब्दील हो गया आग लगने की सूचना पर जिले से 3 दमकल गाड़ी सहित वरियारपुर थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे दमकल की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने का प्रयास किया इस घटना में चुन्नी सदा चिंता देवी बुद्धि सदा का पुत्र राजेश सदा सोनी देवी मिथुन सदा मुन्ना सदा मसोमात जानो देवी सरस्वती देवी डोमन सदा प्रसादी सदा और आशा कुमारी का घर जलकर खाक हो गया इसमें मिथुन सदा का 8000 एवं प्रसादी सदा का 10हजार नगद राशि भी जलकर भस्म हो गया। लोगों ने बताया कि इस अगलगी की घटना में करीब 5लाख से 60लाख का नुकसान हुआ है आगलगी के बाद सभी परिवार खुले आसमान के नीचे आ गए हैं। बरियारपुर अंचलाधिकारी रवीना गुप्ता ने अगलगी की घटना से प्रभावित लोगों को पॉलिथीन दी है और आश्वासन दिया है कि है कि सरकारी नियमानुसार के अनुसार 11हजार रुपेये प्रति घर आर्थिक सहायता दी जाएगी।

क्रिकेट टूर्नामेंट में पुरानी नंदगोला की जीत

रूपौली (पूर्णिया) । रूपौली प्रखण्ड क्षेत्र के गोड़ियर पट्टी श्रीमाता पंचायत स्थित बैरिया स्कूल प्रांगण में शिव शक्ति क्लब बैरिया की द्वारा नाईट शॉर्ट पिंच टूनामेंट क्रिकेट का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पुरानी नंदगोला बनाम बाल्थी महेशपुर के बीच टॉस उछाला गया। वहीं सर्वप्रथम आयोजित शिव शक्ति क्लब बैरिया क्रिकेट टूनामेंट के द्वारा दोनों टीम के बीच एंपायर के समक्ष टॉस की प्रक्रिया अपनाई गई। जिसमें की पुरानी नंदगोला की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। इस शिव शक्ति क्लब क्रिकेट टूनामेंट का मुख्य अतिथि पूर्व जिप अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य प्रतिमा सिंह उर्फ सुनिता सिंह के द्वारा विधिवत फीता काट कर शुरूआत हुई। पुरानी नंदगोला की टीम ने निर्धारित 08 ओवर खेलकर 09 विकेट गंवाए, 95 रन बनाकर सिमट गई। इस प्रकार पुरानी नंदगोला की टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी टीम को 96 रन बनाने का लक्ष्य दिया। जवाब में उतरे बाल्थी महेशपुर के टीम ने मात्र 60 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जिसमें पुरानी नंदगोला टीम ने 35 रनों से अपना जीत हासिल किया। वहीं पूर्व जिप अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य प्रतिमा सिंह उर्फ सुनीता सिंह ने कहा कि हार जीत का खेल होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि खेल से मानसिक विकास के साथ ही शारीरिक विकास भी होती है और जीतने वाले को धन्यवाद दिया, हारने वाले को कभी हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने बताया कि उसको और मेहनत करनी चाहिए, ताकि आगे चलकर जीत हासिल कर सकें। इस मौके पर शिव शक्ति क्लब बैरिया क्रिकेट टूनामेंट का अध्यक्ष सोनू कुमार ठाकुर, कोषाध्यक्ष ओम कुमार, सचिव सुमित कुमार (शिक्षक) वार्ड सदस्य अरविंद चौरसिया, डाको पासवान, पंचायत समिति सदस्य संजय भगत, मनखुश कुमार, नीरज कुमार, मंगल कुमार, चमन कुमार, नीरज चौरसिया, मुकेश महतो सहित खेल प्रेमी उपस्थित थे।

कुरियर पिकअप एवं जुगाड़ गाड़ी के आमने सामने की टक्कर में दो लोग बुरी तरह से जख्मी

पूर्णिया/भवानीपुर । धमदाहा रुपौली स्टेट हाइवे के सिंघाड़ा पट्टी पुल पर शनिवार की सुबह जुगाड़ गाड़ी को कुरियर पिकअप वाहनों ने जोड़दार टक्कर मार दिया जिससे दोनो लोग पूरी तरह से जख्मी हो गया।आनन फानन में स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना धमदाहा पुलिस को दिया। धमदाहा पुलिस त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल पर एएसआई पवन कुमार दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर दोनों घायलों को धमदाहा अनुमंडल अस्पताल भेज दिया।सिंघाड़ा पट्टी के स्थानीय लोगों ने बताया कि जुगाड़ गाड़ी पर चौकी केवारी टेबुल कुर्सी गांव गांव घुम कर बेच कर अपने घर जा रहा था इसी बीच सिंघाड़ा पट्टी पुल पर पूर्णिया की ओर से आ रहे अनियंत्रित कुरियर पिकअप वाहन जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी भयानक थी कि जुगाड़ गाड़ी की फर कच्चे उड़ गए। जुगाड़ गाड़ी पर बैठे दोनों लोग पूरी तरह से जख्मी हो गया।

251 कुंवारी कन्याओं और महिलाओं के द्वारा निकाली गयी भव्य शोभायात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

रूपौली (पूर्णिया) । रूपौली प्रखण्ड क्षेत्र के कोयली सिमड़ा पश्चिम पंचायत स्थित श्री श्री 108 मां बमकाली शक्तिपीठ मंदिर सपाहा के प्रांगण में रामधुन एवं महाकीर्तन के शुभ अवसर पर बमकाली शक्तिपीठ मेला समिति सपाहा के सौजन्य से 251 कन्याओं ने कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर गांव सहित आसपास के कुंवारी कन्याओं एवं महिलाओं के द्वारा गाजे बाजे के साथ जयकारे लगाते हुए भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में सभी वर्ग के पुरूष व महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कलश यात्रा मां बमकाली शक्तिपीठ मंदिर सपाहा से शुरू हो कर पुरानी नंदगोला कारी कोशी नदी में कलश भर कर पंचायत के परिभ्रमण करते हुए पुनः पुजा स्थाल मां बमकाली शक्तिपीठ मंदिर में पर पहुंची। जहां से पवित्र जल भरकर वापस पूजा स्थल पर पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत सभी कलश को सत्यापित कराया गया है। वहीं 48 घंटे रामधुन एवं महा कीर्तन को लेकर पूरे गांव सहित पंचायत में भक्तिमय का माहौल कायम हो गया। वहीं कलश शोभायात्रा में शामिल हुए महिलाओं एवं पुरुषों के लिए शिव शक्ति युवा एकेडमी सपाहा, नया नंदगोला में युवा साथियों ने शर्बत,फल आदि की व्यवस्था किया गया था। इस मौके पर कोयली सिमड़ा पश्चिम पंचायत सरपंच शिव कुमार यादव, शिक्षक संघ प्रखण्ड अध्यक्ष नीरज कुमार, ध्रुव कुमार, देवेन्द्र कुमार, सेवानिवृत्त शिक्षक परिक्षण मंडल, दिनदयाल दिवाकर, फेकण मंडल, नित्यानंद यादव, संजय मंडल, जर्नादन मंडल सहित मां बमकाली शक्तिपीठ मेला समिति के सदस्यगण एवं ग्रामीणों का सहयोग रहा।

अतिक्रमण से पुरानी बाजार जाने वाली सड़क पर चलना हुआ मुश्किल

घर के नाले कि पानी से पूरी तरह बर्बाद हो चुका है सड़क

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। पिछले कई वर्षो से मोहनगंज पुरानी बाजार मुख्य सड़क का अतिक्रमण करने के साथ साथ घरो के नाले की गिर रहे लगातार पानी के कारण इस रास्ते से कई जिलों के श्रद्धालुओं सहित आस पड़ोस के लोगों को तांत्रिक शक्ति पीठ तेलडीहा दुर्गा मंदिर एवं हाट बाजार विद्यालय महाविद्यालय आने जाने से लेकर कारोबारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । आश्चर्य होगा कि प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी वर्षो से बेखबर है। इस रास्ते से चार पहिया वाहनों का चलना तो दूर दो पहिया वाहनों को आने जाने में भी काफी मुश्किल का सामना करना पड़ता है । मोहल्ले के बीचो बीच से निकली सड़क के दोनों तरफ से स्थानीय लोगों ने पक्का पिंडा, सीढ़ी, पक्की दरवाजा, एवं चबूतरा का निर्माण कर रखा है। जिसके कारण स्कूल कॉलेज अस्पताल अनुमंडल कोर्ट एवं बाजार आने जाने में मुख्य रूप से छात्र छात्राओं से लेकर मोहल्ले वासियों एवं कारोबारियों को सबसे अधिक परेशानी का सामना हर रोज करना पड़ता है। लगभग 4 साल पहले जिला प्रशासन के आदेश पर अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान मात्र बाजार की एस एच -22 मुख्य सड़क से ही अतिक्रमण को माफी कर पूरी तरह से मुक्त कराया गया था । आज वह भी पूरी तरह से अपना पैर पुनः पसार चुका है । मोहल्ले में रहने वाले कई दबंगों के डर से अपना नाम बताते हुए कैलाश भगत सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि अतिक्रमण हटने के बाद ही मोहल्ले वासियों को चौड़ी एवं साफ-सुथरी सड़क पर चलने का नसीब होगा ।

कहते हैं अंचलाधिकारी : अंचलाधिकारी बंदना कुमारी ने बताया कि जो स्थाई रूप से अतिक्रमण कर रखा है उसके खिलाफ अतिक्रमण बाद की कार्रवाई चलाया जाएगा । जिसकी तैयारी की जा रही है ।

एक युवती के दो प्रेमी में एक ने दी वारदात को अंजाम : एसएसपी

प्रेम प्रसंग में गयी एक प्रेमी की जान, दूसरा आशिक को पुलिस ने भेजा सलाखों के पीछे

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। एक अनार दो बीमार जैसी कहावत चरितार्थ होने का मामला मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र से सामने आया है। जिसमें एक प्रेमी को दूसरे चाहने वाले ने मौत की नींद सुला दिया। वही पुलिस ने युवक के हत्या मामले में युवती के दूसरे आशिक को गिरफ्त में लेकर सलाखों के पीछे भेज दिया है। उक्त आशय की जानकारी एसएसपी आनन्द कुमार ने अपने कार्यालय बेस में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान दी। वही उन्होंने बताया कि

एक लड़के को एक लड़की से प्यार हो गया यह प्यार गहरा होता चला गया था, इसी बीच लड़के के दोस्त के नजदीकयां उस लड़की से इतनी ज्यादा बड़ी कि पहले लड़के को छोड़ कर दूसरे लड़के को दिल दे बैठी। जो यह देख पहले प्रेमी को गवारा नहीं हुआ और उसने प्लान के तहत विगत 6 अप्रैल की शाम उसे सिर में गोली मारकर घायल कर दिया। जिससे इलाज के दौरान दूसरे दिन प्रेमी आशीष कुमार की मौत हो गई।

वही घायल छात्र की मौत होने के बाद पुलिस द्वारा गम्भीरता से जांच व उद्भेदन को लेकर निर्देशित किया गया था। घटना के बाद से लगातार अपराधी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही थी। छापेमारी के क्रम में पुलिस ने मोजाहिदपुर के ही एक युवक दूसरा प्रेमी रविशंकर कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसके पास से पुलिस टीम ने एक देसी कट्टा बरामद किया गया था।

मामले को लेकर एसएसपी ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग का सामने आया। जिसको लेकर गिरफ्तार प्रेमी रविशंकर ने अपराध को लेकर स्वीकार बयान में बताया कि उसको एक लड़की से प्रेम था। कुछ दिनों से प्रियांशु से लड़की की जान पहचान हुई थी, वह उससे बात करता था। जिसको लेकर गिरफ्तार अभियुक्त रविशंकर को ये नहीं भाया और उसने प्रियांशु को समझाया था, लेकिन बातचीत होती रही उसके बाद रविशंकर ने रास्ते का रोड़ा बने प्रियांशु को गोली मार कर मौत की नींद सुलाने की साजिश के तहत उसे गोली मार दी।

दो दिवसीय पूर्ववर्ती छात्र मिलन सह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

नाथनगर (भागलपुर) । चम्पा नगर के कर्ण गढ़ स्थित आयुर्वेदिक कॉलेज में दो दिवसीय पूर्ववर्ती छात्र मिलन सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ भगवान धनवंतरी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। वही इस कार्यक्रम में आयुर्वेदिक कॉलेज के पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं का स्वागत सह अभिनंदन बुके देकर सम्मानित किया। पूर्ववर्ती छात्र छात्राओं की सूची में दर्जनों छात्र छात्राओं ने बिहार के अलग-अलग जिलों से आयुर्वेदिक कॉलेज में अपना योगदान दे रहे हैं, या दे चुके हैं। वैसे छात्र-छात्राएं इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है। गौरतलब हो कि कार्यक्रम का आयोजन लोगों के बीच आयुर्वेद की महत्ता और प्रचार प्रसार के उद्देश्य के लिए किया गया था। वही इस संबंध में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय अस्पताल के प्राचार्य डॉ. चंद्र भूषण सिंह ने बताया कि प्राचीन काल से आयुर्वेद का स्वर्णिम एवं गौरवशाली इतिहास रहा है।

इंजेक्शन लगाते ही 7 माह बच्चे की हुई मौत

चिकित्सक के साथ की हाथापाई, देर शाम दोनों पक्षों के बीच हुआ समझौता

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। नवगछिया स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज कराने आई बच्ची की अस्पताल में मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने जमकर बबाल खड़ा कर दिया।

मामले को लेकर बताया जा रहा है कि स्थानीय जगतपुर इलाके के रहने वाले मनीष कुमार अपने 7 माह की बच्ची को इलाज हेतू दिखाने के लिए नवगछिया के एक निजी क्लिनिक पहुंचे थे। बच्ची अंशु कुमारी को गिल्टी की समस्या हुई थी, जिसे दिखाने के लिए परिजन अस्पताल पहुंचे थे। वही चिकित्सक द्वारा देखे जाने के साथ दवाई सलाह के साथ अस्पताल में मौजूद कर्मियों ने तीन सुई व एक बोतल दवाई पिलाई।

जिसके बाद बच्ची की हालत बिगड़ने लगी और तुरंत बाद बच्ची की मौत हो गई। जिसके बाद आक्रोशित परिजनों ने हताश बदहवास हो अस्पताल के कर्मियों व डॉक्टर संपत राय पर बच्ची को जान मार दिये जाने का आरोप लगा जमकर हंगामा खड़ा कर दिया। वही मामले को लेकर परिजनों ने बताया कि जब बच्ची को लाए थे तो वो ठीक थी, लेकिन सुई व दवाई देने के कुछ देर बाद मुंह से फेन निकलने लगा। जिसके बाद डॉक्टर से पूछने पर कहा कि एक घण्टे बाद ठीक हो जायेगी। जब तबियत अधिक बिगड़ने लगी तो बुखार बता दूसरे डॉक्टर के पास ले जाने की बात कह दी गई। जब आनन फानन में सरकारी अस्पताल बच्ची को ले कर पहुंचे तो डॉक्टर ने बताया कि बच्ची की मौत हो चुकी है। जब मामले को लेकर डॉक्टर संपत से पूछे तो वो कुछ भी नहीं बता रहा है। वही मामले को लेकर डॉक्टर संपत रॉय ने कहा कि गिल्टी का इलाज कराने आए थे। जो दवाई सुई उसका होता है दिए। बच्ची को बुखार आ गया, जिसके बाद उसे पट्टी सब दिया गया, लेकिन इसे ऑक्सीजन की जरूरत थी जिसके लिए उसे रेफर कर दिया गया था। डॉक्टर ने बताया कि बुखार सर पर चढ़ गया होगा, जिससे बच्ची की मौत हो गई। हमने तो सही इलाज किया है। वही काफी हंगामा होने के बाद पीड़ित परिजनों व चिकित्सकों के बीच समझौता हो सका।

अपराधियों पर नकेल कसने की कवायद जारी;-एसपी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला क्षेत्र में अपराधियों व अपराधी गतिविधियों पर लगाम कसने की कवायद में जुट गयी है। मामले को लेकर एसपी सुशांत कुमार सरोज ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कई कांडों का उद्भेदन की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि विगत 06 अप्रैल की दोपहर में अधोहस्ताक्षरी को गुप्त सूचना मिली थी कि अभियुक्त सुमन कुमार उर्फ फंटुस कुमार अपने रिश्तेदार बड़ी अलालपुर के पास देखा गया है। प्राप्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष परबत्ता के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा अविलंब उक्त स्थल पर पहुँचकर अभियुक्त के पास से अवैध हथियार एवं कारतुस बरामद किया गया। अपराधी का अपराधिक इतिहास रहा है। वही उन्होंने बताया कि विगत 07 अप्रैल की संध्या में गोपालपुर थानान्तर्गत गोसाई गाँव भमरा के पास वाहन चेकिंग के क्रम में एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति को जांच क्रम में उसके पास से अवैध हथियार एवं कारतूस बरामद किया गया। जिसमें मोहम्मद जाहिद और मोहम्मद फारुख को गिरफ्तार कर लिया गया है, साथ ही गोपालपुर के रंगरा थाना अंतर्गत गौरव कुमार और लालु कुमार को गिरफ्तार किया गया। गौरतलब ही कि चोरी किये गये मोटरसाइकिल जो भवानीपुर टावर चौक से चोरी हुई थी उक्त 02 मोटरसाइकि भी दोनों के पास थे, इन दोनों के निशानदेही पर के कारेलाल सिंह, कालिन्दीनगर से चोरी के एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्ता किया गया, तथा अग्रतर पूछताछ में ग्राम हरिओं के जितेन्द्र सिंह के घर से भी चोरी के दो मोटरसाइकिल बराम किया गया।इस क्रम में जितेन्द्र सिंह भागने में

संक्षिप्त खबरें

जगजीवन राम के 116वी जयंती समारोह धूम धाम से मनाया गया

आरा।राम समता विचारमंच के बैनर कुश जगदी पूर्व उप प्रधान मंत्री बाबू जगजीवन राम के 116वी जयंती समारोह चंदवा के सभास्थल पर बड़े ही भारत के धूम धाम से मनाया गया। जिसमे उद्घाटन कर्ता एवं मुख्य अतिथि के रूप मे बिहार राज्य का स्वाधय आयोग के अध्यक्षा माननीय विद्यानन्द दिल उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबू जगजी राम समता विचार मंच के अध्यक्ष श्री सूर्य प्रकाश, नही मंच संचालन श्री सुदर्शन राम कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद उपाध्या श्री शैलेन्द्र कुमार उपस्थित रहे, इस कार्यक्रम में अध्यक्ष श्री सुर्य प्रकाश बाश्मी के 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भूमिका कथे विस्तार से बताया एवं कहा है कि आप के दौरा मे बाबू जगजीवन राम के विचार को उतार कर भारत की विकसीत बनाने में भागीदार बने।

अनुश्रवण समिति में जितेन्द्र कुमार अंबेडकर सदस्य बनाने पर दी बधाई

गया।सचिव समाज कल्याण बिहार के आदेश पर जिला राष्ट्रीय सुरक्षा सहायता कार्यक्रम के मूल्यांकन एवं अनुश्रवण के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है जिसमें जिला पदाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस एम के अध्यक्षता में गठित समिति में जितेंद्र कुमार, समाजिक कार्यकर्ता एवं अध्यक्ष अंबेडकर क्लब को सदस्य मनोनीत किया है।उनके सदस्य बनाने पर जिला पदाधिकारी को बधाई दिया है।

औरंगाबाद के नए डीएम सौरभ जोरवाल सुहर्ष भगत होगें

औरंगाबाद। डीएम सौरभ जोरवाल का ट्रांसफर कर उन्हें पूर्वी चंपारण का नया जिलाधिकारी बनाया गया है. वहीं पूर्णिया के डीएम सुहर्ष भगत को औरंगाबाद का जिलाधिकारी बनाया गया है।गौरतलब है कि बिहार सरकार ने बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया है। इस क्रम में कुल 36 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। सूबे के कई जिलों के जिलाधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। सरकार ने, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, कटिहार, शिवहर, बक्सर,, पूर्णिया, सहरसा, खगड़िया, औरंगाबाद, मधेपुरा, छपरा, कैमूर, शेखपुरा, सीवान के जिलाधिकारियों का तबादला कर दिया है। वहीं राज्य सरकार ने गृह विभाग में तैनात संयुक्त सचिव दिनेश कुमार राय को पश्चिम चंपारण जिले का नया डीएम बनाया है. वे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आप्त सचिव हुआ करते थे. वहीं, पश्चिम चंपारण के मौजूदा जिलाधिकारी कुंदन कुमार को पूर्णिया का डीएम बना दिया गया है. सहरसा के डीएम आनंद कुमार का भी ट्रांसफर कर दिया गया है. उन्हें पंचायती राज विभाग में निदेशक बनाया गया है. कैमुर के जिलाधिकारी नवदीप शुक्ला को वहां से हटाकर बिहार सरकार के पशुपालन विभाग का निदेशक बनाया गया है. वही, सिवान के डीएम अमित कुमार पांडेय का भी तबादला किया गया है।

विपक्षी पार्टी धर्म मजहब के नाम पर अखंडता को तार-तार करना चाहती है

अरवल :भाजपा के जिला उपाध्यक्ष भास्कर कुमार ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए निरंतर कार्य कर रहे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता देव दुर्लभ है अपने राष्ट्रीय सोच को हृदयसात करते हुए सबका साथ सबका विकास सबकी प्रयास का परिकल्पना पूरा कर रहा है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक परिश्रम और उन्नत सोच के वजह से आज भारत पूरे विश्व में अपना जलवा बिखेर रही है वही इस देश में एक तरफ कांग्रेस एवम्इनके सहयोगी विपक्षी पार्टियां नकारात्मक ऊर्जा का संचार इस देश में तेजी से करने में लगे है। धर्म एवं मजहब के नाम पर दंगा फसाद करा कर इस देश के एकता एवं अखंडता को तार-तार करना चाहते हैं कांग्रेसियों के युवराज राहुल गांधी को अपने देश के संविधान एवं लोकतंत्र पर विदेश में दिया गया बयान इस देश के 130 करोड़ आम आवाम देशवासियों के स्वाभिमान पर आघात है।वही बिहार आज महागठबंधन की सरकार में बुरे दौर से गुजर रहा है ।

एनसीसी कैडेट्स ने सीताकुंड नदी में चलाया सफाई अभियान

गया।पुनीत सागर अभियान के तहत 6 बिहार बटालियन एनसीसी के बैनर तले सीताकुंड नदी में शनिवार को सफाई अभियान चलाया गया।पुनीत सागर अभियान का नेतृत्व 6 बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एमके शुक्ला ने किया। इस दौरान नदी के आसपास से कचरा चुना गया और लोगों को जागरुक भी किया गया।कैडेटों ने स्वच्छ भारत, प्लास्टिक को ना कहें, स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत आदि के नारे लगाए। कार्यक्रम के दौरान कैडेटों ने स्थानीय लोगों से अपने आसपास और जल निकायों को प्लास्टिक और कचरा मुक्त रखने की भी अपील की।उन्होंने स्थानीय लोगों को सलाह दी कि वे कचरे और प्लास्टिक को फल्गु नदी में फेंकने के बजाय उचित तरीके से निपटाएं।

गया में कोरोना से 70 वर्षीय महिला की मौत, कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर हुई 10

प्रात : किरण संवाददाता

गया। बिहार के गया में कोरोना का कहर एक बार फिर से दिखने लगा है. शुरूआती कोविड-19 में भी गया हॉटस्पॉट रहा था जिसमे दर्जनों लोगों की मौतें हो गई थी. अब जब कोरोना का संक्रमण फिर फैल रहा है, तो गया जिला में कोविड-19 के केस बढ़ने लगे हैं. इसके बीच गया के मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में भर्ती जहानाबाद जिले के मखदुमपुर की रहने वाली 70 वर्षीय महिला की कोरोना से मौत हो गई है।

जानकारी के अनुसार मखदुमपुर की एक महिला 3 दिन पहले इलाज के लिए गया के जयप्रकाश नारायण अस्पताल में आई थी उसे सांस फूलने की बीमारी थी. जयप्रकाश नारायण अस्पताल में आरटीपीसीआर की जांच में कोरोना पॉजिटिव आया था. इसके बाद 70 वर्षीय महिला को कोरोना के इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां महिला की कोरोना के कारण मौत हो गई है।इस संबंध में गया के सिविल सर्जन डॉ रंजन कुमार सिंह ने बताया कि 70 वर्षीय महिला कोरोना संक्रमित थी उसका सांस फूलने की बीमारी थी छाती में दर्द थी वह कोरोना पॉजिटिव थी ईसीजी करायेतो इंटरनल इंफेक्शन था आरटीपीसी जांच में कोरोना पॉजिटिव थी. अभी गया जिले 10 कोरोना संक्रमित एक्टिव केस है।

राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी को जिलाअध्यक्ष ने किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जनता दल यू गया के जिला कार्यालय में जद यू गया जिलाध्यक्ष अभय कुशवाहा के अध्यक्षता में राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी , सभी नवनियुक्त एवं नवमनोनित प्रखंड अध्यक्षों का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया है ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष विद्यानंद विकल सम्मिलित हुए।

इस कार्यक्रम में सासंद गया विजय माँझी को राष्ट्रीय महासचिव, कुणाल अग्रवाल को प्रदेश महासचिव, पूर्व जिलाध्यक्ष अलेक्जेंडर खान को प्रदेश महासचिव, पूनम कुशवाहा को प्रदेश सचिव, कुंडल वर्मा को प्रदेश सचिव, चंदन यादव को प्रदेश सचिव मनोनीत होने पर एवं सभी नवनियुक्त एक नवमनोनित प्रखण्ड अध्यक्षों को माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र देकर जिला अध्यक्ष श्री अभय कुशवाहा के द्वारा स्वागत एवं सम्मानित किया गया है। स्वागत समारोह के बाद सभी प्रखण्ड अध्यक्ष के साथ भीम चौपाल एवं भीम संवाद को सफल बनाने के लिए अहम बैठक किया गया है । बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के जयंन्ति मनाने एवं उनके विचारों को जन जन तक पहुचाने के लिए सभी पंचायतों के महादलित टोला में स्थल का चयन किया गया है ।इस स्थल पर 13 अप्रैल की संध्या में दीप प्रज्वलित कार्यक्रम एवं 14 अप्रैल को बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जयंती धूम धाम से मनाया जाएगा। 13 अप्रैल को जिला परिषद कार्यालय एवं अंबेडकर पार्क में संध्या में दीप प्रज्वलित किया जाएगा और 14 अप्रैल को उसी जगह बाबा भीम राव अम्बेडकर जी की जयंती धूम धाम से मनाया जाएगा,साथ ही महादलित टोला के हरेक घरों में स्टिकर लगाकर एवं हैंड बिल देकर महादलित समाज के लोगों को जागरूक किया जाएगा।

आज के कार्यक्रम में प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल , धनंजय शर्मा, डॉ आसिफ जफर, कैलाश पासवान, कमलेश वर्मा, कमलेश कुमार चंद्रवंशी, पप्पू मालाकार, अजीत शर्मा, प्रवीण मेहता, अंकित कुमार, राजेश सिन्हा,सुभाष कुमार, विनोद माँझी, सुरेंद्र कुमार,संजय कुमार, राजेश कुमार, उदय कुमार, रणवीजय कुमार, सुरेश विद्यार्थी,परशुराम कुशवाहा, उमेश यादव, सहित अन्य प्रखण्ड अध्यक्ष सम्मिलित हुए हैं।

विजय मांझी को जदयू का राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

गया। शहर के नगमतिया रोड स्थित जदयू कार्यालय में गया के सांसद विजय मांझी को जदयू के राष्ट्रीय महासचिव बनाए जाने पर लोगों ने फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया है. इसके अलावा जिला के अन्य कार्यकताओं को प्रदेश कमेटी में पदाधिकारी बनाए जाने पर भी सम्मानित किया गया है।

इस मौके पर जदयू जिलाध्यक्ष अभय कुशवाहा ने कहा कि जिले के सांसद विजय मांझी को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है. इससे हमें काफी खुशी महसूस हो रही है. इसके अलावा जिला के 9 कार्यकताओं को प्रदेश कमेटी में पदाधिकारी बनाया गया है. इसे लेकर आज सभी लोगों को फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया है. जिले के 24 प्रखंडों के निर्वाचित एवं चयनित प्रखंड अध्यक्षों को भी सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में 13 तारीख की देर संध्या सभी पंचायतों में दीप प्रज्वलन किया जाएगा. इसके अलावा 14 अप्रैल को भव्य तरीके से उनकी जयंती मनाई जाएगी. साथ ही भीम संवाद और भीम चौपाल कार्यक्रम के तहत सभी प्रखंडों के कार्यकर्ता दलित बस्ती में जाएंगे और बाबा साहेब के संदेशों को जन-जन तक पहुचाएंगे. इसके लिए स्टीकर साटने का कार्य चल रहा है. हमारी पार्टी बाबा साहेब की विचारधारा को मानने वाली पार्टी है. यही वजह है कि इस बार बाबा साहेब की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई जाएगी.

इस मौके पर स्थानीय सांसद विजय मांझी, पूर्व जिलाध्यक्ष अलेक्जेंडर खां. कुंडल वर्मा, अवध बिहारी पटेल, के.के. सिंह सहित पार्टी के कई लोग उपस्थित थे।

मेगा स्वास्थ्य शिविर की तैयारी को लेकर, प्रभारी जिलाधिकारी का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। कल राष्ट्रीय स्तर के मेगा स्वास्थ्य शिविर की तैयारी को लेकर, प्रभारी जिलाधिकारी वीरकर का निरीक्षण का कार्यक्रम बामपाली स्थित ज्ञान ज्योति आवासीय विद्यालय में हुआ। प्रभारी जिलाधिकारी ने महामहिम राज्यपाल के आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी का जायजा लिया एवं आने वाले अपार मरीजों की भीड़ को समुचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने जाने की तैयारियों के बारे में भी जायजा लिया। इस बीच उन्होंने अपने महत्वपूर्ण सुझाव से भी लोगों को अवगत कराया। आज चिकित्सा शिविर की पूर्व संध्या पर शिविर के सभी अधिकारी गण मौजूद थे, इस बात की जानकारी आयोजक सचिव सह जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ के एन सिन्हा ने कहा कि सारी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई है। और मरीजों को समुचित इलाज , परामर्श एवं यथासंभव निशुल्क दवा दी जाएगी। इस शिविर में स्थानीय चिकित्सकों के अलावा पटना से बहुत चिकित्सक आ रहे हैं। ताकि हर विधि से मरीजों की इलाज करेंगे। आम जनता से अनुरोध है कि शिविर का भरपूर लाभ उठाएं। इस तैयारी प्रोग्राम में शिविर के कन्वेनर ला जयप्रकाश नारायण जी, डा एस के रूंगटा, आईएमए के अध्यक्ष डॉ कुमार जीतेंद्र , पूर्व सचिव नरेश प्रसाद सहित कई चिकित्सक एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी देखरेख से तैयारियों का जायजा लेते हुए ,इसकी समुचित व्यवस्था में लगे हुए थे।

राज्य के पंचायतीराज एवं नगर निकाय शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा

गया।परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ के प्रदेश संयोजक प्रणय कुमार, कार्यकारी प्रदेश संयोजक नवनीत कुमार, प्रदेश संगठन महामंत्री शिशीर कुमार पाण्डेय एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय ठाकुर ने एकबार पुनः राज्य सरकार का ध्यानाकृष्ट करवाते हुए मांग किया कि राज्य के पंचायतीराज एवं नगर निकाय अंतर्गत नियुक्त शिक्षकों को यथाशीघ्र राज्यकर्मी का दर्जा, पुरानी पेंशन, ऐच्छिक स्थानांतरण का लाभ दिया जाए। परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ लगातार इन मांगों को लेकर आवाज उठाता रहा है और मांगे पूरी होने तक संघर्षरत रहेगा। सूबे के लाखों शिक्षक राज्य सरकार के हर महत्वकांक्षी योजना को लागू करने के लिए सदैव तत्पर रहते है एवं विद्यालय मे गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक माहौल तैयार करने मे दिन रात पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे है। संघ के कार्यकारी प्रदेश संयोजक नवनीत कुमार एवं प्रदेश संगठन महामंत्री शिशिर कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से बताया कि जब राज्य के शिक्षक पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं तो राज्य सरकार भी एक कदम आगे बढ़कर हमारे मुख्य माँग समान काम समान वेतन, राज्यकर्मी का दर्जा, पुरानी पेंशन सहित ऐच्छिक स्थानांतरण को लागू क्यों नही कर रही है।प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने बताया कि अगर राज्य सरकार यथाशीघ्र हमारे मांगों को पूरा नही करती है तो आगामी लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव मे राज्य के लाखों शिक्षक इसका मुंहतोड़ जवाब देगी।

जीवन कुमार की जीत से बिहार मे नई राजनितिक समीकरण तैयार

प्रात : किरण संवाददाता

गया।शिक्षक निर्वाचन छेत्र गया 2 से विराट जीत की बधाई राहुल रंजन ने पटना आवास पुष्पगुछ भेट पर जीवन कुमार को दिया

राहुल रंजन ने कहाँ की जीवन कुमार का जीत मगध, साहवाद और पुरे बिहार मे पिछडो की राजनितिक भूमिका का एक नया मुकाम देगी। आज ये जीत जाती, धर्म, मजहव से ऊपर उठ कर जीत है जहाँ जीवन कुमार को हर वर्ग का वोट मिला है, जीवन कुमार समाजिक न्याय व्यवस्था मे अमूल चूल परिवर्तन हेतु शिक्षको की लड़ाई को मजबूत करेंगे आज बिहार सरकार शिक्षक जाती को बंधुवा मजदूर जैसा काम करवाती है महीन्वारी के नाम पर मजदूर के मजदूरी से भी कम मिलता है। इसकी लड़ाई को जीवन कुमार का संकल्प है की जीवन कुमार सड़क से सदन तक लड़ेंगे। पुरे जमात ने मिलकर जीवन कुमार को विजय बनाए है वैसे ही जीवन कुमार पुरे जमात को साथ लेकर चलने का काम करेंगे

औचक निरीक्षण से मंडल कारा में मचा हड़कंप

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला पदाधिकारी, सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक, स्वप्ना जी मेश्राम के निदेर्शानुसार एसडीएम सदर एवं एसडीपीओ सदर के नेतृत्व में जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों की टीम द्वारा मंडल कारा, औरंगाबाद का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान मंडल कारा के सभी कैदी वार्ड, महिला वार्ड, किचन वार्ड, अस्पताल, शौचालय इत्यादि की जांच की गई। निरीक्षण के समय कोई भी आपत्तिजनक वस्तु नहीं बरामद की गई। औचक निरीक्षण के दौरान बीडीओ औरंगाबाद कुमार रविराज, बीडीओ नबीनगर देवानंद कुमार सिंह, सीओ मदन पुर, सीओ नबीनगर, सीओ कुटुंबा, सीओ देव, राजस्व अधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी एवं लगभग 70 पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

शिक्षा और विधिक अधिकार से आदिवासी होंगे सबल

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के बैनर तले मध्य विद्यालय पंडरिया केताकी देव में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता पैनल अधिवक्ता राघवेन्द्र तिवारी ने किया। संचालन पारा विधिक स्वयं सेवक धमेंद्र कुमार ने किया। पैनल अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि आज का विषय था आदिवासी के अधिकारों की संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाएं से सम्बंधित नालसा योजनाएं 2015, पैनल अधिवक्ता ने बताया कि आजादी के बाद भारतीय संविधान ने जनजातीय लोगों को विशेष दर्जा देने के लिए बहुत से प्रावधान अपनाया तथा सासंद ने विभिन्न रक्षात्मक कानून बनाकर उनके हितों को सुरक्षित रखने के लिए सजग प्रयास किया है और उन्हें आरक्षण और शिक्षा के माध्यम से समाज के सभी वर्गो से जोड़े रखने का प्रयास जारी हैं गरीबी उन्मूलन, निरक्षरता उन्मूलन का कोशिश हो रही है, पैनल अधिवक्ताओं के माध्यम से प्रचार प्रसार कर विधिक अधिकार, सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने का प्रयास हो रहा है और यह भी कोशिश हो रही है कि झुठे केस में कोई आदिवासी न फंसे और उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार हो, अनुसूचित जनजाति एवं परम्परागत वन निवासी एक्ट, अत्याचार निवारण एक्ट,भु अर्जन, पुनर्वास, प्रतिकर एक्ट और भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का लाभ दिलाया जाएगा। इस अवसर पर बहुत संख्या ग्रामीण उपस्थित थे।

सांसद ने की रेल मंत्री से रेल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की निदान की मांग

औरंगाबाद। औरंगाबाद सांसद सुशील कुमार सिंह भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से दिल्ही में मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र एवं जिले के रेल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर पूर्व में रेलगाड़ी के ठहराव के लिए किए गए। माँग से संबंधित एवं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लोकसभा क्षेत्र के अनुग्रह नारायण रोड, रफीगंज एवं गुरारू एवं जिले के नबीनगर स्टेशन का चयन हुआ है। जिसके तहत स्टेशन पर कई तरह के विकास कार्य, आधुनिकीकरण, स्टेशन विकास अभियान के तहत कार्य होना है। इसके अलावा और भी कई मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा किया। रेल मंत्री के द्वारा आश्वासन मिला कि जल्द ही इन सभी बातों पर विशेष रूप से ध्यान देते हुए एवं रेलगाड़ी ठहराव के कार्य को पूर्ण किया जाएगा। मौके पर गया के पूर्व जिलाध्यक्ष धनराज शर्मा उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्य अंग वस्त्र एवं मोमेंटो से सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। कालिका कितने संघ के प्रांगण में मां शक्ति राज्य समिति ने रामनवमी शोभा यात्रा का समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया। जिसमें संस्था के सदस्यों के द्वारा राम नवमी पूजा शोभा यात्रा का समीक्षा की गई इस बैठक का अध्यक्षता संस्था के संरक्षक रिंकू सिंह एवं संलाचन प्रेम गुप्ता ने की।

इस बैठक में गरिमामई उपस्थिति के रूप में नगर परिषद के अध्यक्ष उदय कुमार गुप्ता, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन सतीश कुमार सिंह, वार्ड पार्षद रंजय अग्रहरि, समाजसेवी दीनदयाल जी अमित गुप्ता जी साथ में अन्य गणमान्य जन मौजूद थे। संस्था के सचिव चंदन गुप्ता जी के द्वारा शोभायात्रा में किए गए खर्च का कुल व्यौरा बैठक में प्रस्तुत की गई। संस्था के सदस्यों द्वारा सभी गणमान्य जनों का अंग वस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। संस्था के उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों के बीच अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर उनके कार्य की सराहना की गई। बैठक में सभी लोगों ने शोभा यात्रा की खूब सराहना की । बैठक में शामिल सभी लोगों ने एक स्वर में शोभायात्रा में शामिल अमरनाथ की मंदिर, राफेल एवं आतंकवादी के रूप में आए कलाकारों का लोगों ने सराहना किया। मौके पर संस्था के मुख्य सलाहकार बिंदु गुप्ता, लड्डू गुप्ता, मनीष गुप्ता, सदस्य गोल्डन गुप्ता, सोनू गुप्ता, संदीप गुप्ता उर्फ संडे शंकर गुप्ता, सिकंदर मेहता, रोशन मिश्रा, रितिक मिश्रा, अजीत कुमार, विक्की कश्यप सहित अन्य सदस्य गन मौजूद रहें।

डीएम ने निमार्णाधीन आवासीय जीएनएम व पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा सदर अस्पताल के निकट निमार्णाधीन आवासीय जीएनएम एवं पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट के कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया गया। गौरतलब हो कि उक्त भवन का निर्माण 20.48 करोड़ की लागत से सदर अस्पताल के दूसरी ओर बीएमएसआईसीएल के माध्यम से किया जा रहा है। विदित है कि जीएनएम एवं पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट का निर्माण 2 साल के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य था जिसके अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि 06 अक्टूबर 2023 है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात इंस्टिट्यूट में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं यथा जीएनएम, एलटी एवं अन्य पैरामेडिकल प्रशिक्षु सदर अस्पताल में प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सीय कार्य में सहयोग भी प्रदान करेंगे जिससे सदर अस्पताल में स्किल्ड पैरामेडिकल स्टाफ की संख्या एवं उपचार की गुणवत्ता को भी बढ़ाया जा सकेगा। इसके निर्माण से सदर अस्पताल, औरंगाबाद के प्रबंधन एवं चिकित्सीय व्यवस्था में अपेक्षित सुधार होगा। उक्त भवन में मुख्य तौर पर 3 भवन बनने हैं। जिला पदाधिकारी द्वारा नक्शे के अनुसार सभी भवनों में हो रहे कार्य की भी जांच की गई। जिला पदाधिकारी द्वारा भवन के प्रत्येक हिस्से के कार्य को देखा और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कहा गया। साथ ही सिविल सर्जन को लगातार भ्रमण करने एवं कार्य की गति बनाए रखने के लिए निदेशित किया गया।

पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

मां को श्रद्धांजलि देते बेटियों के भर आई आंखें, याद किए साथ बिताए पल

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। नवादा निवासी विश्वनाथ गुप्ता की पत्नी किरण देवी का निधन पिछले दो वर्ष पहले हो गया। वे धार्मिक एवं दयावान महिला थी और कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थी। उनके पुण्यतिथि पर शनिवार को नवादा स्थित विश्वकिरण आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जहां लोगों ने उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रधांजलि दी। वही दोनों बेटियां पिंकी कुमारी और स्वीटी भारती ने अपनी मां को श्रद्धांजलि देते वक्त अपनी आंखों के आंसू को रोक नहीं पाई, बताया की मां हमारे जीवन में कितनी खास थी । मां एक शब्द नही सम्पूर्ण ब्रह्मांड है , मां के नीचे ही हमारा सारा जहान था , मां ने पग पग पर हमलोगों के साथ ही नही दिया बल्कि जब जरूरत पड़ी हमलोगों की ढाल बनकर रक्षा भी की। 8 अप्रैल 2021 को मां ने तन से तो साथ छोड़ दिया परन्तु मन से आज भी हमलोगों के पग पग पर मार्गदर्शन और रक्षा करती है । मां याद तो बहुत आती है , उसका हमलोगों के घर लौटने तक इंतजार करना हमलोगों को आज भी याद आती है। घर आते ही लगता है जैसे मां कह रही हो इतनी देर क्यो लगा दी , जल्दी खाना खा लो । पर आज ना दरवाजे पर इंतजार करती मां है न हंसते हुए चेहरे के पीछे दुख के आंसू पोछने वाली आंचल है। श्रधांजलि देने वालों में किरण देवी के दामाद मनोज कुमार, प्रकाश भूषण जबकि उनकी छोटी बेटी शिल्पा साव व दामाद सुजीत कुमार ने जमशेदपुर में ही श्रधांजलि दी। प्राची, शगुन, हर्षित ,संचित, ने भी अपनी नानी को श्रधांजलि दी।

बिहार ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन करेगा पटना रुमेटोलॉजी कोर्स का आयोजन

देशभर के प्रख्यात फैकल्टी आज देंगे व्याख्यान

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। इंडियन ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन के सहयोग से बिहार ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन 9 अप्रैल (रविवार) को होटल चाणक्य, पटना में एक दिवसीय पटना रुमेटोलॉजी कोर्स 2023 का आयोजन करने जा रहा है। इसमें देशभर के प्रख्यात फैकल्टी अपना व्याख्यान देंगे और रुमेटोलॉजी के कठिन नैदानिक परिदृश्यों पर चर्चा करेंगे।

इस कोर्स के विषय में विस्तृत जानकारी देने के लिए शनिवार को होटल चाणक्य में एक संवाददाता सम्मेलन किया गया। संवाददाताओं को सम्बोधित करते हुए आयोजन सचिव डॉ राजीव आनंद ने बताया कि यह कोर्स रूमेटाइड आर्थराइटिस, स्पोंडिलोआथ्रोपैथी और अन्य गठिया रोगों सहित विभिन्न रुमेटोलॉजी स्थितियों के प्रबंधन में व्यावहारिक सुझावों के माध्यम से आथोर्पेडिक सर्जनों को जरूरी दिशा-निर्देश देगा।

इसमें बेंगलुरु के डॉ. एसएस अमरनाथ और पटना के डॉ. एसएस झा सहित विद्वान फैकल्टी ट्रेनर पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के गैर-ऑपरेटिव उपचार विकसित करने पर व्यापक विचार-विमर्श करेंगे। मंगलुरु के डॉ. योगेश कामत भी कूल्हे और घुटने के संयुक्त प्रतिस्थापन में विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर चर्चा करेंगे। इस कोर्स के दौरान आमवाती रोगों का जल्द पता लगाने और निदान पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिससे लक्षित उपचार शुरू करके रोग की जल्द से जल्द रोकथाम की जा सकेगी।

बेंगलुरु की इम्यूनोपैथोलॉजिस्ट डॉ. रेणुका विभिन्न बायोमार्कर सहित विभिन्न विस्तृत जांचों पर चर्चा करेंगी। डॉ रेणुका विभिन्न बायोमार्कर के उपयोग से रोग के पूवार्नुमान में आथोर्पेडिक सर्जनों को प्रशिक्षण भी देंगी। आयोजन सचिव पटना के डॉ. राजीव आनंद अल्ट्रासोनोग्राफी, एक्स-रे और एमआरआई सहित इमेजिंग तकनीकों के बारे में चर्चा करेंगे।

संवाददाता सम्मेलन में डॉ. एस चंद्रशेखर, प्रेसिडेंट इलेक्ट, इंडियन रेमेटोलॉजी एसोसिएशन, बेंगलुरु और डॉ. एस.एस. झा, नेशनल चेयरमैन, इंडियन ऑथोर्पेडिक एसोसिएशन कमेटी ऑन ऑथोर्पेडिक रुमेटोलॉजी के अलावा डॉ रंजीत कुमार सिंह, डॉ महेश प्रसाद, आयोजन सचिव डॉ राजीव आनंद और डॉ अमूल्य सिंह उपस्थित थे।

सरकार ने आठ सालों में बांटे 23 लाख करोड़ रुपये से अधिक के लोन, आप कैसे उठा सकते हैं फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक और वित्तीय संस्थाओं की ओर से प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत पिछले आठ सालों में 40.82 करोड़ लाभार्थियों को 23.2 लाख करोड़ के लोन बांटे जा चुके हैं। ये जानकरी सरकार की ओर से योजना शुरू होने के आठ साल पूरे होने पर दी गई।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना को केंद्र सरकार द्वारा 8 अप्रैल,2015 को लॉन्च किया गया था। इसमें सरकार की ओर से बिना कुछ गिरवी रखे हुए व्यापार शुरू करने के उद्देश्य से छोटे व्यापारियों और नॉन- कॉरपोरेट को 10 लाख रुपये तक का लोन दिया जाता है।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए बयान के मुताबिक, पीएमएमवाई के तहत लोन बैंकों, वित्तीय संस्थाओं जैसे एनबीएफसी और माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूट के माध्यम से दिए जा रहे हैं।

68 प्रतिशत लोन महिलाओं को: पीएमएमवाई में करीब 68 प्रतिशत लोन महिला उद्यमियों को दिए गए हैं और योजना के तहत आने वाले 51 प्रतिशत खाते एससी/एसटी और ओबीसी वर्ग के उद्यमियों के हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से इस दौरान कहा गया कि पिछले आठ सालों में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 40.82 करोड़ लाभार्थियों को 23.2 लाख करोड़ रुपये के लोन बांटे जा चुके हैं। यह दर्शाता है कि देश के नए उद्यमियों को लोन की आसान उपलब्धता से इनोवेशन और प्रति व्यक्ति आय में निरंतर वृद्धि हुई है।

आगे उन्होंने कहा कि एमएसएमई का मेक इन इंडिया में बड़ा योगदान है। इनके विकास के कारण देश में घरेलू खपत के साथ-साथ निर्यात के लिए भी प्रोडक्शन बढ़ा है। एमएसएमई को पीएमएमवाई स्कीम से काफी सहारा मिला है।

कैसे ले सकते हैं लोन: प्रधानमंत्री मुद्रा योजना छोटे व्यवसायों को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई थी। इसके तहत बैंक तीन श्रेणियों - शिशु (50,000 रुपये तक), किशोर (50,000 रुपये से 5 लाख रुपये के बीच) और तरुण (10 लाख रुपये) लोन प्रदान करते हैं। कुल बांटे गए लोन में शिशु का 83 प्रतिशत, किशोर का 15 प्रतिशत और शेष 2 प्रतिशत तरुण है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए आप अपने नजदीकी बैंक में आवेदन कर सकते हैं।

हिमाचल में प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को किया जाएगा प्रोत्साहित

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक तरीके से खेती करने वाले लगभग 1.5 लाख किसानों को प्रोत्साहित करने के साथ प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना (पीके3वाई) के तहत प्रमाणित किया जाएगा। कृषि सचिव राकेश कंवर ने कहा एक अध्ययन के अनुसार, 28 प्रतिशत किसानों ने बिना किसी प्रशिक्षण के एक दूसरे से सीखते हुए अपने दम पर प्राकृतिक कृषि तकनीकों को अपनाया है। इसलिए इस वित्त वर्ष में प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना का मुख्य ध्यान प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के समेकन पर होगा। शुक्रवार को यहां जारी एक बयान में कहा गया है कि राज्य में संकुल आधारित कृषि विकास कार्यक्रम पर चर्चा के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-24 में प्राकृतिक खेती करने वाले लगभग 1.5 लाख किसानों को प्रमाणित करने का प्रयास किया जाएगा। कंवर ने कहा कि मौजूदा किसानों के समेकन, प्राकृतिक खेती के तहत उनके रकबे को बढ़ाने, कार्यशालाओं के आयोजन और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण जैसी चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

सर्वे: खाद्य वस्तुओं में नरमी से 6 फीसदी के नीचे आ सकती है खुदरा महंगाई, कच्चा तेल बढ़ा सकता है सिरदर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। खाने-पीने की वस्तुओं के दाम घटने से मार्च, 2023 में खुदरा महंगाई 6 फीसदी से कम रह सकती है। खुदरा कीमतों पर आधारित (सीपीआई) महंगाई पिछले दो महीने से लगातार आरबीआई के 6 फीसदी से संतोषजनक दायरे से ऊपर रही है। रॉयटर्स की ओर कराए गए सर्वे में अर्थशास्त्रियों ने कहा, खुदरा महंगाई में लगभग आधी हिस्सेदारी रखने वाले खाद्य वस्तुओं की महंगाई में सब्जियों के दाम घटने के कारण सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि, अनाज की कीमतों में बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई में कमी थोड़ी सीमित रह सकती है। इसके बावजूद सीपीआई महंगाई 5.80 फीसदी रह सकती है। सरकार मार्च के लिए खुदरा महंगाई के आंकड़े 12 अप्रैल, 2023 को जारी कर सकती है। इससे पहले फरवरी, 2023 में खुदरा महंगाई 6.44 फीसदी और जनवरी में 6.52 फीसदी रही थी। 39 अर्थशास्त्रियों के बीच कराए गए सर्वे में कहा गया है कि मार्च में खुदरा महंगाई 5.40 से 6.40 फीसदी के दायरे में रह सकती है। वहीं, 25 फीसदी अर्थशास्त्रियों का मानना है कि इस बार भी सीपीआई महंगाई आरबीआई के संतोषजनक दायरे से बाहर रह सकती है। पिछले साल जनवरी से लेकर अक्तूबर तक यानी लगातार 10 महीने तक खुदरा महंगाई केंद्रीय बैंक के ऊपरी दायरे 6 फीसदी से अधिक रही थी। हालांकि, नवंबर, 2022 और दिसंबर, 2022 में ही यह 6 फीसदी से नीचे आई थी।

कच्चा तेल बढ़ा सकता है सिरदर्द: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अर्थशास्त्री सुजीत कुमार का कहना है कि सब्जियों और ईंधन के भाव में आई गिरावट से महंगाई में कमी आई है। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल के निचले स्तर से 20 फीसदी से अधिक की तेजी आई है। इसके अलावा, ओपेक प्लस देशों के कच्चे तेल के उत्पादन में 11.6 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती के अचानक फैसले से कच्चे तेल के दाम अभी और बढ़ेंगे। इससे ईंधन के भाव में तेजी आएगी, जिसका असर खुदरा महंगाई पर दिख सकता है।

अभी खत्म नहीं हुआ जोखिम: आरबीआई का कहना है कि जब तक महंगाई संतोषजनक दायरे में नहीं आती है, तब तक इसके खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। रबी फसल का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। इससे खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में नरमी आएगी। हालांकि, पशुचारे के दाम बढ़ने से गर्मियों में दूध के दाम ऊंचे स्तर पर बने रहेंगे।

प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियां भविष्य में महंगाई के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजार में बढ़ती अनिश्चितता और आयातित महंगाई दबाव पर भी नजदीकी नजर रखने की जरूरत है।

पहली तिमाही से राहत संभव: खुदरा महंगाई के मोर्चे पर 2023-24 की पहली तिमाही से राहत मिल सकती है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा महंगाई के अनुमान को घटाकर 5.2 फीसदी कर दिया है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि अगर कच्चे तेल की कीमत औसतन 85 डॉलर प्रति बैरल पर रहती है तो चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई 5.2 फीसदी रहेगी। पहली तिमाही में यह 5.1 फीसदी रह सकती है। दूसरी एवं तीसरी तिमाही में यह थोड़ी बढ़कर 5.4 फीसदी पर पहुंच सकती है, जबकि चौथी तिमाही में घटकर 5.2 फीसदी रह सकती है।

कार खरीदने के लिए औसतन तीन घंटे ही ऑनलाइन खोज करते हैं भारतीय

नई दिल्ली, एजेंसी। कार खरीदने के लिए भारतीय औसतन महज तीन घंटे ही ऑनलाइन खोज करते हैं। इसके जरिये वे कारों की कीमत से लेकर अन्य जानकारियां हासिल करते हैं। कार्स24 ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि ऑनलाइन कार खरीदने की बढ़ती मांग को देखते हुए कई डीलरों ने भी पूरी बिक्री प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है। इससे ऑनलाइन खरीदारी पहले से आसान हो गई है। खरीदार घर बैठे ही पूरी खरीद प्रक्रिया पूरी कर लेता है। कार्स24 के सह-संस्थापक गजेंद्र जांगिड़ ने कहा कि कोरोना काल के बाद वर्क फ्रॉम ऑफिस का चलन शुरू होने के बाद प्री-ओन्ड कारों की बिक्री में तेजी देखी गई है।

पुरानी कारों की बिक्री 100 फीसदी बढ़ी: रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय उपभोक्ताओं में प्री-ओन्ड (पुरानी) कारें खरीदने और बेचने को लेकर एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। इससे कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली तिमाही में पुरानी कारों की मांग सालाना आधार पर 100 फीसदी बढ़ी है।प्री-ओन्ड कार मार्केट में मारुति सुजुकी का दबदबा है। शहरों के लिहाज से पहली तिमाही में लखनऊ और पटना में प्री-ओन्ड कारों की डिलीवरी में तेज वृद्धि दर्ज की गई।

ब्रोकरेज कंपनी ने आर्थिक वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 5.3 फीसदी किया, आरबीआई ने लगाया था अलग अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। जापानी ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने कहा कि आरबीआई का 2023-24 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान 'बहुत आशावादी' है। अक्तूबर, 2023 से ब्याज दर में कटौती का सिलसिला शुरू हो सकता है।

नोमुरा ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं व अन्य चुनौतियों के बीच आरबीआई का यह अनुमान बहुत आशावादी है। ब्रोकरेज कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर के घटकर 5.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई के वृद्धि पूर्वानुमान में एक फीसदी से ज्यादा की कमी की आशंका जताते हुए कमजोर वैश्विक वृद्धि व घरेलू मौद्रिक नीति में सख्ती के प्रभावों को इसके लिए जिम्मेदार बताया है।

पीछे छूट गया महंगाई का सबसे बुरा दौर: नोमुरा ने महंगाई संबंधी आरबीआई के पूर्वानुमान से सहमति जताते हुए कहा, सकल मुद्रास्फीति का सबसे बुरा दौर पीछे छूट चुका है। इसलिए केंद्रीय बैंक जून की मौद्रिक समीक्षा बैठक में भी रेपो दर में वृद्धि पर रोक जारी रख सकता है। हालांकि, जून के बाद महंगाई के लक्ष्य से थोड़ा पीछे रहने और आर्थिक वृद्धि पर उसका असर पड़ने की आशंका भी जताई है।

टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्युशंस ने ब्रिटेन सरकार से अनुबंध किया, कलपुर्जों की आपूर्ति करेगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला प्रदाता टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्युशंस ने ब्रिटेन सरकार के साथ अनुबंध किया है।

कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि वह इसके तहत लैंड रोवर वॉल्फ प्लेटफॉर्म के लिए कलपुर्जे और अन्य सहायक उपकरणों की आपूर्ति करेगी। यह अनुबंध दो साल का है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) रवि विश्वनाथन ने कहा, यह व्यावसायिक जीत ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के कई वाहन मंचों को समर्थन देने के लिए आपूर्ति श्रृंखला क्षमता प्रदान करने में टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस की मजबूत स्थिति का प्रमाण है।

अर्ली स्प्रिंग में 100 करोड़ रुपये निवेश करेगी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स

नयी दिल्ली, एजेंसी। दैनिक उपयोग का उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) स्प्रिंग मार्केटिंग कैपिटल (स्प्रिंग) द्वारा स्थापित एक नए उपभोक्ता कोष अर्ली स्प्रिंग में 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बताया कि स्प्रिंग एक 'ब्रांड-फर्स्ट' निवेश फ्रेंचाइजी बना रहा है जिसका उद्देश्य भविष्य के ब्रांड का निर्माण कर रहे संस्थापकों का समर्थन करना है। गोदरेज समूह की एफएमसीजी इकाई जीसीपीएल संस्थापकों को मजबूत और टिकाऊ कंपनियां बनाने में मदद करने के लिए अपनी विशेषज्ञता और अनुभव का लाभ देने की पेशकश के अलावा स्प्रिंग द्वारा स्थापित किए जा रहे 300 करोड़ रुपये के एक नए शुरुआती-उपभोक्ता कोष में प्रमुख निवेशकर्ता होगा।

फोनपे संग सौदा टूट जाने के बाद जेस्टमनी कर रही 100 कर्मियों की छंटनी

नई दिल्ली, एजेंसी। जेस्टमनी अपने कर्मचारियों के करीब 20 फीसदी हिस्से यानी 100 कर्मियों की छंटनी कर रही है। फिनटेक फर्म फोनपे की तरफ से हाल में बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) प्लेटफॉर्म का प्रस्तावित अधिग्रहण पर विराम लगाने के बाद कंपनी छंटनी का कदम उठा रही है। गोल्डमैन सैक्स और श्याओमी समर्थित बेंगलूरु की जेस्टमनी के पास करीब 450 कर्मचारी हैं और अगर अधिग्रहण हुआ होता तो इन सभी कर्मियों को फोनपे की तरफ से अपने यहां समायोजित किए जाने की उम्मीद थी।

जेस्टमनी के संस्थापकों ने 30 मार्च की शाम बैठक आयोजित की और विभिन्न विभागों से कर्मियों की छंटनी के बारे में कर्मचारियों को बताया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। फोनपे कुछ कर्मियों को नियुक्त करने के लिए जेस्टमनी से बातचीत कर रही है। एक सूत्र ने कहा, कंपनी कारोबारी निरंतरता या अस्तित्व बचाने की योजना पर काम कर रही है और छंटनी इसी का हिस्सा है। फोनपे प्रबंधन की बातचीत जेस्टमनी से फर्म में बचे 350 कर्मचारियों में से कुछ को नियुक्त करने पर हुई है और यह बातचीत अभी जारी है। जेस्टमनी ने इस बारे में पूछे जाने पर कोई टिप्पणी नहीं की। निकाले गए कर्मचारियों को सेवरेंस पैकेज मिलेगा, जिसमें स्वास्थ्य बीमा शामिल है। सूत्रों ने कहा, फोनपे के साथ 15 से 30 करोड़ डॉलर वाला सौदा ड्यू डिलिजेंस में खामियां, मूल्यांकन पर असहमति, कारोबारी निरंतरता और जेस्टमनी की शेयरधारिता के ढांचे के कारण टूट गया।

सरकार की स्कीम में आपकी बेटी को मिलेंगे 42.48 लाख, हर महीने जमा करें बस इतनी रकम

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के लिए छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दर घोषित की है। इस बार सरकार ने जिन योजनाओं की ब्याज दर बढ़ाई है, उसमें सुकन्या समृद्धि योजना भी शामिल है। इस चर्चित योजना की ब्याज दर को 7.60 प्रतिशत से बढ़ाकर 8 प्रतिशत कर दिया गया है। बता दें कि नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में सुकन्या समृद्धि योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत आप 10 साल तक की बिटिया के लिए सुकन्या समृद्धि अकाउंट खुलवा सकते हैं। इस अकाउंट में बिटिया के भविष्य के लिए मोटी रकम जुटाई जा सकती है। आज हम आपको बताएंगे कि इस अकाउंट के जरिए कैसे बिटिया के लिए 40 लाख रुपये से ज्यादा का इंतजाम कर

पाएंगे। मान लीजिए कि आपका महीने का निवेश 12,500 रुपये है। इस तरह हर साल आपका निवेश 1,50,000 लाख रुपये होगा। सुकन्या समृद्धि अकाउंट की मैच्योरिटी 15 साल पर होती है। आप 15 साल तक 1,50,000 लाख रुपये प्रति वर्ष का निवेश करते हैं तो आपका कुल निवेश 22.50 लाख रुपये का होगा। इस निवेश पर 8 प्रतिशत की दर से कुल 19.98 लाख रुपये का ब्याज बनता है। इस तरह, मैच्योरिटी पर कुल रकम 42.48 लाख रुपये होगी।

रिलायंस ज्वेल्स ने राजसी तंजावुर कलेक्शन को प्रदर्शित किया

मुंबई, एजेंसी। भारत के एक मुख्य आभूषण ब्रांड,रिलायंस ज्वेल्सने गर्व से अपनाशानदार अक्षय तृतीया कलेक्शन लॉन्च- तंजावुरको प्रदर्शितकिया। सम्मोहक कर देने वाले मंदिरों, शाही दरबार हॉल, बोम्मई डोल और आर्टिस्टिक पूम्पुहर जहाजों से प्रेरित एक बहुत ही सुंदर आभूषण कलेक्शन।यह मेगा लॉन्च इवेंट बुधवार, 5 अप्रैल 2023 को शांगरी-ला, बैंगलोर में हुई, और इसमें एचएनआई ग्राहकों, मीडिया, फैशन बन्धुत्व और संभावित खरीदारों ने हिस्सा लिया।

इस इवेंटकाप्रमुख आकर्षण का केंद्र शानदार शो स्टॉपर जाह्नवी कपूर थीं, जिन्होंने राजसी तंजावुर कलेक्शन आभूषण पहनकर रैंप की शोभा को बढ़ाया। जाह्नवी कपूर शोस्टॉपर ज्वैलरी को पहनकर रैंप वॉक करते हुए बहुत आकर्षित लग रही थीं। उसने हीरे जड़ित हार और झुमके का कलेक्शन पहना था, जो मंदिर के मिक्स डिजाइनों से प्रेरित था, जिसे रोज़ गोल्ड में तैयार किया गया था। पेचीदा कारीगरी और डिजाइन की डिटेल पर ध्यान ने तंजावुर के ऐतिहासिक राज्य के मूलतत्त्व को पूरी तरह से पकड़ लिया। जाह्नवी कपूर की शो-स्टॉपर मौजूदगी के अलावा, रनवे ने सोने और हीरे के कलेक्शन की एक विस्तृत रेंजको प्रदर्शित किया,

जो क्षेत्र की आर्ट और आर्किटेक्चर से प्रेरित थे। कलेक्शन में पारंपरिक, समकालीन और फ्यूजन सहित विभिन्न डिजाइन शामिल थे, जो ग्राहकों के विविध पसंद और वरीयताओं को पूरा कर रहे थे।

रिलायंस ज्वेल्स का तंजावुर कलेक्शन उत्तम आभूषणों की एक विशाल श्रृंखला प्रदान करता है जो शादी से लेकर उत्सव के कार्यक्रमों और विशेष अवसरों तक हर अवसर के लिए परफेक्ट हैं। इस कलेक्शन में शानदार नेकलेस सेट, चोकर्स, लेयर्ड नेकलेस, चूड़ियां, ब्रेसलेट, झुमके, अंगूठियां, कमरबंद, मांग टीका, कान की चेन और अन्य बहुत कुछ शामिल हैं और प्रत्येक को आपके पहनावे में लालित्य और परिष्कार के स्पर्श को जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है। तंजावुर के ऐतिहासिक राज्य में निहित इसकी प्रेरणा के साथ, कलेक्शन परंपरा और समकालीन डिजाइनों का एक आदर्श मिश्रण है, जो इसे आज की फैशन के प्रति जागरूक महिलाओं के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाता है। चाहे आप एक स्टेटमेंट पीस या कुछ छोटी सी चीज़ की खोज कर रहे हों, तंजावुर कलेक्शन में हर एक के स्वाद और शैली के अनुरूप कुछ न कुछ है। कुल मिलाकर, रिलायंस ज्वेल्स द्वारा लॉन्च किया गया तंजावुर कलेक्शन एक बड़ी सफलता और भारतीय कला और शिल्प कौशल का एक सच्चा उत्सव था।

मार्च में एफडीसीआई के साथ पार्टनरशिप में लक्मे फैशन वीक में कलेक्शन के प्राभ्यास के साथपूर्व अभियान गतिविधियां शुरू की गई। प्रसिद्ध डिजाइनर मोनिशा जैसिंग के सहायता से इस कलेक्शन को रनवे पर प्रदर्शित किया गया। इस हाउस-फुलशो में फैशन बन्धुत्व और भावी टीजी के लोगों ने भाग लिया।

ज़ोडियाक पेश करते हैं समर 2023 पोसिटानो लिनेन कलेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। लिनेन कपड़ों की बुनाई में इस्तेमाल होने वाले सबसे पुराने रेशों में से एक है। पटसन के पौधे के तने से लिया जाने वाला लिनेन दुनिया का सबसे मजबूत प्राकृतिक रेशा माना जाता है। लिनेन के कपड़े की बुनाई सुनिश्चित करती है कि हवा की आवाजाही आसान रहे और इस तरह यह गर्मियों के लिये आदर्श कपड़ा है। ज़ोडियाक उस लिनेन का इस्तेमाल करती है, जिसे फ्रांस के नॉर्मंडी क्षेत्र में उगने वाले पटसन से बुना जाता है और यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता वाले पटसन में से एक है। इस क्षेत्र की अनोखी मिट्टी और जलवायु से जब पटसन के साथ स्थानीय किसानों की कई पीढ़ियों की विशेषज्ञता का मेल होता है, तब पटसन के ज्यादा लंबे और सुडौल पौधे प्राप्त होते हैं और बहुत ऊँची गुणवत्ता का लिनेन कपड़ा भी। हर बार धोने और पहनने पर लिनेन के शर्ट्स ज्यादा आरामदायक हो जाते हैं और उनकी सुंदर तथा प्राकृतिक झुर्रियाँ आपके समर लुक की शान को बढ़ाती ही हैं। इस कलेक्शन के रंगों में इटालियन रिवेरा के अमल्फि कोस्ट पर स्थित एक नायाब कस्बे पोसिटानो का सम्मोहक दृश्य है, जिसमें मटमैले, गुलाबी, पीले और टेरा कोटा के घर पहाड़ियों के ढलान से नीचे नीले और साफ भूमध्यसागरीय जल की ओर आते हैं।

हुबनर इंडिया ने नम्मा फैक्ट्री का उद्घाटन किया

बेंगलुरु। बेंगलुरु के करीब अपने नए प्लांट के साथ हुबनर ग्रुप भारत में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहा है तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मोबिलिटी बाज़ारों के लिए अपनी उत्पादन क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। व्यापारिक साझेदारों व अन्य विशिष्ट अतिथियों के संग कंपनी के मालिक रीनहार्ड हुबनर, प्रबंध निदेशक काइ मेन्टेल और साइट मैनेजर उवे स्परबर ने ''नम्मा फैक्ट्री'' के आधिकारिक उद्घाटन समारोह में शिरकत की। हुबनर ग्रुप के प्रबंध निदेशक काइ मेन्टेल ने कहा, ''नई 'नम्मा फैक्ट्री' से हुबनर के लिए ज्यादा प्रभावी ढंग से परिचालन करना संभव हो जाएगा तथा भारत के उभरते बाजार में कंपनी ज्यादा लचीले तरीके से और छोटे डिलिवरी रूट से परिचालन कर पाएगी। नई जगह पर स्थानीय उत्पादन के साथ हम न केवल लोकलाइज़ेशन की जरूरतों को पूरा करने व अपने ग्राहकों विश्वसनीय सेवाएं देने का काम कर रहे हैं बल्कि हम हुबनर ग्रुप के संपूर्ण वैश्विक उत्पादन नेटवर्क को भी मजबूत कर रहे हैं।''

शानदार संभावनाओं वाली प्रोडक्शन लोकेशन: हुबनर के लिए भारत एक ऐसी जगह है जहां न सिर्फ भारत के बल्कि पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के मोबिलिटी बाजारों के लिए जबरदस्त मैन्युफैक्चरिंग संभावनाएं हैं। ''अपनी रणनीति के अनुसार हम भारत में अपने ग्राहकों तक नज़दीकी बनाने पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं,'' काइ मेन्टेल ज़ोर देते हुए कहते हैं। ''हम भारत में, भारत के लिए मैन्युफैक्चर करना चाहते हैं। और, बतौर हुबनर ग्रुप हमारा लक्ष्य स्थानीय तकनीकी जानकारी को मजबूत बनाना तथा स्थानीय इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का विस्तार करना है।'' हुबनर की भारतीय सहयोगी हुबनर इंटरफेस सिस्टम्स इंडिया प्रा.लि. (एचआईएन) अपनी पिछली लोकेशन डबासपेटे से हट कर मलोनागाथिहल्ली, नेलामंगला तालुक (बेंगलुरु के पास) नए प्लांट में परिचालन शुरु कर चुकी है, वर्ष 2022 के अंत तक इसमें लगभग 125 कर्मचारी कार्यरत थे। वर्ष 2023 के अंत तक कर्मचारियों की तादाद बढ़कर 175 हो जाने की उम्मीद है। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लचीले ढंग से क्षमताओं को अपनाया जा रहा है नया प्लांट ''नम्मा फैक्ट्री'' (यानी हमारी फैक्ट्री) प्रोजेक्ट का हिस्सा है जिसकी शुरुआत 2020 में हुई थी। इस प्लांट को 'हरित' कारखाने के तौर पर डिजाइन किया गया है। ''हम बहुत खुश हैं की 'नम्मा फैक्ट्री' आधिकारिक उद्घाटन के बाद सही अर्थों में 'हमारी फैक्ट्री' बन जाएगी,'' हुबनर इंडिया के साइट मैनेजर उवे स्परबर ने कहा। ''यह प्लांट सटीकता से हमारी जरूरतों के मुताबिक तैयार किया गया है।

गोलकीपर सविता पूनिया शादी के बंधन में बंधी

टोक्यो ओलिंपिक में खेलते देख पसंद आई थीं सविता पूनिया, एड्रेस पता कर रिश्ता भेजा

हिसार (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया की शादी एनआरआई अंकित बल्हारा से हुई। भारतीय हॉकी टीम की कप्तान और गोलकीपर सविता पूनिया शादी के बंधन में बंध गई है। सिरसा के जोधकां गांव की रहने वाली सविता पूनिया ने कनाडा के अंकित बल्हारा से शादी की। शादी जीरकपुर में एक निजी पैलेस में हुई है। यह अरेंज मैरिज है। सविता के लिए वर की तलाश उसके परिजनों ने की। अंकित मूल रूप से सोनीपत के रहने वाले हैं।

शादी को लेकर सविता पूनिया ने मीडिया से बातचीत में कुछ दिलचस्प बातें शेयर करते हुए बताया कि टोक्यो ओलिंपिक में उनके पति और सास ने उसके सभी मैच देखे। उन्हें जब पता चला कि वह सिरसा में रहती है तो उन्होंने रिश्तेदारों के माध्यम से उनके परिवार से संपर्क साधा। इसके बाद बातचीत शुरू हुई तो अंकित और पूरा परिवार अच्छा लगा। जैसा मैं चाहती थी वैसा ही परिवार मिला। टोक्यो ओलिंपिक के तीन महीने बाद हमारी बातचीत शुरू हुई थी।

सविता बोलीं- मैं चाहती थी पापा पसंद करे लड़का

सविता ने कहा कि वह चाहती थी कि उसके पापा अपनी पंसद से उसके लिए लड़का देखें। परंतु पापा ने शादी की बात मेरे पर छोड़ दी। पापा ने कहा कि हमें लड़का और परिवार पसंद है, अब तुम देखो। इसके बाद हमारी बातचीत शुरू हुई और मुझे पूरा परिवार अच्छा लगा।

12 अप्रैल को कैंप में वापसी

सविता पूनिया ने कहा कि शादी के लिए थोड़ा सा समय ही निकल पाया। 26 मार्च को वह कैंप से छुट्?टी लेकर आई है और 12 अप्रैल को वापस कैंप में शामिल होने जा रही हैं। शादी के बाद केवल एक सप्ताह का समय ही मिला। उसकी इन लॉ फैमिली मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए इंडिया आई थी। इसलिए हमारे पास थोड़ा टाइम था।

अध्यक्ष टर्की की परिवार से खेलने देने की गुजारिश

सविता की शादी में भारतीय हॉकी टीम के अध्यक्ष दलीप टर्की भी पहुंचे। दलीप टर्की ने दोनों को आशीर्वाद देते हुए अंकित से कहा कि उनकी गुजारिश है कि हमारी बेटी को 2024 के ओलिंपिक तक जरूर खेलने देना। तब अंकित और ससुराल पक्ष के लोगों ने कहा कि आप ब्रेफिक हो जाएं। इसका खेलना यूं ही जारी रहेगा। हम भी इसे अगले ओलिंपिक में खेलते देखना चाहते हैं।

हरियाणवी कलाकार के बेटे हैं अंकित बल्हारा

सविता पूनिया की शादी हरियाणवी फिल्म चंद्रावल के डायरेक्टर और कलाकार भाल सिंह बल्हारा के बेटे अंकित बल्हारा से हुई है। अंकित कनाडा में बैंक में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। साथ ही प्लेबैक सिंगर भी है। वे 2012 से कनाडा में सैटल है।

श्रीलंका-न्यूजीलैंड में चल रहा था लाइव मैच

अचानक आया बड़ा प्लेन, वीडियो हुआ वायरल

क्वीन्सटाउन (एजेंसी)। स्टेडियम में आए सभी क्रिकेट फैंस अपनी आंखें मैदान पर जमाए रखते हैं, क्योंकि किस गेंद पर क्या हो जाएगा इसका अंदाजा नहीं रहता। ऐसे में हर कोई एक पल भी गंवाए बिना मैच को ध्यान से देखता है। शनिवार को न्यूजीलैंड-श्रीलंका के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का आखिरी व निर्णायक मैच बेहद रोमांचक रहा, जहां न्यूजीलैंड ने बाजी मार ली। लेकिन इस मैच के बीच एक पल ऐसा भी आया जब फैंस ही नहीं बल्कि मैदान पर दम दिखा रहे खिलाड़ियों का ध्यान भी पूरी तरह से भटक गया।

अचानक आया बड़ा प्लेन

जी हां...हुआ कुछ ऐसा कि जब लाइव मैच चला हुआ था तो अचानक एक पड़ा प्लेन आ गया। उस प्लेन को देखने के लिए सभी ने अपनी निगाहें मैच से हटा लीं। यह उस समय हुआ जब न्यूजीलैंड खेल रहा था। उनकी पारी के दौरान 14वें ओवर में स्टेडियम में एक प्लेन लैंड करता हुआ दिखाई दिया, जिसको देखकर स्टेडियम में बैठा हर एक शख्स हक्का-बक्का रह गया। प्लेन लैंड कर रहा था, जिसे देखने के लिए ना सिर्फ खिलाड़ियों ने खुद को खेल से कुछ पल के लिए दूर किया, बल्कि स्टेडियम में बैठे फैंस भी पीछे मुड़कर देखने लग पड़े। इसकी वीडियो ब्लैक कैप्स ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर की है। इस दौरान ब्लैक कैप्स ने कैप्शन में लिखा, क्वीन्सटाउन में सर जॉन डेविस ओवल में विमानों के यहां उतरने के रूप में वर्तमान समीकरण। ।

सूर्यकुमार ने मैच से पहले पुरानी यादें ताजा की, कहा-

वानखेड़े में वापस आना घर वापसी जैसा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी 2019 के बाद पहली बार आईपीएल के पारंपरिक घरेलू और दूर के प्रारूप में वानखेड़े स्टेडियम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। शनिवार की शाम मुंबई का सामना चेन्नई सुपकिंग्स से है और इस महा मुकाबले से पहले सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वानखेड़े में वापस आना घर वापसी जैसा लग रहा है।

एमआई टीवी पर सूर्यकुमार यादव ने कहा, जब मैं 2018 में मुंबई इंडियंस में लौटा तो ऐसा लगा कि घर वापसी हो रही है, जहां हर कोई आपका अभिवादन करता है। मुझे भी वही अहसास हुआ। जब मैं पहली बार मैदान पर आया, तो यह बहुत अलग एहसास था। सूर्यकुमार ने कहा, जाहिर है जब आप किसी भी स्टेडियम में आते हैं तो आप बहुत अच्छा महसूस करते हैं। आप स्टेडियम में खेलने की कल्पना करते हैं, जब आप रन बनाते हैं और स्टेडियम में शॉट खेलते हैं तो आपको जो एहसास होता है, वह बहुत अलग एहसास होता है। मुंबई टीम में स्थानीय खिलाड़ियों में से एक के रूप में सूर्यकुमार के पास बचपन से ही इस स्टेडियम की कई यादें हैं, जब वह मुंबई आयु वर्ग की टीमों के लिए खेलते थे। सूर्यकुमार ने कहा, जब स्टेडियम बनाया गया था, तो मैं यहां नियमित था। मैंने घरेलू मैच खेले, आयु-वर्ग के मैच खेले और फिर आईपीएल आया। मैं 2011 से 2013 तक एमआई में था। 2018 में मैं एक छोटे से ब्रेक के बाद फ्रेंचाइजी के साथ फिर से जुड़ गया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे स्टेडियम में माहौल के साथ-साथ एमआई पल्टन के मुखर समर्थन ने उन्हें कड़ी मेहनत करने में मदद की जिससे उन्हें अपनी पूरी क्षमता का एहसास हुआ और भारतीय टीम में उनका प्रवेश हुआ। धमाकेदार बल्लेबाज ने कहा, स्टेडियम में प्रवेश करने के बाद मैं वास्तव में फिर से विशेष महसूस कर रहा था और मुझे लगा कि अगर मुझे इस खूबसूरत स्टेडियम में इस अद्भुत भीड़ के सामने लगातार खेलना है तो मुझे बहुत कड़ी मेहनत करनी होगी। मुझे गुणवत्ता के प्रयास करने होंगे और तब से कड़ी मेहनत कर रहा हूं और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

टी-20 मैच- न्यूजीलैंड ने 1 गेंद रहते जीता रोमांचक मैच, श्रीलंका ने गंवाई सीरीज

क्वींसटाउन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 मैच में श्रीलंका को एक गेंद शेष रहते चार विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से जीत ली । सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने 48 गेंद में 88 रन बनाये जिसकी मदद से न्यूजीलैंड ने आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल किया । इससे पहले श्रीलंका ने छह विकेट पर 182 रन बनाये थे । श्रीलंका ने पहला मैच सुपर ओवर मे जीता था जबकि न्यूजीलैंड ने दूसरा मैच नौ विकेट से अपने नाम किया था । सीफर्ट ने दूसरे मैच में भी 43 गेंद में 79 रन बनाये थे । श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस ने 48 गेंद में 73 रन बनाये जबकि पाथुम निसांका ने 25 और कुसल परेरा ने 33 रन की पारी खेली ।

मेंडिस ने अपनी पारी में छह चौके और पांच छक्के जड़े जबकि सीफर्ट ने दस चौके और तीन छक्के लगाये । सीफर्ट ने पहले विकेट के लिये चाड बोवेस के साथ 53 रन की साझेदारी की और कप्तान टॉम लाथम (31) के साथ दूसरे विकेट के लिए 52 गेंद में 84 रन जोड़े । न्यूजीलैंड का स्कोर चार विकेट पर 153 रन था जब सीफर्ट आउट हुए । उस समय उसे 23 गेंद में 30 रन की जरूरत थी । आखिरी दो ओवरों में न्यूजीलैंड को 17 और आखिरी ओवर में 10 रन चाहिये थे ।

मार्क चेपमैन ने पहली गेंद पर छक्का लगाया लेकिन अगली पर आउट हो गए । जिम्मी नीशाम एक भी गेंद खेले बिना रन आउट हो गए । अब न्यूजीलैंड को चार गेंद में तीन रन चाहिये थे और पांच विकेट बाकी थे । डेरिल मिशेल (15) ने अगली गेंद पर हवाई शॉट खेला और लपके गए । न्यूजीलैंड ने तीन विकेट लगातार गंवा दिये और अब उसे तीन गेंद में तीन रन चाहिए थे। अगली गेंद पर रचिन रविंद्र और एडम मिल्ने ने एक रन लिया । पांचवीं गेंद पर रविंद्र ने दो रन निकालकर टीम को जीत दिलाई ।

रामकुमार सहित चार खिलाड़ी सेमीफाइनल में

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ियों ने शुक्रवार को यहां बी आर आदित्यन मेमोरियल आईटीएफ फ्यूचर्स टेनिस टूर्नामेंट में दबदबा बनाते हुए एकल स्पर्धा के सभी चारों सेमीफाइनल स्थान पक्के किये। युगल फाइनल भी भारतीय खिलाड़ियों के बीच होगा। इसमें विष्णु वर्धन ओर नितिन कुमार सिन्हा की जोड़ी का सामना साई कार्तिक रेड्डी और टी मार्चेला से होगा। दूसरे वरीय भारतीय खिलाड़ी रामनाथन कुमार ने हमवतन निखिल पूनाचा पर 6-3, 6-4 की जीत से सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिसमें उनका सामना हमवतन सिद्धार्थ रावत से होगा। यूक्रेन के शीर्ष वरीय उलादिस्लाव ओरलोव रिटायर्ड हर्ट होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये। वह दूसरे वरीय तमिलनाडु के खिलाड़ी मनीष सुरेशकुमार के खिलाफ 4-6, 2-4 से पिछड़ रहे थे। रावत ने डेविड पेरेज को 7-5, 7-6 से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह बनायी। तीसरे वरीय दिग्विजय प्रताप सिंह ने क्वार्टरफाइनल में पांचवें वरीय फ्लोरेंट बाक्स को 6-3, 6-2 से हराया।

श्रीनिधि डेक्कन के खिलाफ सुपरकप के शुरुआती मुकाबले में बेंगलुरु एफसी का पलड़ा भारी

कोझिकोड(एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की उपविजेता बेंगलुरु एफसी की टीम सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले में जब आई-लीग टीम श्रीनिधि डेक्कन के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश अपने लय को जारी रखने की होगी। करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री की अगुवाई वाली इस टीम को आईएसएल फाइनल में एटीके मोहन बागान से हार का सामना करना पड़ा था। सुपर कप में उनके पास खिताबी सपना पूरा करने का शानदार मौका होगा। ग्रुप ए में दिन के दूसरे मुकाबले में आई-लीग चैम्पियन पंजाब किंग्स के सामने घरेलू टीम केरल ब्लास्टर्स की चुनौती होगी। पंजाब एफसी की टीम ने आई-लीग सत्र जीत कर आईएसएल में जगह पाने का हक हासिल कर लिया, उसे बस क्लब लाइसेंस के मानदंड को पूरा करना है। इस टूर्नामेंट की चार साल के अंतराल के बाद वापसी हो रही है। इसके तीसरे सत्र में 16 टीमें शामिल है, जिसमें 11 आईएसएल से और पांच आई-लीग की टीम है।

यशस्वी जायसवाल ने पहले ही ओवर में ठोके पांच चौके

पहले ओवर का रोमांच

पहली गेंद - चौका
दूसरी गेंद - चौका
तीसरी गेंद - चौका
चौथी गेंद - शून्य
पांचवी गेंद - चौका
छठी गेंद - चौका

गुवाहाटी (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल 2023 का 11वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने शानदार शुरूआत की। उन्होंने पहले ही ओवर में पांच चौके लगाए। दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए खलील अहमद को पहला ओवर दिया। वहीं राजस्थान की तरफ से जायसवाल और जोस बटलर ओपनिंग पर उतरे। जायसवाल स्ट्राई पर थे और उन्होंने चौके के साथ शुरूआत करते हुए अगली दो और गेंदों पर चौके लगाए और हैट्रिक पूरी की। इसके बाद उन्होंने चौथी गेंद खाली निकाली जबकि पांचवी और छठी गेंद पर फिर चौका लगा दिया।

गौर हो कि दिल्ली को पहले दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा और ऐसे में टीम जीत दर्ज करना चाहेगी। लेकिन राजस्थान की मजूबत शुरूआत से दिल्ली को झटका दिया है जिसने तीन ओवर में 39/0 रन बनाए।

मेयर कप इंदौर इंटरनेशनल शतरंजॉ

नितीश का बड़ा उलटफेर बोरिस को हराया, भारतीय का खिताब जीतना तय

इंदौर(एजेंसी)। मेयर कप इंदौर इंटरनेशनल शतरंज अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँच गया है और इसके साथ ही नौवे राउंड में हुए दो बड़े उलटफेर के चलते पहली बार में ही यह खिताब किसी भारतीय खिलाड़ी के नाम होना तय हो गया है । नौवे राउंड के पहले रूस के बोरिस शावचेंकों 6.5 अंक बनाकर और जॉर्जिया के लेवान पेंटसूलिया 6 अंक बनाकर 6 अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ खिताब की दौड़ में शामिल थे पर नौवे राउंड में पहले बोर्ड पर तीसरे वरीय बोरिस को भारत के 15वे वरीय नितीश बेरुलकर नें पराजित करते हुए उन्हे ख़िताबी दौड़ से बाहर कर दिया तो अब नितीश के पास खिताब जीतने का सुनहरा मौका है । 6.5 अंक पर भारत के हर्ष सुरेश से अरोण्यक घोष और दीपन चक्रवर्ती नें औदि अमेय से बाजी ड्रॉ खेली । लेकिन चौंथे बोर्ड पर वापसी की कोशिश कर रहे टॉप सीड जॉर्जिया के लेवान पेंटसूलिया को भारत के वियानी अंटोनिओ नें पराजित करते हुए बड़ा उलटफेर किया और अब 9 राउंड के बाद नितीश और वियानी दोनों 7.5 अंक बनाकर खिताब के बेहद करीब है जबकि 7 अंको पर हर्ष ,औदि ,दीपन और अरोण्यक के होने से खिताब किसी भारतीय के पास जाना तय हो चुका है ।

भारतीय हॉकी टीम के सपोर्ट स्टाफ से जुड़े रेट हल्केट और ऐलन टैन

नई दिल्ली(एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने घोषणा की कि रेट हल्केट और एलन टैन क्रमशः विश्लेषणात्मक कोच और वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल होंगे। भारत में हॉकी के शासी निकाय ने पहले क्रेग फुल्टन को पुरुष हॉकी टीम के लिये नया मुख्य कोच नियुक्त किया था। हॉकी इंडिया बताया कि जापान महिला हॉकी टीम के पूर्व मुख्य कोच एंथनी फेरी भारतीय महिला हॉकी टीम के विश्लेषणात्मक कोच के पद को भरेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हल्केट ने 2010 और 2018 के बीच अपने देश के लिये 155 मैच खेले। वह 2020 में नीदरलैंड महिला हॉकी टीम में सहायक कोच के रूप में शामिल हुए थे। अपने एक साल के कार्यकाल में वह एफआईएच महिला प्रो लीग 2020-21, यूरोपीय चैंपियनशिप और टोक्यो ओलंपिक के दौरान सहयोगी स्टाफ का हिस्सा रहे। उन्होंने 2022 में स्कॉटलैंड पुरुष हॉकी टीम के लिये सहायक कोच की भूमिका निभाई और मुख्य कोच के रूप में स्कॉटलैंड अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम का नेतृत्व भी किया। एलन टैन के पास

जनवरी 2011 और सितंबर 2021 के बीच एनएसडब्ल्यू इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच के रूप में काम करने का एक दशक से अधिक का अनुभव है।

एलन ने सितंबर 2021 से मार्च 2023 तक यूनिवर्सिटी ऑफ टेकनॉलजी सिडनी में स्नातक व्यायाम और खेल विज्ञान के लिये प्रयोगशाला ट्यूटर और यूनिट निर्धारक मार्कर के पद पर भी काम किया है। दूसरी ओर, महिला टीम से जुड़ने वाले फेरी दिसंबर 2008 और 2011 के बीच हॉकी एसीटी और हॉकी ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच के रूप में तीन साल तक काम कर चुके हैं। वह कनाडा पुरुष हॉकी टीम के हेड कोच के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सुर्खियों में आए थे जब कनाडा ने इतिहास में पहली बार 2016 रियो ओलंपिक खेलों के लिये क्वालीफाई किया था।

मुंबई-सीएसके की टक्कर मैनचेस्टर यूनाइटेड बनाम लिवरपूल जैसी होती है : मोईन अली

मुंबई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के हरफनमौला खिलाड़ी मोईन अली ने अपनी टीम और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब रिकॉर्ड पांच बार जीतने वाली मुंबई इंडियंस के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा की तुलना मैनचेस्टर यूनाइटेड और लिवरपूल की फुटबॉल प्रतिद्वंद्विता से की। मुंबई इंडियंस आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम है, जबकि चेन्नई सुपरकिंग्स चार खिताब के साथ दूसरे नंबर पर है।

साल 2022 में आईपीएल की बड़ी नीलामी के बाद से दोनों टीमें संघर्ष कर रही है। मुंबई और चेन्नई की आईपीएल प्रतिद्वंद्विता को आईपीएल की 'एल क्लासिको के नाम से जाना जाता है। दोनों टीमों के बीच 34 मुकाबलों में हालांकि 20 जीत के साथ मुंबई का पलड़ा भारी रहा है। मोईन ने कहा, '' यह एक ऐसा मुकाबला है जिसका मैं वास्तव में इंतजार कर रहा हूं। ये दो सबसे सफल फ्रेंचाइजी टीमों का मुकाबला हैं और दोनों के प्रशंसकों की संख्या बहुत ज्यादा है। एक क्रिकेटर के रूप में यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाहर खेले जाने वाले सबसे बड़े मैचों में से एक है। अगर फुटबॉल के नजरिये से देखे तो यह मैच मैनचेस्टर यूनाइटेड और लिवरपूल के मुकाबले की तरह है। ये मुकाबले काफी बड़े होते है। उन्होंने चोट से वापसी के बाद लय पाने के लिए संघर्ष कर रहे टीम के मुख्य तेज गेंदबाज दीपक चाहर का बचाव करते हुए कहा, '' मुझे लगता है कि उनके पास सिर्फ एक चीज की कमी है और वह है मैच में समय देने की।

संक्षिप्त समाचार

जी-20 समिट की तैयारियों को परखने के लिए सड़क पर उतरीं सीईओ, खामियां मिलने पर 2 कंपनियों पर लगाया 10 लाख जुर्माना

नोएडा, एजेंसी। जी 20 समिट को लेकर नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी गंभीर है। जबदस्त एक्शन में आ चुकी है। शहर में किस प्रकार से जी 20 को लेकर तैयारियां चल रही है। उसका निरीक्षण करने के लिए स्वयं सड़क पर उतर रही है। शुक्रवार को प्रधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उन्होंने शहर का दौरा किया। लापरवाही करने वाले संविदाकार कंपनियों पर 10 लाख का जुर्माना ठोंका। इस दौरान उपस्थित अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभाष कुमार, ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह व डा अविनाश त्रिपाठी, डीजीएम सिविल श्रीपाल भाटी, व जन स्वास्थ्य विभाग उपमहाप्रबंधक एसपी सिंह, परियोजना अभियंता विजय कुमार रावल व आरके शर्मा को विशेष निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रितु माहेश्वरी ने सेक्टर-93 ए और 93 बी में फुटपाथ व सर्विस रोड पर साफ-सफाई नहीं मिली। यहां कोई कर्मी भी काम करता नहीं मिला। यह कार्य बीवीजी कंपनी करा रही थी। इस पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। होजरी कांप्लेक्स के बाहर मेट्रो के नीचे 45 मीटर रोड के पास जंगल उगा था। आंतरिक सड़कों पर साफ सफाई नहीं मिली। यहां वरदांत कंस्ट्रक्शन कंपनी पर पांच लाख का जुर्माना लगाया। होजरी कांप्लेक्स व फेज-2 में कुछ प्लाट खाली मिले, जिनका सर्वे कराने के निर्देश दिया गया। इसके अलावा सेक्टर-76, 77, 78, 79 का निरीक्षण किया गया। यहां नर्सरी व कार वासिंग सेंटर का संचालन चल रहा था । जिनको हटाने के निर्देश दिया, जमीन को फेसिंग कराने के लिए कहा गया। कई सेक्टरों में भवनों के बाहर कंस्ट्रक्शन सामग्री पड़ी थी। इन सभी को नोटिस जारी करने के लिए कहा गया। सेक्टर-76 व 78 में कार्नर के भूखंड पर झुग्गी झोपड़ी है, उनको हटाया जाए। इस भूखंड का भू प्रयोग के अनुसार विकास कराया जाए। यह निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया।

गुरुग्राम में तेजी से बढ़ रहा है कोरोना, मिले 206 नए मामले

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में कोरोना संक्रमण का प्रसार कम नहीं हो रहा। दिन प्रति दिन बढ़ रहा है। 223 दिन बाद शुक्रवार को गुरुग्राम में 200 से अधिक कोरोना संक्रमित मरीज मिले। पिछले वर्ष 27 अगस्त को 222 मरीज मिले थे उसके बाद शुक्रवार को 206 नए कोरोना के मरीज मिले। 92 स्वस्थ हुए। संक्रमण दर 9.85 दर्ज की गई। अप्रैल के सात दिनों में 206-688 नए मरीज मिल चुके हैं, जबकि 402-92 स्वस्थ हो चुके हैं। जिले में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 698 हो गई है। 12 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं और अन्य सभी होम आइसोलेशन में इलाज ले रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग मार्च 2020 से अबतक 38,43,632 लोगों की कोरोना जांच कर चुका है। जिसमें 3,02,774 मरीज मिले हैं और 3,01,044 मरीज स्वस्थ हुए है। 1032 मरीज की मृत्यु हुई है। कोरोना के बढ़ते मामलों को बारे में बताते हुए सिविल सर्जन डॉ. विरेंद्र यादव ने बताया कि 686 मरीज होम आइसोलेशन में इलाज ले रहे हैं। 12 मरीज अस्पताल में इलाज ले रह हैं, लेकिन गंभीर बीमार नहीं है। नए मरीज अधिक मिल रहे हैं और स्वस्थ होने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है।

पनीर व्यापारी से मोटरसाइकिल और आईफोन लूटकर फरार हुए थे चोर, पुलिस ने चारों आरोपितों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नालेज पार्क कोतवाली पुलिस ने आइआइएमटी कालेज के पास तीन दिनों पूर्व हुई मोटर साइकिल लूट की घटना पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। आरोपितों के पास से पुलिस ने लूटी गई एक मोटर साइकिल व चोरी की गई एक स्कूटी व आइफोन बरामद किया है। आरोपितों के पास से एक पिस्टल व तमंचा भी बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि तुगलपुर के रहने वाले सुनील के द्वारा पनीर का व्यापार किया जाता है। चार अप्रैल को मोटर साइकिल से वह आइआइएमटी कालेज के पास से जा रहे थे। वहां पर बैठे बदमाशों ने हथियार के बल पर उनसे मोटर साइकिल व आइफोन लूट लिया था। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार हो गए थे। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी थी। पीड़ित के द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर पुलिस की टीम बदमाशों की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी सर्विलांस की मदद से चारों आरोपितों को गिरफ्तार गया। आरोपितों की पहचान मुस्तकीम, शौकीन, सुमित यादव व रिंकू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि बदमाशों ने घटना की बात स्वीकार की है। साथ ही उन्होंने आइआइएमटी कालेज के पास से 23 मार्च को एक स्कूटी चोरी भी चोरी की थी। स्कूटी भी बरामद कर ली गई है।

ब्रिटिश पेट्रोलियम के उत्पाद खरीदने के नाम पर धोखाधड़ी के 4 आरोपित गिरफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी। ब्रिटिश पेट्रोलियम कंपनी के उत्पाद खरीदने के नाम पर धोखाधड़ी करने के चार आरोपितों शैलेश कुमार, तुषार कोहली, विनोद कुमार भसीन और रामकुमार को साइबर क्राइम थाना पुलिस ने दिल्ली से तीन अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए तीन दिन की रिमांड पर लिया गया। उनके कब्जे से कुल नौ लाख 26 हजार रुपये, चार मोबाइल, एक लैपटाप और एक डोंगल की बरामदगी की गई। रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भोंडसी जेल भेज दिया गया। गत वर्ष 17 दिसंबर को ईमेल के माध्यम से साइबर क्राइम थाने में एक युवती ने शिकायत देकर कहा था कि उससे एक युवक ने कम समय में अच्छा मुनाफा दिलाने का प्रलोभन देकर एक वाट्सएप ग्रुप से जोड़ लिया। ग्रुप में 800 लोग जुड़े थे। उन्हें ब्रिटिश पेट्रोलियम के उत्पाद खरीदने का प्रलोभन दिया गया था। उनसे दो लाख 30 हजार रुपये ट्रांसफर कराए गए थे। जब मुनाफा नहीं मिला तो फिर उन्होंने निवेश किए गए पैसे वापस करने के मांग की। इस पर ग्रुप एडमिन ने धमकी देते हुए उन्हें ब्लैकमेल करने लगा था।

जो दूसरों के गुनाहों की खंगालते हैं कुंडली, अब खुद की बेगुनाही का देना होगा सबूत

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जो दूसरों के गुनाहों की कुंडली खंगालते हैं, उनको खुद की बेगुनाही साबित करने के लिए गौतमबुद्धनगर जिला न्यायालय में बादलपुर कोतवाली परिसर के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देनी होगी। मामला किन्नर के अपहरण व मारपीट से जुड़ा हुआ है। ऐसे में पुलिस फूंक-फूंक कर कदम तो रख रही है, लेकिन अपनी बेगुनाही साबित करना अब बड़ी चुनौती बन गया है। पुलिस के दावे को चुनौती देते हुए बचाव पक्ष ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने अरबाज व राहुल नाम के व्यक्ति को बुधवार शाम उठाया था, जबकि दोनों की गिरफ्तारी पुलिस की जीडी में बृहस्पतिवार सुबह अच्छेजा गांव के सामने से दिखाई गई है। पुलिस ने यह भी दावा किया है कि अरबाज के कब्जे से तमंचा मिला है। वहीं बचाव पक्ष के मुताबिक अपहरण व मारपीट के मामले में सरेंडर होने पर मिली जमानत के बाद ही बुधवार को पुलिस ने दोनों को उठा लिया था। बचाव पक्ष के अधिवक्ता प्रभात चौधरी ने बताया कि 22 फरवरी 2023 को मोना किन्नर ने हिना किन्नर, निशा, राहुल व अरबाज पर अपहरण व मारपीट का आरोप लगाते हुए बादलपुर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। राहुल व अरबाज ने बुधवार सुबह साढ़े दस बजे कोर्ट ने सरेंडर अर्जी दाखिल करते हुए जमानत अर्जी लगाई। कोर्ट ने दोनों को जमानत दे दी। खेल इसके बाद शुरू हुआ। जैसे ही दोनों को जमानत मिली। बादलपुर कोतवाली पुलिस ने दोनों को तमंचा व चाकू रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने कोतवाली की सीसीटीवी फुटेज मंगाकर यह पता करने की कोशिश की है कि आखिर अरबाज व राहुल को कितने बजे गिरफ्तार करके कोतवाली लाया गया।

केबल सस्पेंशन फ्लाईओवर से नोएडा में मिलेगी राहत, लेकिन किसान चौक पर बढ़ेगी आफत; 15 मई तक होगा तैयार

नोएडा, एजेंसी। पर्थला गोल चक्कर पर निर्माणाधीन केबल सस्पेंशन फ्लाईओवर की नोएडा प्राधिकरण ने अंतिम डेट लाइन निर्धारित कर दी है। 15 मई तक निर्माण कार्य पूरा कर फ्लाईओवर जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

इसके बाद इस रास्ते गाजियाबाद (सिद्धार्थ विहार, विजय नगर] लाल कुआं का यातायात एनएच (नौ) से किसान चौक की ओर), हापुड़-मेरठ (क्रसिंग रिपब्लिक के रास्ते एक मूर्ती चौक) की ओर नोएडा में आने जाने वाले करीब दो लाख वाहनों को पर्थला गोल चक्कर पर जाम की समस्या से पूरी तरह से निजात मिल जाएगी। वाहन बिना रुके कालिंदी कुंज व डीएनडी की ओर सीधे आ जा सके। इससे लोगों को 30 से 45 मिनट का समय कम लगेगा।

यातायात पुलिस के लिए किसान चौक पर जाम की समस्या से निपटना कड़ी चुनौती होगी, क्योंकि इस जगह पर तेजी से तीन तरफ का यातायात एकत्र होगा। इसमें नोएडा एक्सटेंशन के वाहन तो रहेंगे, लेकिन डासना, मेरठ, हापुड़ की ओर से आने वाला यातायात क्रासिंग रिपब्लिक के रास्ते एक मूर्ति चौक होते हुए किसान चौक पर आएगा, जबकि सिद्धार्थ विहार, विजय नगर, लाल कुआं की तरफ से आने वाला यातायात एनएच (नौ) के रास्ते नोएडा एक्सटेंशन की ओर किसान चौक पर आएगा।

यहीं नहीं, नोएडा एक्सटेंशन की सोसायटी का ट्रैफिक भी किसान चौक पर पहुंचेगा, जिससे तीन तरफ से आने वाले यातायात के कारण किसान चौक जाम का नया प्वाइंट होगा, जिससे निपटने के लिए यातायात पुलिस को तैयारी करनी होगी। वर्क सर्किल छह वरिष्ठ प्रबंधक प्रवीन सलोनिया ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा एक्सटेंशन से आने जाने वाले लोगो की राह आसान करने में पर्थला गोलचक्कर पर केबल सस्पेंशन फ्लाईओवर बनाने का निर्णय लिया। इसका निर्माण 24 दिसंबर 2020 को शुरू हुआ। निर्माण 30 अप्रैल 2023 को खत्म होना था, लेकिन अब यह कार्य 15 मई तक पूरा हो सकेगा। केबल सस्पेंशन फ्लाईओवर का काम 94 प्रतिशत पूरा है, लेकिन लोहे के फ्लाईओवर के लिए बीम बनाने का काम किया जा रहा है, जिसमें करीब 25 दिन का समय लगेगा। जबकि सेक्टर-121 होम्स सोसायटी की ओर फ्लाईओवर का स्लोब तैयार करन काम चल रहा है।

अब धीरे-धीरे बढ़ेगा दिल्ली का तापमान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में शुक्रवार को आकाश साफ रहा। पूरे दिन धूप भी खिली रही लेकिन सुबह के वक्त मौसम में नमी बनी रही। इस वजह से सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिन तक आकाश में आंशिक बादल छाए रहेंगे। हालांकि, वर्षा होने की खास संभावना नहीं है और धीरे-धीरे तापमान भी बढ़ेगा।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। अगले सप्ताह के अंत में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। शुक्रवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 34.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है।

वहीं, न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस कम है। अधिकतम तापमान सबसे अधिक पीतमपुरा में 35.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।वहां न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस रहा। दिल्ली में पालम, पूसा, स्पोर्ट्स कांप्लेक्स व मयूर विहार में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। न्यूनतम तापमान सबसे अधिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के पास 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मध्यम श्रेणी में हवा की गुणवत्ता

दिल्ली एनसीआर में हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में बनी हुई है। सफर इंडिया के अनुसार अगले तीन दिनों तक यही स्थिति बरकरार रहेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का एयर इंडेक्स 142, फरीदाबाद का 103, गाजियाबाद का 137, ग्रेटर नोएडा का 180, गुरुग्राम का 151 व नोएडा का एयर इंडेक्स 153 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में है।

फर्जी वेबसाइट बना सैलरी पर कर्मचारियों को रखा, फिर नौकरी का झांसा देकर युवाओं को ठगने लगे

नोएडा, एजेंसी। नौकरी दिलाने का झांसा देकर बेरोजगारों से ठगी करने वाले कॉल सेंटर का पर्दाफाश करते हुए सेक्टर-63 कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को चार आरोपितों को दबोच लिया। शातिरों के कब्जे से तीन लैपटॉप, सात स्मार्टफोन, तीन कीपैड फोन और 30 हजार रुपये की नकदी सहित अन्य सामान बरामद हुआ है।

जालसाजों की पहचान अमरोहा के निखिल चहल, मिर्जापुर के मऊ डोऊआ के राहुल पांडेय, गोरखपुर के गंगाह के आशीर्वाद मिश्रा और उन्नाव के बैहटा मुजावर के रिहान के रूप में हुई है। वर्तमान में आरोपी गाजियाबाद, दिल्ली और नोएडा के अलग-अलग हिस्से में रह रहे थे।

कोतवाली प्रभारी अमित कुमार मान ने बताया कि बीते दिनों एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी थी कि नौकरी दिलाने के नाम पर कुछ लोगों ने उसके साथ एक लाख 35 हजार रुपये की ठगी की है। पैसे लेकर जालसाजों ने शिकायतकर्ता को नौकरी डाट काम का फर्जी नियुक्ति पत्र भी सौंप दिया।

शिकायतकर्ता ने बताया कि जालसाजों ने सैकड़ों लोगों से इस प्रकार की ठगी की है। इसके बाद आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर एक टीम गठित की गई और शातिरों को दबोच लिया गया।

जालसाजों ने पूछताछ में बताया कि निखिल शाइन डॉट काम से अपनी एक आईडी 15 हजार रुपये फीस देकर बनवाता है, जो दो माह के लिए वैध होती है। इसमें प्रतिदिन नौकरी तलाश रहे युवक और युवतियों के रिज्यूम अपलोड होते हैं।

रिज्यूम से नंबर प्राप्त कर जरूरतमंद लोगों से चारों आरोपित संपर्क करते थे और अच्छी नौकरी दिलाने का झांसा देते थे। रजिस्ट्रेशन सहित अन्य प्रकार की फीस का हवाला देकर जालसाज युवकों को अपने जाल में फंसाते थे।

एसीपी अमित प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपित चार से पांच माह में दफ्तर बदल देते थे। जालसाजों ने पहले सेक्टर-63 के डी ब्लाक में दफ्तर बनाया हुआ था, जिसके बाद यह बिसरख में शिफ्ट हो गए। कई अन्य शहरों में भी आरोपित ठगी का दफ्तर खोल चुके हैं। गिरोह का सरगना निखिल है। ठगी की आधी रकम निखिल अपने पास रखता था। बाकी का हिस्सा अन्य लोगों को बराबर में बांटा जाता था। प्रतिमाह दस से 20 हजार की सैलरी पर कुछ युवकों को नौकरी पर रखा जाता था और हर माह जालसाज कर्मचारी को बदल देते थे। अन्य जिलों से भी जालसाजों का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है। पूछताछ में सामने आया है कि शातिरों ने अब तक अलग-अलग जगह दफ्तर खोलकर 200 से अधिक लोगों से ठगी की है। गिरोह में शामिल तीन अन्य शातिरों की तलाश जारी है।

बंडी संजय को मिली जमानत पर तरुण चुघ ने दी प्रतिक्रिया, कहा- यह केसीआर सरकार के मुंह पर तमाचा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय को मिली जमानत के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने शुक्रवार को अपने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय को दी गई जमानत न केवल कल्वाकुंतला चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली सरकार के चेहरे पर एक तमाचा है, बल्कि आम आदमी की जीत भी है। एसएससी हिंदी पेपर लीक मामले में जमानत मिलने के बाद तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष और सांसद बंडी संजय को शुक्रवार को करीमनगर जेल से रिहा कर दिया गया। केसीआर के नेतृत्व वाली सरकार पर कटाक्ष करते हुए चुघ ने कहा, बंडी संजय की जमानत उन लोगों की जीत है, जिनके लिए संजय प्रश्न पत्र लीक होने की लड़ाई लड़ रहे थे और साथ ही, केसीआर सरकार के चेहरे पर एक तमाचा भी है। चुघ भाजपा अध्यक्ष की ओर से संजय के परिवार से मिलने पहुंचे और कहा, तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं, वो तेलंगाना में लाखों युवाओं की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।उन्होंने कहा, केसीआर सरकार द्वारा प्रश्न पत्र लीक मामले में लाखों छात्रों को ठगने के बाद जिस तरह से संजय, केसीआर सरकार के खिलाफ लड़ रहे थे, उससे साफ पता चलता है कि केसीआर सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। उन्होंने कहा कि न्याय को सामने लाने के लिए भाजपा न्यायपालिका की ऋणी है। चुघ ने कहा, लोकसभा सदस्य संजय की गिरफ्तारी स्पष्ट रूप से असंवैधानिक थी, क्योंकि लोकसभा का सत्र चल रहा था और केसीआर सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष को इस बारे में सूचित करना भी जरूरी नहीं समझा था। अंत में चुघ ने कहा, बीजेपी केसीआर सरकार को बेनकाब करने के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री द्वारा किए गए दमनकारी कार्यों से कभी भी निराश नहीं होगी।

संयुक्त राष्ट्र ने तालिबान के महिला कर्मियों पर प्रतिबंध का किया विरोध

लॉस एंजलिस, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि देश में संयुक्त राष्ट्र की महिला कर्मियों पर तालिबान के प्रतिबंध लगाने के फैसले पर विरोध जताने तथा दबाव बनाने के इरादे से बृहस्पतिवार को दूसरे दिन भी 3,330 अफगान पुरुष एवं महिला कर्मी घर पर रहे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने तालिबान की कार्रवाई पर एक आपात बैठक आयोजित की और उसे अपने फैसले को बदलने के लिए दबाव डाला। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने संयुक्त राष्ट्र के इस आग्रह को दोहराया कि लाखों लोगों को जीवन रक्षक सहायता पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सभी कर्मचारियों की आवश्यकता है । उन्होंने फिर से जोर देकर कहा कि ''अफगान महिलाओं की जगह पुरुषों को नहीं रखा जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र अफगान महिलाओं की जगह अंतरराष्ट्रीय महिलाओं को भी नहीं लाना चाहता, जिन पर देश में काम करने पर प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक रूप से यह हमेशा बेहतर होता है कि किसी देश के नागरिक अपनी स्थानीय आबादी को सहायता प्रदान करें। संयुक्त राष्ट्र के पास अफगानिस्तान में लगभग 3,900 कर्मचारी है, जिसमें लगभग 3,300 अफगान और 600 अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी शामिल हैं। इनमें 600 अफगान महिलाएं और अन्य देशों की 200 महिलाएं भी शामिल हैं। तालिबान प्रतिबंध पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बंद कमरे में हुई बैठक में सदस्यों को अफगानिस्तान के महासचिव के विशेष प्रतिनिधि रोजा ओटुनबायेवा ने जानकारी दी, जिन्होंने बुधवार को तालिबान के विदेश मंत्री, अमीर खान मुत्तकी के साथ वार्ता का नेतृत्व किया, ताकि वे अपने फैसले को वापस लेने का आह्वान कर सकें। अमेरिका के उप राजदूत रॉबर्ट बुड ने कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन इस प्रतिबंध को ''वस्तुतः अफगान महिलाओं एवं लड़कियों को समाज से काटने के तालिबान के एक और प्रयास के तौर पर देखता है।

पाकिस्तानी सेना ने प्रतिबंधित बलूच अलगाववादी समूह के प्रमुख को किया गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने एक सफल खुफिया अभियान के तहत देश के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक प्रतिबंधित अलगाववादी समूह के संस्थापक को गिरफ्तार किया है। सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने एक बयान में कहा कि गुलजार इमाम उर्फ शांबे को एक सुनियोजित अभियान में पकड़ा गया है। संसाधन संपन्न बलूचिस्तान प्रांत, ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है, जो लंबे समय से हिंसक विद्रोह का घर है। बलूच विद्रोही समूह पहले भी 60 अरब डालर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजनाओं को निशाना बनाकर कई हमले कर चुके हैं।

सेना ने कहा कि पकड़ा गया आतंकवादी गुलजार इमाम एक कट्टर आतंकवादी है। वह प्रतिबंधित बलूच नेशनल आर्मी का संस्थापक और नेता भी है, जिसे बलूच रिपब्लिकन आर्मी और यूनाइटेड बलूच आर्मी (यूबीए) के विलय के बाद बनाया गया था। हालांकि, बयान में उस सटीक स्थान का खुलासा नहीं किया गया, जहां आतंकवादी को पकड़ा गया था। इमाम के गिरफ्तारी की रिपोर्ट उस दिन सामने आई, जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति हो रही थी। पिछले कुछ महीनों में देश में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। आतंकवादी समूह देश भर में लगभग बेखौफ हमलों को अंजाम दे रहे हैं। चूंकि नवंबर में पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) के साथ बातचीत टूट गई थी, इसलिए खूंखार आतंकवादी समूह ने अपने हमले तेज कर दिए, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और अफगानिस्तान की सीमा से लगे इलाकों में पुलिस को निशाना बनाकर। बलूचिस्तान में विद्रोहियों ने भी अपनी हिंसक गतिविधियों को तेज कर दिया है और टीटीपी के साथ सांठगांठ को औपचारिक रूप दे दिया है। आईएसपीआर के बयान के मुताबिक, इमाम को एक हाई प्रोफाइल और सफल खुफिया ऑपरेशन में पकड़ा गया था। बीएनए ने पंजगुर और नोशकी में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिष्ठानों को लक्षित करने सहित देश में कई हिंसक आतंकवादी हमले किए हैं। इमाम 2018 तक बीआरए में ब्रह्मदाग बुगती के डिप्टी के रूप में भी रहा।अफगानिस्तान और भारत की उसकी यात्राएं भी रिकॉर्ड में हैं, जबकि शत्रुतापूर्ण खुफिया एजेंसियों के साथ उसके संबंधों की जांच की जा रही है। बयान में कहा गया है, गुलजार इमाम की गिरफ्तारी बीएनए के साथ-साथ अन्य उग्रवादी समूहों के लिए एक गंभीर झटका है, जो बलूचिस्तान में कड़ी मेहनत से अर्जित शांति को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने घरेलू राजनीतिक और न्यायिक संकट के बीच अमेरिका का दौरा रद्द : रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने विश्व बैंक और आईएमएफ की वसंत बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका की अपनी यात्रा रद्द कर दी है और घरेलू राजनीतिक अनिश्चितता को गहराते हुए और न्यायिक संकट के विकास के बीच 1.1 बिलियन अमेरिकी डालर के आईएमएफ बेलआउट को अनलॉक करने के लिए अधिकारियों के साथ बातचीत की है। अमेरिका यात्रा के दौरान डार को रुके हुए बेलआउट पैकेज के पुनरुद्धार पर कर्मचारी-स्तरीय समझौते में अड़चनों को दूर करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष प्रबंधन से मिलना था।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि डार वाशिंगटन में 10 से 16 अप्रैल तक

होने वाली विश्व बैंक और आईएमएफ की स्प्रिंग मीटिंग में शामिल नहीं होंगे। अखबार ने डार के हवाले से कहा, मैं घरेलू हालात के कारण नहीं जा रहा हूं। अखबार ने कहा कि गहराती राजनीतिक अनिश्चितता और विकासशील न्यायिक संकट को वाशिंगटन की यात्रा रद्द करने के पीछे का कारण बताया गया।

सूत्रों ने कहा कि आर्थिक मामलों के मंत्री सरदार अयाज सादिक भी मौजूदा अनिश्चित राजनीतिक परिस्थितियों के कारण अमेरिका नहीं जाएंगे। आर्थिक मामलों के मंत्री हमेशा विश्व बैंक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करते थे। अयाज को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का काफी करीबी माना जाता है और वह सहयोगी दलों के राजनीतिक मामलों को भी संभालते थे।

देश के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पंजाब प्रांत में चुनाव कराने को लेकर न्यायपालिका और संघीय सरकार के बीच बढ़ती खाई के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। संघीय सरकार का दावा है कि उसके पास चुनावों में देरी करने और इस साल अगस्त के बाद देश में आम चुनाव कराने की शक्ति है। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी जल्द चुनाव कराने पर जोर दे रही है और मांग कर रही है कि पंजाब प्रांत में चुनावों में देरी करने के बजाय, नेशनल असेंबली को भंग कर दिया जाना चाहिए और देश में आम चुनाव बुलाए जाने चाहिए। वित्त सचिव हमीद याकूब शेख और आर्थिक मामलों के सचिव काजिम नियाज अब डब्ल्यूबी-आईएमएफ वसंत बैठकों में सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। पाकिस्तान वाशिंगटन स्थित आईएमएफ से 1.1 बिलियन अमेरिकी डालर की बहुत जरूरी धनराशि का इंतजार कर रहा है, जो मूल रूप से पिछले साल नवंबर में वितरित होने वाली थी। फंड 2019 में आईएमएफ द्वारा स्वीकृत 6.5 बिलियन अमेरिकी डालर के बेलआउट पैकेज का हिस्सा हैं। विश्लेषकों का कहना है कि अगर पाकिस्तान को बाहरी ऋण दायित्वों पर चूक से बचना है तो यह महत्वपूर्ण है। 2019 में हस्ताक्षरित आईएमएफ कार्यक्रम 30 जून, 2023 को समाप्त होने जा रहा है और निर्धारित दिशानिर्देशों के तहत कार्यक्रम को समय सीमा से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। लंबित 9वीं समीक्षा दिसंबर 2022 में पूरी होनी थी और 10वीं समीक्षा फरवरी 2023 से शुरू होनी चाहिए थी। पाकिस्तान और आईएमएफ महीनों से रुके हुए कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अभी तक किसी समझौते पर नहीं पहुंचे हैं।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555